देश में एयर कंडीशनरों से होने वाला कार्बन उत्सर्जन हुआ कारों के बराबर-7

निर्मला सीतारमण बोलीं-नियामकीय उपायों के कारण नवोन्मेषण को मिलेगा बढ़ावा-10

इजराइल के विरुद्ध अरब और इस्लामी देशों के बीच एकजुटता बनाने की कोशिश-11

दक्षिण क्षेत्र को छह विकेट से हराकर मध्य क्षेत्र बना दलीप ट्रॉफी चैंपियन- 12

आज का मौसम

32.0⁰ अधिकतम तापमान

26.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.57

सूर्यास्त 06.18

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन कृष्ण पक्ष दशमी 12:22 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 16 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 297, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

प्रकाशोत्सव पर इस बार पाकिस्तान नहीं जाएंगे तीर्थयात्री

अमृतसर। श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव के मौके पर पाकिस्तान में होने वाले समागमों में हिस्सा लेने और विभिन्न गुरुद्वारों के दर्शन करने के लिए पाकिस्तान जाने वाले सिख श्रद्धालुओं का जत्था इस बार नहीं जाएगा। शिरोमणि कमेटी के सचिव प्रताप सिंह ने बताया कि सिख श्रद्धालुओं ने श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव के अवसर पर पाकिस्तान जाने के लिए अपने पासपोर्ट शिरोमणि कमेटी कार्यालय में जमा करवा दिए थे। लेकिन अब सरकार ने सुरक्षा का हवाला देते हुए जत्था भेजने पर रोक लगाने के लिए पत्र भेजा है। इसी के मद्देनजर इस बार इस जत्थे को न भेजने का फैसला किया है।

महिलाओं के लिए केरल में खुलेगा विशेष वेलनेस क्लीनिक

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार देश में पहली बार एक अनूठी पहल करते हुए राज्य के सभी 5,415 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में महिलाओं के लिए विशेष 'वेलनेस क्लीनिक' शुरू करने जा रही है। ''स्त्री'' नामक इस पहल का उद्देश्य महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं जैसे थकान, रक्तचाप, मधुमेह और कैंसर की जांच जैसी समस्याओं का समाधान करना है। स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज मंगलवार को पल्लीथुरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्त्री क्लीनिक का उद्घाटन करेंगी।

उपराज्यपाल का ड्यूटी अधिकारी बता ठगे 50 लाख, गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का ड्यूटी अधिकारी बनकर नौकरी के नाम पर 50 लाख रुपये की धोखाधड़ी और जमीन घोटाला करने वाले कुख्यात धोखेबाज अब्दुल मजीद मीर को गिरफ्तार किया है। ईओडब्ल्यू ने सोमवार को बताया कि प्रदेश के कुपवाड़ा जिले के लिशियाल निवासी अब्दुल मजीद मीर को 13 सितंबर को कानून की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज प्राथमिकी के संबंध में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने खुद को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का ड्यूटी अधिकारी बताकर सरकारी नौकरी तथा जमीन आवंटन का आश्वासन दिया था।

सेनाएं किसी भी चुनौती से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहें : प्रधानमंत्री

कोलकाता, एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सशस्त्र बलों के शीर्ष सैन्य कमांडरों से पहली बार मुखातिब होते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और न्यू नॉर्मल के बीच किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए तीनों सेनाओं में एकीकरण, आत्मनिर्भरता और नवाचार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ने को कहा है।

मोदी ने सोमवार को यहां विजय दुर्ग (पूर्व में फोर्ट विलियम) स्थित सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय में संयुक्त कमांडरों के 16 वें सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने तीन दिन तक चलने वाले सम्मेलन के पहले दिन शीर्ष कमांडरों को संबोधित भी किया। प्रधानमंत्री ने तीनों सेनाओं से भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहने के उद्देश्य से उनके बीच परस्पर एकजुटता, आत्मनिर्भरता और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2025 को रक्षा क्षेत्र में 'सुधारों का वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने रक्षा मंत्रालय को निर्देश दिया कि वह तीनों सेनाओं के बीच एकीकरण को बढ़ावा देने, आत्मनिर्भरता और नवाचार से संबंधित सभी नीतियों, योजनाओं और कदमों पर जल्द से जल्द अमल करे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार हो रहे इस सम्मेलन में सैन्य कमांडरों ने प्रधानमंत्री को सैन्य तैयारियों की जानकारी दी।

सम्मेलन के दौरान सैन्य कमांडरों से बातचीत करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

- शीर्ष सैन्य कमांडरों के सम्मेलन में एकीकरण, आत्मनिर्भरता और नवाचार के विकास पर दिया जोर

बिहार के लोगों को बीड़ी से जोड़ने की कांग्रेस की कोशिश बिहारियों का अपमान

पूर्णिया, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के लोगों की तुलना कथित तौर पर 'बीड़ी' से करने के लिए सोमवार को कांग्रेस की आलोचना की और इसे बिहारियों का अपमान करार दिया। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग आगामी विधानसभा चुनावों में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटकों को करारा जवाब देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राजद जैसे विपक्षी दल घुसपैठियों को बचाकर बिहार और पूरे देश की सुरक्षा और संसाधनों को खतरे में डाल रहे हैं। मोदी ने जोर देकर कहा कि घुसपैठ ने देश के पूर्वी हिस्से में जनसांख्यिकीय संकट पैदा कर दिया है, जिससे बिहार, असम और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के लोग अपनी बहनों और बेटियों के सम्मान के लिए चिंतित हैं। मोदी ने आरोप लगाया कि यही वजह थी कि मैंने (स्वतंत्रता दिवस पर) लाल किले से जनसांख्यिकी मिशन की घोषणा की थी। लेकिन वोट बैंक की राजनीति ऐसी है कि कांग्रेस, राजद और उनका पूरा तंत्र विदेशी घुसपैठियों को बचाने में व्यस्त है। उन्होंने दावा किया कि ये विपक्षी दल देश की सुरक्षा और संसाधनों को दांव पर लगा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की हाल ही में संपन्न हुई 'वोटर अधिकार यात्रा' का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि वे इतने बेशर्म हो गए हैं कि वे विदेशी घुसपैठियों के समर्थन में नारे लगा रहे हैं और यात्राएं निकाल रहे हैं।

वक्फ कानून पर रोक से सुप्रीम इनकार

शीर्ष अदालत ने वक्फ अधिनियम के कुछ महत्वपूर्ण प्रावधानों पर दिया स्थगन आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ महत्वपूर्ण प्रावधानों पर रोक लगा दी, जिनमें यह भी शामिल है कि केवल वे लोग ही किसी संपत्ति को वक्फ के रूप में दे सकते हैं जो पिछले पांच साल से इस्लाम का पालन कर रहे हैं। हालांकि, शीर्ष अदालत ने पूरे कानून पर स्थगन से इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने इस विवादास्पद मुद्दे पर 128 पन्नों के अपने अंतरिम आदेश में कहा कि पूर्व धारणा हमेशा कानून की संवैधानिकता के पक्ष में होती है और हस्तक्षेप केवल दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों में किया जा सकता है।

पीठ ने कहा कि हमें ऐसा नहीं लगता कि पूरे कानून के प्रावधानों पर रोक का कोई मामला बनता है। इसलिए, अधिनियम पर रोक के अनुरोध को खारिज किया जाता है। हालांकि, पक्षों के हितों की रक्षा और बैलेंसिंग द इक्विटीज के लिए न्यायालय ने जिलाधिकारी को वक्फ संपत्तियां तय करने के लिए दी गई शक्तियों सहित कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी तथा वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम भागीदारी के मुद्दे पर आदेश जारी किया।

पीठ ने केंद्रीय वक्फ परिषद को निर्देश दिया कि कुल 20 में से चार से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य और राज्य वक्फ बोर्डों में 11 में से तीन से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए। आदेश में कहा गया है कि संशोधित वक्फ अधिनियम की धारा 3 के खंड (आर) का वह भाग जिसमें कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति जो यह दर्शाता या प्रदर्शित करता है कि वह कम से कम पांच वर्षों से इस्लाम का पालन कर रहा है, उस वक्त तक स्थगित रहेगा जब तक कि राज्य सरकार द्वारा यह निर्धारित करने की प्रक्रिया के लिए नियम नहीं बनाए जाते कि व्यक्ति कम से कम पांच वर्षों से इस्लाम का पालन कर रहा है या नहीं।

शीर्ष अदालत ने उस प्रावधान पर भी रोक लगा दी जिसमें कहा गया है कि किसी संपत्ति को उस वक्त तक वक्फ संपत्ति नहीं माना जाए जब तक कि नामित अधिकारी अपनी रिपोर्ट नहीं सौंप देता। इसके अलावा, एक अन्य प्रावधान, जिसमें कहा गया है कि नामित अधिकारी द्वारा संपत्ति को सरकारी संपत्ति घोषित करने के मामले में, उसे राजस्व रिकॉर्ड में आवश्यक संशोधन करना होगा और राज्य सरकार को एक रिपोर्ट सौंपनी होगी। न्यायालय ने कहा कि जब तक संशोधित वक्फ अधिनियम की धारा 3सी के तहत वक्फ संपत्ति के स्वामित्व से संबंधित मामले का, धारा 83 के तहत अधिकरण द्वारा शुरू की गई कार्यवाही में अंतिम रूप से निर्णय नहीं हो जाता, न तो वक्फ को संपत्ति से बेदखल किया जाएगा और न ही राजस्व रिकॉर्ड व वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड में की गई प्रविष्टियां प्रभावित होंगी। पीठ ने कहा कि जब तक विवादित संपत्ति के मालिकाना हक के संबंध में अधिकरण द्वारा अंतिम निर्णय नहीं दिया जाता और अपील पर उच्च न्यायालय के आदेश नहीं आ जाते, किसी तीसरे पक्ष के अधिकार नहीं सृजित किए जाएंगे।

- केंद्रीय बोर्ड में 4 और राज्य में 3 से ज्यादा गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होंगे

कानून पर रोक केवल दुर्लभ मामलों में ही

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि कानूनों पर रोक केवल उन दुर्लभ और असाधारण मामलों में लगाई जानी चाहिए, जिनमें प्रावधान स्पष्ट रूप से असंवैधानिक, मनमाना और नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन करने वाले हों। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने 128 पन्नों के अपने उस फैसले में यह टिप्पणी की, जिसमें वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ प्रमुख प्रावधानों पर रोक लगा दी गई।

कोर्ट ने विकृत मंशा को किया नाकाम : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि इसने संशोधित कानून के पीछे छिपी विकृति मंशा को काफी हद तक नाकाम कर दिया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि यह फैसला न्याय, समानता और बंधुता के संवैधानिक मूल्यों की जीत के साथ ही संयुक्त संसदीय समिति में शामिल रहे उन सांसदों की भी जीत है जिन्होंने असहमति के नोट दिए थे।

भय की राजनीति पर तमाचा : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने वक्फ अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया और कहा कि यह उन लोगों पर करारा तमाचा है जो इस कानून की संवैधानिकता पर सवाल उठा रहे थे और भय पैदा करने की राजनीति कर रहे थे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता नलिन कोहली ने कहा कि प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने सरकार द्वारा किए गए संशोधनों को स्वीकार कर लिया।

बिहार में निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया पर बोला सुप्रीम कोर्ट

गड़बड़ी मिली तो रद्द कर देंगे एसआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी

- शीर्ष अदालत ने कहा-पूरे देश में एसआईआर नहीं रोका जा सकता
- सात अक्टूबर को संबंधित याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह यह मानता है कि भारत का निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक प्राधिकार होने के नाते बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान कानून का पालन कर रहा है। इसने यह भी आगाह किया कि किसी भी अवैधता की स्थिति में इस प्रक्रिया को रद्द कर दिया जाएगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार एसआईआर की वैधता पर अंतिम दलीलें सुनने के लिए सात अक्टूबर की तारीख तय की और इस कवायद पर टुकड़ों में राय देने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि बिहार एसआईआर में हमारा फैसला पूरे भारत में एसआईआर के लिए लागू होगा।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह निर्वाचन आयोग को देश भर में मतदाता सूची में संशोधन के लिए इसी तरह की प्रक्रिया करने से नहीं रोक सकती। हालांकि, पीठ ने बिहार एसआईआर कवायद के खिलाफ याचिका दायर करने वालों को सात अक्टूबर को अखिल भारतीय एसआईआर पर भी दलील रखने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि 30 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन से मामले के निर्णय पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। पीठ ने एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं से कहा कि मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन से हमें क्या फर्क पड़ेगा? अगर हमें लगा कि इसमें कुछ अवैधता है, तो हम इसे रद्द कर सकते हैं।

इस बीच, न्यायालय ने आठ सितंबर के शीर्ष अदालत के उस आदेश को वापस लेने का आग्रह करने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें निर्वाचन आयोग को बिहार एसआईआर में 12वें निर्धारित दस्तावेज के रूप में आधार कार्ड को शामिल करने का निर्देश दिया गया था।

देश में बेरोजगारी की दर गिरकर 5.1 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकारी सर्वेक्षण

- 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग की बेरोजगारी में आई कमी

देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की बेरोजगारी दर में लगातार दूसरे महीने कमी आई है। अगस्त में यह घटकर 5.1 प्रतिशत रही। सोमवार को जारी एक सरकारी सर्वेक्षण में यह कहा गया। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के अनुसार, जुलाई में बेरोजगारी दर 5.2 प्रतिशत रही थी। मई और जून दोनों में यह 5.6 प्रतिशत थी। मई 2025 में जारी पहले पीएलएफएस बुलेटिन के अनुसार, अप्रैल में बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत थी।

आधिकारिक बयान में कहा गया है कि बेरोजगारी दर (15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए) लगातार दूसरे महीने घटकर अगस्त 2025 में 5.1 प्रतिशत रही। वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में एकत्र किए गए नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत रही।

पुरुषों की बेरोजगारी दर अगस्त में पांच महीनों में सबसे कम पांच प्रतिशत रही। अप्रैल में यह 5.2 प्रतिशत, मई और जून में 5.6 प्रतिशत और जुलाई में 5.3 प्रतिशत थी। इसका कारण शहरी क्षेत्रों में पुरुषों की बेरोजगारी दर में

गिरावट है। बीते महीने घटकर यह 5.9 प्रतिशत पर रही जो जुलाई में 6.6 प्रतिशत थी। ग्रामीण पुरुषों की बेरोजगारी दर भी अगस्त 2025 में घटकर 4.5 प्रतिशत रही, जो पिछले चार महीनों की बेरोजगारी दर से कम है। कुल मिलाकर, ग्रामीण बेरोजगारी दर लगातार तीन महीनों से घट रही है। मई 2025 में यह 5.1 प्रतिशत थी जबकि अगस्त में कम होकर 4.3 प्रतिशत रही। महिलाओं में श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) में लगातार दो महीनों से वृद्धि देखी गई है और यह अगस्त में बढ़कर 32 प्रतिशत हो गया जो जून में 30.2 था। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में डब्ल्यूपीआर में वृद्धि से समग्र श्रमिक जनसंख्या अनुपात में सुधार हुआ है और यह बढ़कर अगस्त में 52.2 प्रतिशत हो गया जबकि जून 2025 में यह 51.2 प्रतिशत था।

आयकर रिटर्न भरने की समयसीमा एक दिन बढ़ी

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न भरने की समयसीमा 15 से बढ़ाकर 16 सितंबर 2025 कर दी है। सीबीडीटी ने कहा कि बोर्ड ने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर, से बढ़ाकर 16 सितंबर करने का निर्णय लिया है। सेवाओं में बदलाव को लेकर, ई-फाइलिंग पोर्टल 16 सितंबर 2025 को सुबह 12:00 बजे से 2:30 बजे तक रखरखाव स्तर पर रहेगा। उल्लेखनीय है कि कई लोगों ने आयकर रिटर्न भरने में तकनीकी खामी की शिकायत की थी। उन शिकायतों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। आयकर विभाग ने एक्स पर बताया कि अब तक 7 करोड़ लोग आयकर रिटर्न दाखिल कर चुके हैं।

- सीबीडीटी ने जारी किए निर्देश

राज कुंद्रा से 5 घंटे से अधिक पूछताछ

मुंबई, एजेंसी

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और व्यवसायी राज कुंद्रा का सोमवार को बयान दर्ज किया। एक अधिकारी ने बताया कि ईओडब्ल्यू के कर्मियों ने मामले के संबंध में कुंद्रा (50) से पांच घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की।

मीडिया की नजरों से बचने के लिए उनका बयान एक अज्ञात स्थान पर दर्ज किया गया। अधिकारी ने बताया कि हमने आज (सोमवार) कुंद्रा का बयान दर्ज किया, अगले सप्ताह उन्हें फिर तलब किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सह-आरोपी शेट्टी को कोई समन जारी नहीं किया गया है, क्योंकि ईओडब्ल्यू अभी भी साक्ष्य एकत्र कर रही है। ईओडब्ल्यू अभिनेत्री और उनके व्यवसायी पति के खिलाफ मुंबई में दर्ज 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले की जांच कर रही है। यह मामला एक प्रसिद्ध दंपती और कुछ अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज किया गया, जिन पर एक व्यवसायी को उनकी अब बंद हो चुकी कंपनी बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े ऋण-सह-निवेश सौदे में 60.4 करोड़ रुपये की ठगी करने का आरोप है। व्यवसायी दीपक कोठारी (60) ने यह शिकायत दर्ज कराई थी।

इस महीने पुलिस ने शेट्टी और कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया था।

- 60 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में आर्थिक अपराध शाखा ने दर्ज किया बयान

शुरुआती 15 मिनट में आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही बुक कर सकेंगे रेल टिकट

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय एक अक्टूबर से किसी भी ट्रेन के लिए बुकिंग आरंभ होने पर शुरू के 15 मिनट के दौरान केवल आधार-प्रमाणित उपयोगकर्ताओं को ही आईआरसीटीसी वेबसाइट या एप से आरक्षित सामान्य टिकट बुक करने की अनुमति देगा। वर्तमान में, यह प्रतिबंध केवल तत्काल बुकिंग पर लागू है। मंत्रालय के परिपत्र में सोमवार को कहा गया कि आरक्षण प्रणाली का लाभ आम उपयोगकर्ता को देने के लिए निर्णय लिया गया है कि एक अक्टूबर 2025 से सामान्य आरक्षण के शुरू के 15 मिनट के दौरान, आरक्षित सामान्य टिकट केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ताओं द्वारा ही आईआरसीटीसी की वेबसाइट/एप से बुक की जा सकेंगी।

- एक अक्टूबर से नियमों में बदलाव

फायरिंग करने वालों को पाताल से भी खोज निकालेंगे : योगी

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को फिल्म अभिनेत्री दिशा पाटनी के पिता जगदीश पाटनी से फोन पर बात कर परिवार को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। सीएम ने कहा कि फायरिंग करने वाले बदमाशों को पाताल से भी खोज निकाला जाएगा।

कोतवाली क्षेत्र के चौपुला निवासी सेवानिवृत्त सीओ जगदीश पाटनी के घर 12 सितंबर को तड़के करीब 3:30 बजे बाइक सवार दो बदमाशों ने कई राउंड फायरिंग कर दहशत फैलाई थी। गैंगस्टर गोल्डी बरार और रोहित गोदारा ग्रुप ने हमले की जिम्मेदारी ली थी।

आयोजन | **लखनऊ में सीएसआईआर स्टार्टअप कॉन्क्लेव-2025 का हुआ समापन**

यूपी बना भयमुक्त व्यापार का नया केंद्र : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राजधानी लखनऊ में आयोजित सीएसआईआर स्टार्टअप कॉन्क्लेव-2025 के समापन समारोह में कहा कि प्रदेश अब भयमुक्त व्यापार का नया केंद्र बन चुका है। बीते साढ़े आठ वर्षों में प्रदेश ने सुरक्षा, सुगमता और मजबूत इकोसिस्टम का वह वातावरण तैयार किया है, जिसकी बदौलत यहां न केवल उद्योगों को विश्वास मिला है, बल्कि स्टार्टअप इकोसिस्टम भी नई ऊंचाई पर पहुंचा है।

दीप प्रज्ज्वलन करते मुख्यमंत्री योगी व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आज 17 हजार से अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं, जिनमें आठ यूनिकॉर्न शामिल हैं। यहां 72 इनक्यूबेटर्स और सात सेंटर ऑफ एक्सीलेंस नवाचार को गति दे रहे हैं। सरकार ने अब तक 137 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता सीधे स्टार्टअप्स को प्रदान की है।

- समारोह में कहा, प्रदेश में 17 हजार से अधिक स्टार्टअप में आठ यूनिकॉर्न शामिल

'लैब टू इंडस्ट्री' से नई दिशा

योगी ने कहा कि हेल्थकेयर, एग्री, बायोटेक, ब्यूटी और एन्वायरनमेंट जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप्स ने उल्लेखनीय काम किया है। पहले शोध प्रयोगशाला तक रह जाता था, लेकिन अब 'लैब टू लैंड' और 'लैब टू इंडस्ट्री' के मॉडल पर कार्य हो रहा है। यही सहयोगी भावना स्टार्टअप्स को बाजार से जोड़कर उनकी सफलता तय करेगी। कहा कि विज्ञान और तकनीक में जितना अधिक निवेश होगा, समाज उतना ही प्रगतिशील बनेगा।

लखनऊ में बायोटेक पार्क जल्द : जितेंद्र

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि जिस तरह दक्षिण भारत के शहर स्टार्टअप्स के केंद्र बने, वैसा ही पोटेंशियल लखनऊ में है। कहा कि जल्द ही लखनऊ में नया बायोटेक्नोलॉजी पार्क और साइंस म्यूजियम स्थापित किया जाएगा। शहर का ऐतिहासिक बॉटेनिकल गार्डन और स्वास्तिक लोटस गार्डन बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में उभरेंगे।

अमृत विचार

बरेली , मंगलवार,16 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बाल संस्थानों में नए फार्मासिस्टों की तैनाती

अमृत विचार, लखनऊ: उप्र. अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 13 फार्मासिस्टों को मुख्यमंत्री योगी द्वारा नियुक्ति पत्र वितरण के बाद तैनाती मिल गयी है। उन्हें यह तैनाती प्रदेश में विभिन्न जिलों में महिला कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित बाल देखरेख संस्थाओं में मिली है। तैनाती से बाल देखरेख संस्थाओं में निवासरत बच्चों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सर्वांगीण विकास को गति मिलेगी। महिला कल्याण विभाग की प्रमुख सचिव लीना जौहरी ने बताया कि नए फार्मासिस्टों के आने से बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण व टीकाकरण सहज हो जाएगा।

कोर्ट ने सरकार के फैसले पर लगाई मुहर : दानिश

अमृत विचार, लखनऊ : अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम-2025 पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने मोदी सरकार की मुसलमानों के प्रति साफ नीयत पर मुहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से केंद्र सरकार की उस भावना को बल मिला है, जिसके तहत वक्फ संपत्तियों का उपयोग पसमांदा मुसलमानों और मुस्लिम महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए किया जाना है।

स्वास्थ्य महानिदेशालय को मिले दो निदेशक

अमृत विचार, लखनऊ: स्वास्थ्य विभाग में निदेशक ग्रेड में प्रोन्नति पाने वाले कानपुर मंडल में तैनात अपर निदेशक डॉ.संजू अग्रवाल को स्वास्थ्य महानिदेशालय में बतौर निदेशक तैनाती मिली गयी है, इसी प्रकार मिर्जापुर मंडल में अपर निदेशक डॉ.शोभना दुबे को परिवार कल्याण महानिदेशालय लखनऊ में निदेशक पद पर तैनाती दी गयी है।

दो प्रतिशत अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क पर मंथन

अमृत विचार, लखनऊ: स्थानीय निकायों के अधिसूचित क्षेत्रों में स्थित अचल संपत्ति के अंतरण विलेखों पर संग्रहित 2 प्रतिशत अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क की धनराशि के समयानुकूल उपयोग और संबंधित उपयोगिता प्रमाण पत्रों के समय पर प्रस्तुतिकरण की प्रक्रिया सुनिश्चित करने पर मंथन किया गया। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग, रवीन्द्र जायसवाल की अध्यक्षता में सोमवार को राज्य स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंस (वीसी) बैठक का आयोजन किया गया।

प्रदेश में भी शुरू होगा एसआईआर अभियान, बढ़ी हलचल

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- चुनाव आयोग ने शुरू की तैयारी सत्ताधारी भाजपा ने बनाया दबाव
- भाजपा ने डेढ़ करोड़ से अधिक डुप्लीकेट वोटर का जताया अंदेशा

अमृत विचार : प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले पंचायत चुनाव के मद्देनजर मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान शुरू होने जा रहा है। बिहार की तर्ज पर घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन होगा। भाजपा के दबाव और जिलों से आई रिपोर्टों के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने बूथ स्तर पर मतदाता सूची की पड़ताल तेज कर दी है। भाजपा ने अंदेशा जताया है कि प्रदेश की सूची में डेढ़ करोड़ तक डुप्लीकेट नाम दर्ज हो सकते हैं। हालांकि विपक्ष इसे शिगूफा बता रहा है।

2026 पंचायत चुनावों से लेकर 2027 विधानसभा चुनावों तक यह जंग और तेज होगी। हर दल यह सुनिश्चित करने में जुटा है कि उसका समर्थक मतदाता किसी भी हाल में सूची से न छूटे। यूपी की सियासत अब पोस्टर, रैली या सोशल मीडिया से आगे बढ़कर मतदाता सूची पर आ खड़ी हुई है, जिस पर लोकतंत्र की नींव रखी जाती है। चुनाव आयोग ने साफ किया है कि इस अभियान का उद्देश्य पूरी तरह त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है। बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और निर्वाचन अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं की पहचान का मिलान करेंगे। जिन नामों में दोहराव या गड़बड़ी पाई जाएगी, उन्हें हटाने की कार्रवाई होगी। आयोग ने तकनीकी सहयोग से डेटा मिलान की व्यवस्था भी शुरू की है, ताकि संदिग्ध प्रविष्टियों की पहचान तेज़ी से की जा सके।

भाजपा नेताओं का कहना है कि फर्जी नाम हटाने से पारदर्शी चुनाव संभव होंगे। उनका तर्क है कि वोट चोरी रोककर वास्तविक मतदाताओं तक पहुंचना लोकतंत्र को मजबूत करेगा। विपक्ष, खासकर सपा और कांग्रेस, इसे भाजपा का राजनीतिक दांव बता रहे हैं। उनका आरोप है कि बूथ लेवल अधिकारियों पर दबाव डालकर पक्षपात की स्थिति बनाई जा रही है। आयोग का दावा है कि यह नियमित प्रक्रिया है और किसी भी दल विशेष के इशारे पर नहीं की जा रही।

सपा के गढ़ में 7.9 लाख डुप्लीकेट वोटर

पूरब में आजमगढ़ जिला सपा का गढ़ है, यहां मोदी-योगी मैजिक का प्रभाव हर चुनाव में ज्यादा असर नहीं दिखाता। अब इसकी पृष्ठभूमि में भाजपा ने आरोप लगाया है कि वोटर लिस्ट में 7.9 लाख डुप्लीकेट प्रविष्टियां की गई हैं। प्रशासन ने इनके लिए घर-घर सत्यापन शुरू कर दिया है। यह आंकड़ा संकेत देता है कि प्रदेशभर में मतदाता सूची की स्थिति गंभीर है और बड़े पैमाने पर सुधार की जरूरत है।

भाजपा के दावों की पुष्टि नहीं की

भाजपा खेमे में चर्चा है कि पूरी राज्य सूची में डेढ़ करोड़ तक डुप्लीकेट नाम दर्ज हैं। हालांकि, मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने इस आंकड़े की पुष्टि नहीं की है। उनका कहना है कि लक्ष्य सिर्फ त्रुटिरहित वोटर रोल तैयार करना है।

किसने क्या कहा...

- **भाजपा :** डेढ़ करोड़ डुप्लीकेट नाम हटाने की जरूरत
- **सपा :** अभियान को भाजपा का चुनावी दांव बताया
- **कांग्रेस :** बीएलओ पर राजनीतिक दबाव का आरोप
- **आयोग :** यह नियमित प्रक्रिया, किसी दल विशेष के लिए नहीं
- **विशेषज्ञ :** वोटर लिस्ट अब चुनावी नैरेटिव का केंद्र बन चुकी है

जी-सीरीज नंबर निजी वाहनों के लिए प्रतिबंधित

अमृत विचार, लखनऊ : अगर कोई सरकारी वाहन, अपनी अधिवर्षता आयु पूरी करने पर या अन्य किसी कारण से नियमानुसार नीलाम होने के बाद निजी हाथों में जाता है, तो उसका पंजीकरण नंबर ('जी' सीरिज) बदल जाएगा। पूर्व में हस्तांतरित होने वाले वाहनों को अगले 60 दिन में नया नंबर लेना होगा। इसके लिए परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने सोमवार को आदेश जारी कर दिया है। जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया है कि निजी हाथों में हस्तांतरित होने वाले सरकारी वाहनों का पंजीकरण नंबर व सरकारी चिन्ह तत्काल प्रभाव से निरस्त कर, नया पंजीकरण नंबर आवंटित किया जाए।

योगी बोले- मरीज को तत्काल कराएं भर्ती

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं समस्याएं, इलाज में मदद का दिया आश्वासन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनता दर्शन में लोगों की शिकायतें सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान प्रदेश भर से आए 50 से अधिक लोगों के पास पहुंचे, शिकायतें सुनकर मुख्यमंत्री ने समाधान का आश्वासन दिया। रायबरेली से आए किडनी व दिल के मरीज को योगी ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में रायबरेली के थाना खीरो के ग्राम बरवलिया के एक युवक पिता के साथ पहुंचा। मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उनके पिता किडनी-हृदय व यूरिन की बीमारी से पीड़ित हैं। प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराने में अब आर्थिक दिक्कत आ रही है। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने इलाज के लिए अस्पताल से एस्टीमेट भी मंगवाने को कहा।

जनता दर्शन में इलाज के लिए आर्थिक सहायता के लिए कई फरियादियों ने प्रार्थना पत्र दिया। इस पर मुख्यमंत्री ने सभी से कहा कि सरकार हर जरूरतमंद मरीज को इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। अस्पताल से एस्टिमेट बनवाकर भिजवाएं। इलाज के खर्च की चिंता सरकार करेगी। सरकार विगत 8 वर्ष से हर जरूरतमंद को निरंतर आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है।

बहराइच के कारिकोट गांव को मिला आईसीआरटी अवार्ड

अमृत विचार, लखनऊ : बहराइच के कारिकोट गांव को इंडियन सबकांटिनेंटल रिस्पांसिबल टूरिज्म आईसीआरटी अवार्ड-2025 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार नई दिल्ली में 13 सितंबर को उत्तराखंड के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बहराइच के मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, ग्राम सचिव सुशील कुमार सिंह और ग्राम प्रधान पार्वती को प्रदान किया।

यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि कारिकोट गांव ने ग्रामीण पर्यटन में विशेष पहचान बनाई है। सीमा पर्यटन से स्थानीय समुदाय, खासकर युवाओं और महिलाओं को रोजगार मिला है। साथ ही गांव की संस्कृति, व्यंजन, हस्तशिल्प और लोक कलाओं को नई पहचान मिली है।

स्पेशल टेक्नोलॉजी सिटी को लेकर युवा उत्साहित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- समर्थ यूपी अभियान में 1.49 लाख से अधिक आए फीडबैक
- 1,16,216 सुझाव के साथ अभी भी ग्रामीण सबसे आगे

अमृत विचार : सरकार के महत्वाकांक्षी "समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश 2047" अभियान के तहत सोमवार तक 1.49 लाख से अधिक फीडबैक आए। इसमें युवाओं में 'स्पेशल टेक्नोलॉजी सिटी' का क्रेज दिखा। हालांकि ग्रामीण इलाकों में शिक्षा और स्वास्थ्य का मुद्दा अभी भी सबसे अधिक है।

कानपुर नगर के अभिषेक सिंह, महाराजगंज के राहुल गुप्ता और बांदा के योगेश मिश्रा ने स्पेशल टेक्नोलॉजी सिटी मॉडल का प्रस्ताव दिया है। युवाओं का मानना है कि चीन के शेन्ज़ेन की तर्ज पर प्रदेश में नई टेक सिटी विकसित की जाए, जिसका फोकस आईटी, एआई, साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन और स्टार्टअप्स पर हो। नोएडा के अलावा अन्य प्रमुख जिलों में भी आईटी हब बनाने से स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और युवाओं का पलायन रुकेगा।

75 जनपदों में नोडल अधिकारियों एवं प्रबुद्धजनों ने विभिन्न वर्गों से संवाद किया। छात्र, शिक्षक, व्यवसायी, उद्यमी, कृषक, स्वयंसेवी संगठनों, श्रमिक संघों और आम जनता से मुलाकात कर विकास यात्रा और भावी रोडमैप पर चर्चा की गई। अभियान से जुड़े समर्थ पोर्टल (samarth uttarpradesh .up.gov.in) पर 1,49,223 फीडबैक दर्ज किए गए हैं। इनमें से 1,16,216 ग्रामीण क्षेत्रों से और 33,007 नगरीय क्षेत्रों से प्राप्त हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार, 54,353 सुझाव 31 वर्ष से कम आयु वर्ग, 85,275 सुझाव 31-60 वर्ष आयु वर्ग और 9,595 सुझाव 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग से आए हैं।

विषयवार आंकड़ों में शिक्षा से जुड़े 55,010, नगरीय व ग्रामीण विकास से 25,878, स्वास्थ्य से 14,425, समाज कल्याण से 13,744 और कृषि क्षेत्र से 23,305 सुझाव प्राप्त हुए। सर्वाधिक 58,996 फीडबैक बलिया, कानपुर देहात, फर्रुखाबाद, जौनपुर, बलरामपुर, श्रावस्ती और गोरखपुर जनपदों से मिले।

प्रयागराज के पर्यटन विकास की मांग

प्रयागराज के हर्ष मिश्रा ने संगम नगरी की वैश्विक पहचान का हवाला देते हुए पर्यटन क्षेत्र को बेहतर बनाने की बात कही। उन्होंने डिजिटल गाइड, बहुभाषी ऐप्स, ई-मैप, किफायती धर्मशालाएं, ऑनलाइन बुकिंग और स्वास्थ्य केंद्र जैसी सुविधाएं विकसित करने का सुझाव दिया। साथ ही गंगा संरक्षण अभियान और हरित परिवहन को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

वाहनों को सीधे बलिया और बिहार पहुंचाएगा फोरलेन हाइवे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से ही अब देश भर से आ रहे वाहनों को बलिया, बिहार का सुगम रास्ता मिल जाएगा। इस रूट पर गाजीपुर में वाहन चालकों को घंटों बेबस कर रहे भांवरकोल के जाम का अब स्थायी इलाज कर दिया गया है। एनएचएआई, गाजीपुर के जंगीपुर से बलिया में यूपी-बिहार सीमा पर मांझी तक फोरलेन हाइवे बना रहा है। बीते चार वर्षों में गाजीपुर के भांवरकोल में जाम ने यात्रियों को खासा परेशान किया है। फोरलेन हाईवे बन जाने के बाद यात्रियों को भांवरकोल जाने की जरूरत ही नहीं होगी। दिल्ली, मुंबई, लखनऊ जैसे बड़े शहरों से आने वाले वाहन सीधे बलिया और बिहार तक पहुंच सकेंगे। इस परियोजना का काम दिसंबर 2023 में शुरू हुआ था और इसे इसी वर्ष दिसंबर तक पूरा होना है।

विदेश में पढ़ाई को मिलेगी छात्रवृत्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राष्ट्रीय विदेश छात्रवृत्ति योजना के तहत 24 अक्टूबर तक मांगे गए ऑनलाइन आवेदन

अमृत विचार : वंचित वर्गों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा का सपना पूरा करने का मौका है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने राष्ट्रीय विदेश छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत चयन वर्ष 2025-26 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। चयनित छात्रों को ट्यूशन फीस, जीवन-यापन व्यय, पुस्तक व शोध कार्य के लिए भत्ता, विदेश यात्रा किराया और स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि इस योजना का लक्ष्य अनुसूचित जाति, घुमंतू व अर्ध-घुमंतू जनजाति, भूमिहीन कृषि मजदूर एवं परंपरागत कारीगर परिवारों के आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को विदेश की शीर्ष 500 विश्वविद्यालयों, संस्थानों में मास्टर्स और पीएचडी स्तर की पढ़ाई के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक एके सिंह ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया 15 सितंबर से शुरू हो गई है जो 24 अक्टूबर तक एनओएस पोर्टल पर चलेगी। पहले से आवेदन करने वाले अभ्यर्थी 26 से 29 अक्टूबर तक संशोधन कर सकेंगे। छात्रवृत्ति के लिए 30 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।

इस योजना का लाभ उठाने के लिए ग्रेजुएशन में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं। अभ्यर्थी की अधिकतम आयु 35 वर्ष होनी चाहिए और पारिवारिक वार्षिक आय 8 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।

जमीन पर रफ्तार और आकाश में विस्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'विकसित यूपी 2047' के विजन पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। सड़क और हवाई कनेक्टिविटी के क्षेत्र में बीते साढ़े 8 वर्षों में जिस प्रकार अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं, उसने प्रदेश को राष्ट्रीय ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी विकास का नया केंद्र बना दिया है। योगी ने 2047 तक हर मंडल को विश्वस्तरीय एयरपोर्ट और एक्सप्रेसवे नेटवर्क का संकल्प जताया है।

2017 से पहले यूपी की सड़क और एविएशन अवसंरचना बेहद सीमित थी। 2016-17 तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सड़क लंबाई 56,846 किलोमीटर और एक्सप्रेसवे मात्र तीन तक सीमित थे। हवाई यात्रियों की संख्या भी 17 वर्षों में केवल 55 लाख बढ़ पाई थी। लेकिन 2017 के बाद स्थिति बदली। सड़क नेटवर्क 2024-25 तक 77,425 किलोमीटर तक पहुंच गया और यूपी देश में 22 एक्सप्रेसवे वाला पहला राज्य बन गया। पूर्वांचल, बुंदेलखंड, यमुना और गोरखपुर लिंक जैसे प्रोजेक्ट्स ने आंतरिक कनेक्टिविटी को मजबूती दी है, जबकि गंगा एक्सप्रेसवे और विंध्य-रीवा लिंक जैसे निर्माणाधीन प्रोजेक्ट भविष्य की कड़ी जोड़ेंगे।

वक्फ संपत्तियों के विकास को बनेगी नई कार्ययोजना

अमृत विचार, लखनऊ : पंचायतीराज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सोमवार को सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में उत्तर प्रदेश वक्फ विकास निगम लिमिटेड की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में मंत्री ने निगम की स्थापना से लेकर अब तक की सभी गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी ली। अधिकारियों को वक्फ संपत्तियों की आय वृद्धि और विकास के लिए नई कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि वक्फ संपत्तियों का संरक्षण और सुव्यवस्थित विकास सरकार की प्राथमिकता है। निगम को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्ययोजना बनानी होगी।

पुलिस पर सरकार का नियंत्रण नहीं

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर साधा निशाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पार्टी मुख्यालय में भगवान विश्वकर्मा की आरती करते सपा प्रमुख अखिलेश यादव।

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार कानून और संविधान से नहीं चल रही है। पुलिस पर सरकार का नियंत्रण नहीं है। पुलिस लोगों के साथ अन्याय कर रही है। जब मुख्यमंत्री आवास और मुख्यमंत्री कार्यालय में समझौते हो रहे है तो लोगों को न्याय कैसे मिलेगा।

सपा प्रमुख सोमवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाराबंकी में छात्रों की पिटाई के मामले में समझौता हो गया है। इसी तरह से कौशाम्बी में पाल समाज की बेटी का मामला था। इसमें दो डिप्टी सीएम थे, सुनने में आ रहा है कि समझौता हो गया है। अब ताजा मामला गाजीपुर का है, समझौता हो रहा है। सपा पीड़ितों के साथ न्याय दिलाने के लिए खड़ी हैं। वही भाजपा सरकार दबाव डालकर समझौता करा रही है। कानपुर के माफिया के मामले में आईपीएस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। मामले की जांच हो जाय तो पूरी भाजपा की पोल खुल जायेगी। अखिलेश ने कहा कि सपा सरकार बनने पर आउटसोर्स व्यवस्था खत्म कर पक्की नौकरी दी जाएगी।

पंचायत प्रतिनिधियों को मिलेगा प्रशिक्षण हुआ एमओयू

अमृत विचार, लखनऊ : पंचायती राज विभाग और भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) लखनऊ के बीच सोमवार को पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशासनिक, वित्तीय और तकनीकी प्रशिक्षण के लिए अहम समझौता हुआ। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों की जानकारी भी दी जाएगी। समझौता ज्ञापन कार्यक्रम के दौरान पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर, प्रमुख सचिव पंचायती राज अनिल कुमार, निदेशक पंचायती राज अमित कुमार सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

राजनीति | यूपी पंचायत चुनाव की अभी घोषणा नहीं हुई है लेकिन फेसबुक, वाह्ट्सएप पर छिड़ी प्रचार की जंग

हाईटेक हथियार के बूते गांव का चौधरी बनने की दावेदारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ग्राम प्रधान बनने को सोशल मीडिया प्लेटफार्म का उपयोग कर रहे भावी उम्मीदवार

अमृत विचार : प्रदेश में पंचायत चुनाव की घोषणा होने में भले समय हो, लेकिन अभी से हाईटेक हथियार के बूते गांव का चौधरी बनने की दावेदारी तेज हो गई है। भावी उम्मीदवार ग्राम प्रधान बनने की जुगत में सोशल मीडिया प्लेटफार्म का पूरा प्रयोग कर रहे हैं। प्रचार की जंग फेसबुक, वाह्ट्सएप पर छिड़ी है। इस जंग में पिछले चुनाव में पराजित उम्मीदवारों से लेकर वर्तमान पदाधिकारियों तक शामिल हैं, जिनके बीच यह हाईटेक खींचतान चल रही है।

उम्मीदवार सोशल मीडिया को हथियार बनाकर अपनी-अपनी दावेदारी पेश करने को तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। इसमें वाह्ट्सएप ग्रुप एक अच्छा प्लेटफार्म बना हुआ है। ऐसे ग्रुप गांव में चर्चा के विषय बने हुए हैं। दिलचस्प यह है कि उम्मीदवार भले आपस में प्रतिद्न्दी हों लेकिन दोनों ने ही कई नाम ऐसे जोड़ें हैं जो दोनों ग्रुप में हैं। अब जुड़ने वाले भी चालाक हैं, दोनों ही ग्रुपों में जुड़े रह कर चुनावी चकल्लस का पूरा आनंद उठा रहे हैं। और अलग होकर दुश्मनी भी क्यों मोल लें भला?

बहरहाल, वर्तमान जिला पंचायत सदस्य, प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य पदों के लिए अभी से जोर आजमाइश शुरू है। गांवों में संभावित दावेदार सोशल मीडिया ग्रुप बनाकर ग्रामीणों को अपने साथ जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। एक दूसरे के दावेदार अपने आपको सोशल मीडिया पर लगातार अपडेट कर रहे हैं।

होटल-ढाबों पर खाना खिलाने से लेकर शाम की महफिल तक का दौर है। उद्देश्य पंचायत चुनाव को लेकर सियासी माहौल बनाने का है। इतना ही नहीं, कोई अधूरे विकास कार्यों को करवा कर सोशल मीडिया पर अपडेट कर रहा है तो कोई निजी धन से ही स्वच्छता अभियान और पेयजल की व्यवस्था करवा कर श्रेय लेने से पीछे नहीं हट रहा। कुलमिलाकर ग्रामीणों की बल्ले-बल्ले है। खानपान के साथ समस्याओं का निवारण भी हो रहा है।

आरक्षण को लेकर भी मची खलबली

अमृत विचार : पंचायत चुनाव की तारीखें अभी तय नहीं है, इससे पहले आरक्षण व्यवस्था की स्थिति भी स्पष्ट न होने से उम्मीदवारों में खलबली है। जिला पंचायत से लेकर ग्राम पंचायत तक के चुनाव में अपनी दावेदारी को लालायित लोग उम्मीदवार आरक्षण की अनिश्चितता से कहीं न कहीं आशंकित भी हैं। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के संभावित उम्मीदवार आरक्षण को लेकर तरह-तरह की कयासबाजी तक सीमित हैं।

न्यूज ब्रीफ

देहरादून में लेट नाइट पार्टी को अनुमति नहीं

देहरादून, अमृत विचार : राजधानी में किसी भी गेस्ट हाउस, होम स्टे, पीजी या हॉस्टल में बिना अनुमति देर रात तक पार्टी की तो कार्यवाही होगी। एसएसपी अजय सिंह ने सोमवार को यह निर्देश दिए हैं। रविवार देर रात प्रेमनगर के पौंधा, बिधोली आदि क्षेत्रों में स्थित होम स्टे, गेस्ट हाउस, पीजी और हॉस्टलों में पुलिस टीमों ने छापे मारे। इस दौरान 5 युवकों का मेडीकल परीक्षण कराते हुए उनका चालान किया। एसएसपी ने ऐसे सभी संस्थानों के संचालकों से कहा कि बिना अनुमति के देर रात तक कोई पार्टी नहीं होगी।

बाघ के हमले में युवक की मौत

बहराइच, एजेंसी : कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य के धर्मापुर रेंज में रविवार रात नहर किनारे नित्यक्रिया के लिये गये 28 वर्षीय युवक पर बाघ ने हमला कर दिया जिससे इस घटना में उसकी मौत हो गयी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने उक्त जानकारी दी। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग (अभयारण्य) के प्रभागीय वनाधिकारी सूरज ने सोमवार को बताया कि अभयारण्य के धर्मापुर रेंज में हरखापुर ग्राम के मजरा तिरमुहानी निवासी इंदल निषाद (28) रविवार देर शाम नहर के पास शौच के लिए गये थे और इसी दौरान बाघ ने उन पर हमला कर दिया।

बिजली चेकिंग के दौरान महिला का सिर फटा

संभल, अमृत विचार : संबल कोतवाली क्षेत्र में सोमवार देर रात विजिलेंस टीम द्वारा बिजली चेकिंग के दौरान महिला पुलिस कर्मी की धक्का मुक्की से एक महिला का सर फट गया तो उत्तेजित लोग सड़क पर आ गए। विजिलेंस टीम किसी तरह वहां से निकाल कर भागी।सोमवार रात 10 बजे के बाद विद्युत विभाग की विजिलेंस टीम चौधरी सराय में मुन्नी माता मंदिर के सामने गली में बिजली चेकिंग के लिए पहुंची थी। विजिलेंस टीम की महिला पुलिसकर्मी ने मकान का दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया घर में मौजूद महिला के साथ धक्का मुक्की हो गई। इसी दौरान महिला के सर में चोट आ गई। महिला के घायल होने के बाद मोहल्ले के लोग भड़क गए और विजिलेंस टीम का घेराव कर लिया। भीड़ ने मुख्य मार्ग पर आकर जमकर हंगामा किया।

मथुरा में गोसेवा के नाम पर लोगों से 21 करोड़ रुपये की ठगी, दो गिरफ्तार

मथुरा, एजेंसी

जिले में भारतीय स्टेट बैंक की छावनी स्थित शाखा में गोसेवा के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करके 21 करोड़ रुपये की ठगी किए जाने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घोटाले का मुख्य साजिशकर्ता और सरगना फिलहाल पुलिस की पकड़ से दूर है।

गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस को एक मोबाइल फोन, दो फर्जी आधार कार्ड बरामद हुए हैं। जिले के साइबर थाना के प्रभारी प्रमोद कुमार शर्मा ने बताया कि आरोपियों की कारगुजारी का पता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की छावनी शाखा के प्रबंधक को उस समय लगा जब पिछले माह 27 अगस्त को उनके यहां गोसेवा ट्रस्ट के नाम से चालू खाता खोलने वालों के खाते में जमा रकम में से केवल सात लाख रुपये छोड़ कर बाकी 20 करोड़ 93 लाख रुपये दो-तीन दिन में ही अन्य खातों में अंतरित कर दिये गए। पुलिस ने बताया कि उक्त धनराशि उनके संयुक्त खाते में बीते चार से सात सितंबर के बीच विभिन्न खातों से जमा कराई गई थी। प्रबंधक को दाल में कुछ काला नजर आया, तो उन्होंने खाता होल्ड करके एक खाताधारक को इसकी सूचना देकर कारण जानने का प्रयास किया। लेकिन उन्हें संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। साइबर अपराध थाने को 10 दिनों के भीतर आगरा, अलीगढ़ के साथ ही राजस्थान, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु समेत देश के अलग-अलग राज्यों और शहरों से आनलाइन कुल 144 शिकायतें प्राप्त हो चुकी थीं।

मौसम का यू-टर्न : पूर्वी यूपी में गरज-चमक के साथ बारिश और वज्रपात की चेतावनी

प्रदेश के कई जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बरेली,पीलीभीत और महाराजगंज में हल्की से मध्यम बारिश के आसार

अमृत विचार : मॉनसूनी बारिश रुकने के बाद बढ़ रही गर्मी के बीच मौसम ने यू-टर्न लिया है। मौसम विभाग ने कई जिलों में फिर बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान पूर्वी प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश और वज्रपात का भी अलर्ट है।

ऐसे में उमस से बेहाल लोगों को मौसम राहत देने वाला है। दूसरी ओर कुछ जिलों के लिए मौसम विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है, आकाशीय बिजली गिरने की भी आंशका जताई है।

दरअसल, प्रदेश में मौसम में पलटी मारी है। उमस से बेहाल हुए लोगों को मौसम ने राहत दी है। पूर्वी उप्र. में गोंडा, श्रावस्ती के आसपास जिलों में शुरू हुई बारिश के बीच अब मौसम विभाग ने अगले दो दिन प्रदेश के कई और जिलों में मध्यम से भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

इन जिलों में आज गरज-चमक के साथ बारिश और वज्रपात का भी अलर्ट दिया है। वहीं मौसम विभाग ने कई जिलों के लिए यलो अलर्ट भी जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, लखनऊ, अयोध्या, अमेठी, सुल्तानपुर, आंबेडकर नगर, बस्ती, बाराबंकी, हरदोई, सीतापुर, बहराइच, गोंडा, सिद्धार्थ नगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी में गरज चमक, अचानक तेज हवा के साथ मध्यम से भारी वर्षा की संभावना है। वहीं, आकाशीय बिजली गिरने की आशंका भी है। इधर, बरेली और पीलीभीत समेत महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, बलरामपुर, शाहजहांपुर में मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं।हालांकि, प्रदेश में मौसम के दोबारा करवट लेने के बाद रविवार से लखनऊ, वाराणसी,

प्रयागराज, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी समेत 10 शहरों में जोरदार बारिश हुई है। कई बाढ़ प्रभावित जिलों में भी स्थिति खराब देखी गई। अयोध्या में तो 3 घंटे की ही बारिश से सड़कें तालाब बन गईं।

जज बताकर नर्सिंग ऑफिसर को दिया शादी का झांसा, 60 लाख हड़पे

पूर्व में फर्जी आईएएस-आईपीएस बनकर 10 महिलाओं को बना चुका है शिकार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: जज बताकर लखनऊ केजीएमयू की नर्सिंग ऑफिसर को शादी का झांसा देकर ठगी करने वाले आरोपी को कानपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सोमवार को आरोपी विष्णुशंकर गुप्ता को पूर्व पत्नी आयुषी के साथ नवाबगंज स्थित आवास से पकड़ कर ठगे गए रुपये में से 42.50 लाख बरामद कर लिए।

पुलिस के अनुसार इससे पहले आरोपी फर्जी आईएएस-आईपीएस बनकर 10 लड़कियों-महिलाओं को अपना शिकार बना चुका है। विष्णु के जाल में फंस कर एक युवती आत्महत्या भी कर चकी है। पीड़ित नर्सिंग ऑफिसर ने कर्नलगंज थाने में 59.50 लाख रुपये ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।डीसीपी पूर्वी श्रवण कुमार सिंह ने मामले का खुलासा करते हुए प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि पीड़ित नर्सिंग ऑफिसर युवती के पिता ने उसकी शादी के लिए मेट्रोमोनियल साइट पर फरवरी 2025 में विज्ञापन दिया था। विज्ञापन देखकर एक युवक ने पिता से संपर्क कर खुद को आजमगढ़ में तैनात जज वाराणसी निवासी अंशुमान विक्रम सिंह बताया था। जज का बायोडाटा देख नर्सिंग ऑफिसर भी शादी के लिए हामी भर दी। इस दौरान दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। बातचीत के दौरान नर्सिंग ऑफिसर का भरोसा जीता, फिर जुलाई के आखिरी सप्ताह में 1 करोड़ की लग्जरी कार खरीदने की बात बताई। खुद को न्यायिक अधिकारी होने का हवाला देते हुए कहा कि अगर एक करोड़ की गाड़ी खरीदी और रुपयों का हिसाब नहीं दे पाया तो फंस जाएगा।

झांसे में आकर नर्सिंग ऑफिसर उसे सैलरी से सेविंग की गई 14 से 15 लाख रुपए देने को तैयार हो गई। इसके बाद विष्णु ने एक करोड़ का लोन कराने को कहा और यह भी भरोसा दिलाया कि वह जल्द ही लौटा देगा। वह राजी हो गई। नर्सिंग ऑफिसर के मुताबिक फर्जी जज ने लखनऊ के सीमांत अग्रवाल नामक व्यक्ति का मोबाइल नंबर दिया। रक्षाबंधन वाले दिन सीमांत अग्रवाल लखनऊ में उसके घर आया। इसके बाद इंडियन बैंक और आईसीआईसीआई बैंक अकाउंट में कुल 44 लाख 54 हजार रुपए आ गए। उसके बाद विष्णु के बुलाने पर वह 7 सितंबर को वह 59.50 लाख रुपये लेकर कानपुर पहुंच गई। वह दोनों एक कार से रेव–थ्री मॉल पहुंचे। मॉल के बाहर गली में अपनी कार खड़ी कर दी और उसमें ही 59.50 लाख रुपये छोड़ दिए। फिर दोनों मूवी देखने पहुंचे। युवती ने बताया कि घबराहट का बहाना बनाकर वह 20 मिनट में ही मूवी हॉल से बाहर आया और फिर गायब हो गया। इसके बाद फर्जी ठग पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

गधे पर बैठाकर घुमाने के डर से खोला मुंह

डीसीपी ने बताया कि विष्णुशंकर की कार को ट्रेस करते हुए पुलिस जब नवाबगंज में उसके घर दबिश देने पहुंची तो उसने अपने दो कुत्तों को टीम पर छोड़ दिया। पुलिस टीम किसी तरह अंदर पहुंची। दोनों आरोपी घर में ही मिले। डीसीपी ने बताया कि तीन घंटे की पूछताछ के बाद भी दोनों कुछ बोल नहीं रहे थे। इसके बाद पुलिस ने दो गधे मंगवाने को कहा। दोनों आरोपियों से कहा कि गधे पर बैठाकर मोहल्ले में उनको घुमाया जाएगा और मुनादी कराई जाएगी कि वे लोग कौन सा धंधा करते हैं। इसके बाद दोनों ने मामला कबूला। डीसीपी ने बताया कि आरोपी की पूर्व पत्नी आयुषी भी ठगी में उसका साथ देती थी।

आरोपी विष्णुशंकर।

जामा मस्जिद सदर जफर अली के खिलाफ कार्रवाही पर रोक

प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को जामा मस्जिद संभल के सदर जफर अली के खिलाफ अगले आदेश तक किसी भी कार्यवाही पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने उनकी याचिका को संभल के सांसद जिया उर्रहमान की लंबित याचिका के साथ जोड़ने का आदेश दिया है। अब दोनों याचिकाओं पर अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में एक साथ सुनवाई होगी।

24 नवंबर 2024 को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हिंसा के मामले में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 और लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम, 1984 की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। इस मामले में सांसद जिया उर्रहमान, विधायक इकबाल महमूद के बेटे सोहेल इकबाल समेत कई नामजद हुए थे। हालांकि एफआईआर में जफर अली का नाम नहीं था, लेकिन 23 मार्च 2025 को पुलिस ने विवेचना के दौरान उन्हें गिरफ्तार किया था। 24 जुलाई को हाईकोर्ट ने उनकी जमानत अर्जी मंजूर कर ली थी, जिसके बाद वे जेल से बाहर आए थे।

आवारा कुत्तों ने चार बच्चों को किया लहूलुहान

जिला अस्पताल में बच्चों का होता इलाज। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: संभल में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। आवारा कुत्तों ने सोमवार को परिषदीय स्कूल से पढ़कर घर लौट रहे भाई-बहन सहित चार बच्चों पर हमला कर लहूलुहान कर दिया।

घायल बच्चों का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। इस घटना के बाद लोग दहशत में हैं। आढौल गांव निवासी राधेश्याम की चार साल की बेटी कुसुम व पांच साल का बेटा आरव गांव के परिषदीय स्कूल की छुट्टी होने के बाद घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में आवारा कुत्तों के झुंड ने दोनों बच्चों पर हमला कर दिया। कुत्तों ने कुसुम व आरव को लहूलुहान कर दिया। बच्चों का शोर सुनकर लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह कुत्तोंसे बच्चों को छुड़ाया। इस घटना के कुछ देर बाद ही कुत्तों ने एक और बच्चे पर हमला कर दिया।

कल्लू का पांच साल का बेटा अरसान स्कूल से आने के बाद घर के पास खेल रहा था तभी कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। बच्चे ने मदद के लिए शोर मचाया तो ग्रामीणों ने कुत्तों को भगाया लेकिन। इस घटना के कुछ देर बाद ही पास के गांव नसीरपुर में छह साल की बच्ची पर कुत्तों ने हमला कर दिया। मसरूक की छह वर्षीय पुत्री आशिया खेल रही थी तभी अचानक कुत्तों ने आशिया को कुत्तों ने दबोच लिया।

दिवाली, छठ पूजा पर घर जाने को ट्रेन में मशक्कत

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : आगामी पर्व दिवाली और छठ पूजा पर घर जाने वालों की तैयारी अभी से शुरू हो गई है। पूर्वांचल व बिहार की ओर जाने वाली अधिकांश ट्रेनें त्योहारों से पहले ही फुल हो चुकी हैं। ट्रेन में आरक्षित बर्थ की मारामारी चल रही है।

इस वर्ष दीपोत्सव 18 से 23 अक्टूबर और छठ पूजा 25 से 28 अक्टूबर के बीच है। त्योहारों पर छुट्टी लेकर घर जाने वाले लोगों ने पहले ही टिकट बुकिंग कराने की मशक्कत की। अधिकांश ट्रेनों में नो रुम की स्थिति है। रेलवे दो माह पहले तक अग्रिम टिकट बुकिंग की सुविधा देता है। इसी कारण दिवाली व छठ पूजा पर पूर्वांचल और बिहार के लिए चलने वाली ट्रेनों में सीटें फुल हो चुकी हैं। कई ट्रेनों में लंबी वेटिंग की स्थिति है। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने त्योहारों पर अतिरिक्त दबाव

कम करने के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाने की घोषणा भी कर दी है।

लखनऊ मंडल (पूर्वोत्तर रेलवे) के गोरखपुर-गोंडा रेलखंड पर थर्ड लाइन कार्य और गोरखपुर-आनंद नगर रेलखंड पर दोहरीकरण कार्य किया जा रहा है। इसके लिए 22 सितंबर को प्री नॉन-इंटरलॉकिंग तथा 23 से 26 सितंबर तक नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य होगा। इस कारण बड़ी संख्या में ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि इस अवधि में कई प्रमुख ट्रेनों का संचालन रद्द रहेगा। इनमें 04653/54 एनजेपी-अमृतसर, 12587/88 गोरखपुर-जम्मूतवी,

ये ट्रेनें देरी से होंगी रवाना

इसके अलावा कई ट्रेनें अपने मूल समय से विलंब से रवाना होंगी। इनमें 13020 काठगोदाम-हावड़ा, 12557 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार, 15903 डिब्रूगढ़-चंडीगढ़, 12523 एनजेपी-आनंद विहार, 12211/12 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार, 14692 जम्मूतवी-बेगूसराय, 15622 आनंद विहार-कामाख्या, 15211 दरभंगा-अमृतसर समेत कई ट्रेनें शामिल हैं। इनका प्रस्थान समय 60 मिनट से लेकर 240 मिनट तक आगे बढ़ेगा।

सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले अपनी संबंधित ट्रेनों की स्थिति की जानकारी रेलवे हेल्पलाइन, वेबसाइट या ऐप पर अवश्य जांच लें, ताकि किसी असुविधा से बचा जा सके।

15097/98 भागलपुर-जम्मूतवी, 15005/06 गोरखपुर-दून, 14009/10 बेतिया-आनंद विहार, 15273/74 रक्सौल-आनंद विहार सहित अन्य एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कार्य के दौरान कुछ ट्रेनों को वैकल्पिक मार्ग से संचालित किया जाएगा। इनमें 12212 आनंद विहार-मुजफ्फरपुर, 12557 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार, 13019/20 हावड़ा-काठगोदाम, 14617/18 प्रमंडल-अमृतसर, 14673/74 जयनगर-अमृतसर, 15212 अमृतसर-दरभंगा, 15651/53 गुवाहाटी-जम्मूतवी, 15904 चंडीगढ़-डिब्रूगढ़, 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर, 22551 दरभंगा-जालंधर सहित कई ट्रेनें शामिल हैं। इन ट्रेनों के गोरखपुर, गोंडा, बस्ती, मऊ, बलिया, देवरिया, बगहा, बेतिया समेत कई स्टेशनों पर ठहराव नहीं होंगे।

युवक को पेड़ से बांधकर पीटने के आरोप में 6 लोग गिरफ्तार

देवरिया, एजेंसी: जिले के मईल थाना क्षेत्र में एक दलित युवक की पेड़ से बांधकर पिटाई करने का वीडियो सार्वजनिक होने के बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर एक समुदाय विशेष के छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। बरहज के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अंशुमान श्रीवास्तव ने बताया कि रविवार को मईल गांव के राहुल को क्षेत्र के माड़ोपार गांव के पास रंजिश में एक समुदाय के लोगों ने उसके साथ मारपीट करते हुए पेड़ से बांधकर वीडियो भी बनाया। उन्होंने बताया कि घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने माड़ोपार गांव निवासी मासूम रजा, महफूज आलम, खुशबू निशा, हनीफा, रुखसाना और अख्तर के खिलाफ मारपीट, दलित उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर लिया।

बिलासपुर में पसियापुरा गुरुद्वारा मामला फिर गर्माया, फायरिंग

संवाददाता, बिलासपुर

- राज्यमंत्री औलख के खिलाफ जमकर हुई नारेबाजी

अमृत विचार: पसियापुरा गुरुद्वारे को लेकर दो पक्षों में कई सालों से चले आ रहे चर्चित विवाद में सोमवार को तीन राउंड फायरिंग हो गई। फायरिंग के दौरान डीएम और एसपी भी मौके पर मौजूद थे, ऐसी चर्चा होती रही। एक पक्ष ने धरना-प्रदर्शन करते हुए राज्यमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर दी।

दोनों पक्षों के बीच आमने-सामने के संघर्ष को टालने के लिए जिले भर से बुलाई गई भारी फोर्स बीच में ढाल बनकर खड़ी रही। वहीं डीएम व एसपी भी मौके पर मामले को संभालने में लगे रहे। सुबह 11 बजे एक पक्ष द्वारा गुरुद्वारे पर कब्जे से शुरू हुआ विवाद शाम तक जारी है। हालांकि प्रशासन द्वारा सुझाए जा रहे किसी भी समाधान से अभी कोई भी पक्ष संतुष्ट नहीं है। क्षेत्र के पसियापुरा गांव में चर्चित बाबा दीप सिंह गुरुद्वारा स्थित है। इसके प्रबंधन व संचालन को लेकर पिछले कई सालों से हजारा परिवार व नवाबगंज पक्ष के बीच विवाद चला आ रहा है। समय-समय पर छोटे-बड़े घटनाक्रम लगातार होते रहते हैं, जिस कारण गुरुद्वारे पर सुरक्षा भी तैनात रहती है। सोमवार को पूर्वान्ह करीब 11 बजे हजारा परिवार पक्ष के सतेंद्र सिंह व जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में लोगों ने गुरुद्वारे में घुसकर दूसरे पक्ष के सेवादारों को भगा दिया। आरोप के अनुसार इस दौरान मारपीट व फायरिंग भी हुई गुरुद्वारे में पाठ कर रहे एक ग्रंथी सहित दोनों पक्षों के कम से कम आधा दर्जन लोगों को मारपीट के दौरान चोटें भी आईं। दोनों पक्षों में मारपीट के दौरान फायरिंग तक की गई। वहीं धीरे धीरे नवाबगंज पक्ष के लोग भी गुरुद्वारे के पास आकर एकत्रित होने लगे। सूचना पाकर प्रशासन में हड़कंप मच गया।

आनन-फानन में स्थानीय प्रशासन व पुलिस अधिकारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। जनपद के कई थानों की फोर्स, पीएसी, क्यूआरटी आदि भी बुलाई गई। डीएम जोगिंदर सिंह व एसपी विद्यासागर मिश्र भी गुरुद्वारे पहुंच गए। तभी गुरुद्वारे के बाहर बने एक कमरे पर नवाबगंज पक्ष के कुछ लोगों ने पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। बाद में उस कमरे से तीन राउंड फायर किए गए। गनीमत रही कि गोली किसी लगी नहीं। इसके बाद एसपी ने तुरंत पुलिस को कार्रवाई के लिए निर्देश दिए।

देहरादून से बेंगलुरु के लिए सीधी विमान सेवा शुरू हुई

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सोमवार से देहरादून से बेंगलुरु के लिए अपनी सीधी उड़ान सेवा शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जॉलीग्रांट हवाई अड्डे पर नई हवाई सेवा को फ्लैग ऑफ करते हुए इसे राज्य के समग्र विकास और हवाई संपर्क के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया।

सीएम ने कहा कि देहरादून से एयर इंडिया एक्सप्रेस सेवाओं की शुरुआत हमारे राज्य के लिए नागर विमानन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। बेंगलुरु के साथ बेहतर संपर्क उत्तराखंड में पर्यटन, व्यापार और निवेश के अवसरों को काफी बढ़ावा देगा। एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा देहरादून और बेंगलुरु के बीच सीधी हवाई सेवा उत्तराखंड के युवाओं, उद्यमियों, आईटी पेशेवरों,

हवाई सेवा की शुरुआत के अवसर पर संबोधन करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

- मुख्यमंत्री धामी ने जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर किया एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट का फ्लैग ऑफ

छात्रों और पर्यटकों के लिए भी बड़ी सुविधा होगी। कहा कि, बेंगलुरु देश की आईटी राजधानी है और उत्तराखंड के हजारों युवा वहां शिक्षा, सेवाओं और स्टार्टअप में काम कर रहे हैं। अब उनके पास अपने गृह राज्य जाने के लिए अधिक सुविधाजनक, समय पर और सुरक्षित यात्रा विकल्प होगा।

सीएम ने कहा कि, यह भारत के सबसे गतिशील शहरों में से एक के साथ छात्रों, पेशेवरों और उद्यमियों के लिए संपर्क सुविधा को भी मज़बूत करेगा। हम इस संपर्क सुविधा के हमारे लोगों और अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव की आशा करते हैं।

प्रॉपर्टी डीलर ने गैंगस्टर बनकर मांगी कारोबारी से 5 लाख की रंगदारी

संवाददाता, हरिद्वार

- धंधा मंदा हुआ तो अपने ही परिचित को की कॉल
- पुलिस जांच में हुआ पर्दाफाश, दी थी परिवार को मारने की धमकी

अमृत विचार: अभी तक बदमाशों द्वारा बिल्डरों से रंगदारी मांगने के मामले सामने आते रहे हैं लेकिन यहां खुद को गैंगस्टर बताकर प्रॉपर्टी डीलर द्वारा कारोबारी से पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने का खुलासा हुआ है।

एसएसपी हरिद्वार प्रमेंद्र सिंह डोबाल के अनुसार, मंगलौर निवासी कारोबारी सिद्ध गोपाल मित्तल ने शिकायत दर्ज करायी थी कि उन्हें किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन कॉल कर हरिद्वार की जेल में बंद गैंगस्टर सुनील राठी का नाम लेते हुए 5 लाख रुपये की रंगदारी मांगी है। न देने पर उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी है।

शिकायत पर कोतवाली मंगलौर पर मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस को सर्विलांस में वह नंबर देहरादून में सक्रिय मिला। इंस्पेक्टर मंगलौर अमरजीत सिंह की टीम ने देहरादून के चुक्खुवाला से मनीष भाटिया नाम के आरोपी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया।

मनीष से पूछताछ में सामने आया कि वह पूर्व में मंगलौर में ही रहता था और सिद्ध गोपाल को करीब से जानता था। मनीष वर्ष 2009 में देहरादून निवासी महिला से लव मैरिज करने के बाद देहरादून ही शिफ्ट हो गया था और वर्ष 2021 से प्रॉपर्टी डीलिंग कर रहा था। धंधे में मंदा आने पर उसने सिद्ध गोपाल से रंगदारी मांगने की योजना बनायी थी। इसके लिए उसने अपना काफी पुराना मोबाइल फोन और अपने एक ग्राहक की आईडी पर एक्टिवेट कराए गए सिम का प्रयोग किया था।

95 वर्षीय सेवानिवृत्त नेवी अफसर ने किया नेत्र और देहदान

रामपुर, अमृत विचार: नेवी से सेवानिवृत्त अधिकारी 95 वर्षीय जगमोहन बख्शी ने सोमवार को नेत्रदान और देहदान किया। उनकी मृत्यु सुबह 7 बजे हुई। इसके बाद उनके दामाद दीपचंद जोशी ने उनकी मौत की सूचना रामपुर नागरिक समाज के प्रभारी सतीश भाटिया को दी। मुरादाबाद एक नेत्र चिकित्सालय की टीम ने कॉर्निया सुरक्षित कर लिया। जिससे दो लोग दुनिया की रंगीनियां देख सकेंगे।

आवास विकास कॉलोनी निवासी जगमोहन बख्शी पिछले दो माह से बीमार थे। उनकी मौत के बाद मुरादाबाद के एक नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सकों ने कॉर्निया सुरक्षित कर लिया। इसके अलावा मुरादाबाद के एक विश्वविद्यालय की टीम ने देह छात्र-छात्राओं के प्रयोग के लिए सुरक्षित कर ली। भतीजे रंजन बक्शी एवं राकेश बख्शी ने अंतिम संस्कार की क्रियाएं संपन्न कराईं।

ऑनलाइन निवेश का झांसा देकर 98 लाख ठगे

संवाददाता, देहरादून

- एसटीएफ ने सरगना को कोलकाता से किया गिरफ्तार

अमृत विचार: ऑनलाइन निवेश का झांसा देकर और छोटे रिटर्न देकर विश्वास हासिल कर 98 लाख रुपये की ठगी करने वाले साइबर अपराधी को उत्तराखंड पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने कोलकाता से गिरफ्तार किया है।

एसटीएफ के एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने सोमवार को बताया कि अभियुक्त मृदुल सूर निवासी पूर्वी मिदनापुर, पश्चिम बंगाल ने फेसबुक तथा व्हाट्सएप पर फर्जी प्रोफाइल एवं कई अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय मोबाइल नंबरों का उपयोग कर शिकायतकर्ता का विश्वास जीता। प्रारम्भ में छोटे रिटर्न देकर निवेश के लिए प्रोत्साहित किया। पीड़ित को अभियुक्त ने स्वयं को वित्तीय सलाहकार, आईएफडीसी इन्वेस्टर कम्पनी का प्रतिनिधि बताकर निवेश का लालच दिया तथा बाद में धमकी, ब्लैकमेल व भय दिखाकर ठगी की गई। उन्होंने बताया कि अभियुक्त ने शिकायतकर्ता से 28 जुलाई 2020 से 09 अगस्त 2024 के बीच निवेश के बहाने विभिन्न बैंक खातों में लगभग 98 लाख रुपये की धनराशि हस्तांतरित करवाई।

अभियुक्त को धारा 41 सीआरपीसी का नोटिस दिये जाने के बावजूद, वह लगातार जांच से बचता रहा जिस कारण न्यायालय से गैर-जमानती वारंट प्राप्त कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। एसएसपी ने बताया कि अभियुक्त के बैंक खातों के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में साइबर अपराधों की शिकायतें दर्ज हैं। यह प्रकरण देहरादून निवासी पीड़ित द्वारा दिसम्बर, 2024 को साइबर थाना देहरादून में दर्ज कराया।

अमृत विचार

बरेली , मंगलवार,16 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

नुमाइश में छेड़छाड़ पर 26 लोगों पर रिपोर्ट

आंवला, अमृत विचार : नुमाइश में झूला झूलने के दौरान दो पक्षो में हूई मारपीट के मामले में 6 नामजद और 20 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी है। मोहल्ला कुरैशियान निवासी सजिद ने लिखाई रिपोर्ट में बताया कि दो दिन पहले परिवार के साथ नुमाइश देखने गये थे। झूला झूलने के दौरान कुछ लोगों ने परिवार की महिलाओं और युवतियों से छेड़छाड़ और हॉकी से हमला कर दिया। पुलिस ने अयान, अनस, अंबर निवासी मोहल्ला ग्वाल टोली कस्बा आंवला, फरदीन, शानू निवासी मोहल्ला पक्का कटरा कस्बा आंवला, अब्दुल्ला और 15-20 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

महिला के साथ तीन युवकों ने की छेड़छाड़

क्योलड़िया, अमृत विचार : नशे में महिला के घर में घुसकर तीन युवकों ने अश्लील हरकतें की। विरोध करने पर गालियां देते हुए पिटाई भी की। महिला ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र गांव कि एक महिला घर पर अकेली थी। इसी का फायदा उठाते हुए गांव के ही तीन युवक घर में घुस आए और अश्लील हरकतें करने लगे। विरोध किया तो तीनों ने महिला की पिटाई कर दी। चिल्लाने पर पड़ोसी बचाने आए तो उन्हें भी युवकों ने पीट दिया। तहरीर देने के बाद पुलिस ने जांच कर कार्रवाई करने की बात कही है।

छात्रा से छेड़छाड़ पर दो युवकों पर मुकदमा दर्ज

भमौरा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव निवासी महिला ने की पुत्री से छेड़छाड़ और अभद्र टिप्पणी करने वाले दो युवकों पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पीडिता की मां ने मामले में कार्रवाई के लिए तहरीर दी थी। थाना क्षेत्र निवासी महिला नेबताया कि 15 वर्षीय पुत्री को स्कूल जाते समय आए दिन गांव के राकेश व कमल परेशान करते थे। अभद्र टिप्पणी करते थे और रास्ते में छेड़छाड़ करते थे। गत सप्ताह दुकान से सामान लेने गई बेटी को रोकर दोनों ने छेड़छाड़ शुरु कर दी। आरोपियों के घर जाकर शिकायत की तो उनको पीट दिया और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद महिला ने पुलिस को जानकारी दी और पुलिस को तहरीर देकर युवकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। तहरीर पर दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की बात कही।

गन्ना समिति का बहिष्कार करने की चेतावनी

ओसवाल चीनी मिल के बकायेदार किसानों ने भाकियू के साथ समिति के चेयरमैन से की दो टूक वार्ता

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : बंदी के कगार पर पहुंची ओसवाल चीनी मिल पर करोड़ों के बकाये के बाद अब किसान संगठनों ने गन्ना समितियों के बहिष्कार की चेतावनी दी है। गन्ना भुगतान नहीं होने और ब्याजमुक्त बीज खाद दिलाने की मांग को लेकर किसानों ने प्रदर्शन किया और मांग पूरी नहीं होने पर गन्ना समिति का भी बहिष्कार करने की चेतावनी दी है।

भारतीय किसान यूनियन ने नेता चंद्र प्रकाश गंगवार पप्पू के नेतृत्व में गन्ना भवन पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करते हुए गन्ना किसानों को बिना ब्याज के उर्वरक , बीज व पेस्टीसाइड उपलब्ध कराने की मांग की है। आरोप है कि ओसवाल चीनी मिल पर किसानों का करोड़ो रुपया बकाया चल रहा है। किसानों को बकाया पर कोई ब्याज नहीं मिल रहा लेकिन गन्ना समितियों से किसानों को महंगे ब्याज पर खाद बीज लेना पड़ रहा है। पिछले भुगतान के साथ ही बिना ब्याज के खाद, बीज, उपलब्ध न कराने पर किसान नेताओं ने गन्ना समिति का भी बहिष्कार करने की घोषणा की है।

गन्ना समिति के चेयरमैन से वार्ता करते किसान। ● अमृत विचार

गन्ना चेयरमैन निर्भय गंगवार ने किसान नेताओं की मांगों का शीघ्र निस्तारण कराने का आश्वासन दिया है । विरोध व्यक्त करने वाले किसानों में मास्टर हीरालाल गंगवार , फतेह चंद गंगवार , खेमकरन पंडा , सेवाराम, हरदेव सिंह, रामरतन, तुलाराम व पुत्तूलाल आदि किसान नेता मौजूद रहे । गन्ना समिति की सचिव मेघा जोशी ने बताया कि मिल द्वारा मिलने वाले अंशदान से समिति कर्मियों को वेतनादि दिया जाता है, भुगतान न मिलने से हमारे सामने भी समस्या है ।

- **150 गांवों के किसानों का 71 करोड़ रुपये बकाया, संचालन पर संशय**
- **बकाया भुगतान होने तक किसानों को ब्याजमुक्त खाद बीज दिलाने की मांग**

गन्ना सचिव ने बताया कि ओसवाल मिल के न चलने की सम्भावना के चलते मिल के सभी गन्ना खरीद केन्द्र धामपुर , द्वारिकेश व एल एच चीनी मिलों से सम्बद्ध किए जाने की प्रक्रिया चल रही है ।

गाँव गरगइया के किसान हरिओम गंगवार का कहना है पूरा परिवार गन्ने पर निर्भर है। पिछली पेराई का पैसा नहीं मिला और अब यदि मिल बंद हो गई तो भुखमरी की नौबत आ जाएगी ।

बंजरिया के रामऔतार बोले, पास की मिलें पहले से ही ओवरलोड रहती हैं। ऐसे में इन मिलों को इस क्षेत्र का गन्ना खपाना भी महंगा साबित होगा ।

सांड ने बाइक सवार युवक पर किया हमला, भर्ती

संवाददाता, नवाबगंज/ सेंथल

अमृत विचार : हाफिजगंज क्षेत्र के सिथरा गांव के पास सोमवार को आवारा सांड ने बाइक सवार एक युवक पर हमला कर दिया। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। विष्णु मौर्य बिजौरिया से बरेली लौट रहे थे। रास्ते में आवारा सांड ने हमला कर उन्हें टक्कर मार दी। उन्हें नवाबगंज के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है।

अस्पताल में भर्ती विष्णु।

मुख्यमंत्री पोर्टल पर की शिकायत : सेंथल में घूम रहे छुट्टा पशुओं के आतंक से लोग परेशान हैं। इन पशुओं के चलते आए दिन लोग हादसों में घायल हो रहे हैं। शुक्रवार रात सांड़ से बाइक टकराने से कुंवरपुर बंजरिया निवासी अशफाक की जान भी चली गई थी। जनता की समस्या को देखते हुए भाजपा कल्याणपुर मंडल अध्यक्ष विनय चौधरी ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर छुट्टा पशुओं को पकड़वाने की मांग की है।

भाजपा नेता का कहना है सांड़ कस्बे में छुट्टा घूम रहे हैं। लोगों को घायल कर रहे हैं गोशाला में केवल गाय ही रखी जा रही है। सांड फसलों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। भाजपा नेता ने बताया कि नगर पंचायत में कई बार शिकायत करने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई। अब मुख्यमंत्री पोर्टल और उपजिलाधिकारी से शिकायत की है।

तालाब को कब्जामुक्त कराने को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : तालाब पर अवैध कब्जा हटाने और सोराहा में जमीन पर हुए कब्जे को मुक्त कराने सहित कई मांगों को लेकर भाकियू (टिकैत) ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

आरोप लगाया कि गांव बगरऊ में लेखपाल द्वारा सरकारी तालाब पर अवैध कब्जा करा दिया गया है। गांव सोरहा में दबंगों ने जमीन पर कब्जा कर लिया है उसे कब्जामुक्त कराया जाए। गांव कुरतरा के राशन कार्ड में नाम जोड़ने के लिए चार बार प्रार्थना पत्र दे चुका है लेकिन नाम नहीं जुड़ा है। मोहम्मदगंज और मनकरी के बीच खड़ंजे के पैसे मंजूर होने के बाद भी ना तो पीपा पुल निर्माण शुरू किया गया है और ना ही खड़ंजे का काम शुरू किया गया है। इस दौरान अरविंद सिंह सोमवंशी, चौधरी हरवीर सिंह, सुधीर बालियान, भूपराम, बसंत राम,अनोखेलाल,रामदयाल, झंडू सिंह गंगवार, सुमेरीलाल, चौधरी हरपाल सिंह, मदनलाल आदि मौजूद रहे हैं।

बिजली के लिए प्रदर्शन

आंवला : भाकियू (शंकर) गुट की ओर से रेलवे स्टेशन के समीपवर्ती गांव रहटुईया स्थित बिजली उपकेन्द्र पर सोमवार को बिजली की समस्याओं को लेकर धरना-प्रदर्शन किया गया। किसानों ने ऊर्जा मंत्री के नाम ज्ञापन एसडीओ विशाल वर्मा को सौंपा।

चौकीदार ने जंगल में लगाई फांसी

हाफिजगंज, अमृत विचार: गांव बमनपुरी स्थित मुर्गी फार्म पर रह रहे चौकीदार ने जंगल में पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान पूरन लाल (36) पुत्र रामदास निवासी बकैनिया, थाना हाफिजगंज के रूप में हुई।

पूरन लाल लंबे समय से शराब का आदी था। पत्नी भी परेशान होकर उसे छोड़कर चली गई थी। पूरन सीढ़ी लेकर जंगल गया और पेड़ पर फांसी लगा ली। मृतक के भाई का कहना है कि शराब की लत ही उसकी मौत की वजह बनी। फिलहाल परिजनों की ओर से तहरीर नहीं दी गई है।

दूसरा निकाह करने पहुंचे मौलाना, पहली ने किया बखेड़ा

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : रविवार देर रात मोहल्ला जंगले वाली मस्जिद में उस समय हड़कंप मच गया जब एक मौलाना दूसरा निकाह करने पहुंचे और मौके पर उनकी पहली पत्नी ने पहुंचकर हंगामा कर दिया। पुलिस निकाह रुकवाकर मौलाना व उसके रिश्तेदारों को कोतवाली ले आयी ।

जानकारी के अनुसार मीरगंज के निवासी मौलाना का पहला निकाह 2 फरवरी 2025 को गांव की ही एक सजातीय महिला से हुआ था लेकिन आपसी मनमुटाव के चलते वह शादी के बाद से ही अपने मायके में रह रही थी। आरोप है कि मौलाना आए दिन पत्नी से मारपीट कर शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था।

मौलाना के दूसरा निकाह करने की सूचना पर मौके पर पहुंचे ग्रामीण। अमृत विचार

बीती रात मौलाना अपने बहनोई व रिश्तेदारों के साथ मीरगंज के ही डेलपुरवासी रिश्तेदार के यहां से बारात लेकर नवाबगंज के मोहल्ला जंगले वाली मस्जिद पहुंचे थे। इसी बीच पहली पत्नी को सूचना मिली तो वह भी अपने परिजनों के साथ मौके पर पहुंच गई और मौलाना के दूसरे निकाह का विरोध करते हुए बखेड़ा कर डायल 112 को फोन कर दिया ।

पुलिस मौलाना व उसके बहनोई को कोतवाली ले आई। पीड़िता के परिजनों ने थाना नवाबगंज में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है तो वहीं बारात की अगवानी कर रहे परिवार ने भी मौलाना पर अपने पहले निकाह की बात छिपाकर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर देकर चले गये।

मार्ग पर अवैध कब्जे को कराया ध्वस्त

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : याकूबपुर गांव में सार्वजनिक मार्ग पर टिन शेड डालकर रास्ता रोकने वाले अतिक्रमण को नगर पालिका की टीम ने पुलिस की मौजूदगी में ध्वस्त कर दिया।

नगर पालिका परिषद के गांव याकूबपुर क्षेत्र के बीजामऊ मार्ग पर टिन शेड डालकर अवैध् निर्माण किया गया था। गाव निवासी शोभाराम ने अपने घर की दीवार को पक्का किया फिर उस पर टिन शेड डाल लिया। सार्वजनिक मार्ग पर टिन शेड डालने की शिकायत गांव की ही रजनी सिंह ने की थी।

रविवार को रजनी ने शिकायत की कि शोभाराम ने टिन शेड डालकर रास्ता बंद कर लिया है। इससे पहले जब अवैध निर्माण का विरोध किया था तो आरोपी ने गाली गलौज की थी।

नगर पालिका में की शिकायत के बाद सोमवार को नगर पालिका प्रशासन ने राजस्व टीम के साथ पुलिस फोर्स की मौजूदगी में पहले जमीन की नपाई कराई। जमीन की पैमाइश कराने के बाद अवैध कब्जा साबित होने पर उसके ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की और सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे को मुक्त कराया।

सरकारी भूमि पर हुए कब्जे को हटवाती नगर पालिका की टीम। ● अमृत विचार

- **गांव की महिला ने रास्ते पर हुए अवैध कब्जे की शिकायत की थी**
- **सोमवार को हुई नपाई, अवैध कब्जा होने पर चलाई जेसीबी**

प्रदूषण को रोकना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी

मीरगंज, अमृत विचार : राजेन्द्र प्रसाद डिग्री कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. एस.के. सिंह ने की। भूगोल विभागाध्यक्ष आनंद कुमार, डॉ. आतिफ खान, आलोक त्रिपाठी ने स्वच्छ वायु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वायु प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के साथ-साथ पृथ्वी के संतुलन के लिए भी गंभीर चुनौती है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि प्रदूषण को रोकने के लिए प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझे और वृक्षारोपण तथा जागरूकता अभियान में भागीदारी सुनिश्चित करे। छात्रों में रिमझिम रस्तोगी, पल्लवी एवं विश्वजीत ने स्वच्छ वायु एवं पर्यावरण सुरक्षा विषय पर विचार प्रस्तुत किए। महाविद्यालय में डॉ. ममता रंजन, वीरेंद्र शर्मा के सहयोग से पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इसमें पान कुमारी प्रथम, आबदा बी द्वितीय एवं सरस्वती एवं सुनैना को तृतीय पुरस्कार दिया गया।

प्रतियोगिता में विजयी छात्राएं। ● अमृत विचार

नहीं आएगी बिजली

शेरगढ़ : मंगलवार को 33 केवी शेरगढ़ तथा 132 केवी लाइन पर अनुरक्षण का कार्य किया जाएगा इससे सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक बिजली नहीं आएगी। जेई ने यह जानकारी दी है।

दाँतों में तकलीफ
अब कोई चिन्ता नहीं!

ग्लोबल डेन्टल हॉस्पिटल एण्ड इम्पलान्ट सेन्टर
डॉ० एम.बी. गौतम
बी.डी.एस.
(वरिष्ठ मुख एवं दन्त रोग विशेषज्ञ)
उपलब्ध सुविधायें
- शादी से पहले स्माईल डिजाइन अवश्य करायें।
- दांतों की सफाई विदेशी तकनीक द्वारा (Ultrasonic scaler)
- हिलते हुए दांतों को जाम करना।
- दांतों की नसों का इलाज Root Canal Treatment, (Single Siting RCT)
- मसूड़ों से खून आना/बदबू आना व पायरिया का इलाज।
- दांतों में ठण्डा व गर्म पानी लगने का इलाज।
- सड़े गले दांतों को बना तकलीफ के निकालना (Laser Filling)
- टेड़े-मेढ़े, ऊँचे-नीचे दांतों का इलाज। (Fix Braces)
- डेन्टल इम्प्लांट द्वारा दांत लगाना। (Zirconia Crown/ Bridges)
- मुलायम जबड़े की बत्तीसी (Flexible/RPD)
- गुटखे की वजह से मुंह कम खुलने का इलाज।
- एक्सीडेन्टल टूटे जबडे व अक्कल दाढ़ की सर्जरी की सुविधा
सम्पर्क करें:-
9997317000, 0581-4508701
स्थान परिवर्तन
प्रभा टाकीज के सामने वाली रोड, महाजन स्क्वायर 35/के रामपुर गार्डन, जीवन ज्योति अस्पताल के बराबर में, बरेली

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

हर्षिल हॉस्पिटल
क्रिटिकल केयर एण्ड पेन सेन्टर
डॉ. हिमांशू वर्मा
MBBS, MD, FICM, FIPM
क्रिटिकल केयर एवं पेन फिजिशियन
Advanced ICU & OT 24x7 Emergency Operation | TPA/कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
पता:- प्लाट नं. 4 राघव पेट्रोल पम्प के सामने, बुखारा, बरेली
Mob : 9458702280, 8937810741

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80773444353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

चाचा-भतीजा पर हमला अधमरा छोड़ कर भागे

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

- **बाइक सवारों ने राड मार कर गिराया, रिपोर्ट दर्ज**

अमृत विचार : सोमवार सुबह को बाइक के द्वारा शेरगढ़ से घर लौट रहे चाचा भतीजे जान लेवा हमले में गंभीर घायल हो गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने गांव के व्यक्ति के खिलाफ नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

जानकारी के मुताबिक गांव खिरका जगतपुर निवासी नंदकिशोर और उनका भतीजा योगेन्द्र कुमार सोमवार सुबह रिश्तेदार के यहां से घर लौट रहे थे। अगरास मोड़ पर पहुंचने पर तीन अज्ञात लोगों ने राड से हमला करके दोनों को बाइक समेत गिरा दिया और उनकी जमकर पिटाई की। आरोपी दो बाइक से आए थे। पिटाई से चाचा भतीजे घायल होने के बाद बेसुध हो गए। तब उनको मरा समझकर आरोपी भाग गए।

सूचना पर पहुंचे परिजन उन्हें उठाकर थाना ले गए। चाचा नन्द किशोर ने तहरीर देकर गांव के ही जुम्मा शाह को नामजद करते हुए दो अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। घायलों को पुलिस ने मेडिकल के लिए भेजा है।

किशोरों को दी स्वास्थ्य संबधी जानकारी

दुनका। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शेरगढ़ द्वारा कुंवर ढाकन लाल इंटर कॉलेज सहोड़ा में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम हुआ। इसमें किशोर लड़के लड़कियों में पोषण, स्वास्थ्य एवं शरीर में आयु संबंधी समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई एवं लड़के लड़कियों का लंबाई वजन लेकर स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

खून की कमी के लिए एनीमिया की जांच भी की गई। इस अवसर पर बालक बालिकाओं द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता एवं रंगोली भी बनायी गई। इसमें प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। प्रधानाचार्य प्रवीण कुमार डा वसीम, डा सुनील, इलमुन निशा, ए एन एम आशा एवं आंगनबाड़ी उपस्थित रहीं।

छात्रा को पुरस्कृत करते प्रधानाचार्य

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

वॉक् - इन इंटरव्यू

महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली द्वारा संचालित विद्यालय पं0 दीनानाथ मिश्र इंटर कॉलेज जोगी नवादा बरेली में एक-एक पद सहायक अध्यापक गणित विषय एवं सामाजिक विज्ञान विषय की आवश्यकता है। साक्षात्कार दिनांक 24.09.2025 प्रात: 11:00 बजे विद्यालय परिसर में होगा। विस्तृत जानकारी विद्यालय की website:ptdnmic.com से प्राप्त कर सकते हैं।

सूचना

मैंने अपनी पत्नी वेला देवी एवं सगे पुत्र सर्वोत्तम सिंह मौर्य को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य एवं अप्रिय घटना का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। यदि भविष्य में मेरे साथ कोई घटना होती है तो उक्त दोनों जिम्मेदार होंगे। **रामप्रसाद पुत्र श्री खेमकरन नि. ग्राम मेमौर तह. , बरेली**

सूचना

मैंने अपने पुत्र जीशान को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **आयशा बी पत्नी शफात उल्ला निवासी:- 768, रोहिली टोला, बरेली**

सूचना

मेरी पुत्री आरोही वर्मा अजमानी इंटरनेशनल स्कूल लखीमपुर खीरी मे कक्षा 10 की छात्रा है। जिसके शैक्षिक अभिलेखों में मेरा नाम मुकेश वर्मा MUKESH VERMA व माता का नाम कान्ती वर्मा KANTI VERMA दर्ज है। जो कि गलत है। जबकि सही नाम मुकेश कुमार वर्मा MUKESH KUMAR VERMA व माता का नाम कान्ती देवी KANTI DEVI है। जो कि सही है। उक्त सही नाम शैक्षिक अभिलेखों में संशोधित किया जाये। **मुकेश कुमार वर्मा पुत्र श्री लक्ष्मीकान्त वर्मा निवासी ग्राम डिम्हौरा पो. मुड़िया खेरा तह. लखीमपुर जिला खीरी**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र सद्दाम हुसैन व पुत्रवधु साहिबा को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **आशिक अली पुत्र शाते अली निवासी लौंगपुर नौगवां, जगमपुर, थाना फरीदपुर तहसील फरीदपुर जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र प्रिन्स कुमार व उसकी पत्नी दिव्या उर्फ रम्भा को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल- अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके द्वारा किए गए किसी भी कार्य व लेन-देन के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे । मेरा उनसे अब कोई सरोकार व वास्ता नहीं होगा। **दलसिंगार पुत्र दुख हरन निवासी ग्राम मुसाफिर नगर, पटिहन, कोतवाली व तहसील पलिया, जिला खीरी।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने सौतेले पुत्र राजेन्द्र व उसकी पत्नी चन्द्रवती को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **डूंगर लाल पुत्र कन्हई लाल निवासी ग्राम मदकरा जगन्नाथपुर पोस्ट रामनगर तहसील आंवला जिला बरेली।**

स्वामी शुकदेवानन्द कॉलेज
मुमुक्षु आश्रम, शाहजहाँपुर-242226
आवश्यकता है
स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत निम्न विषयों के असि0 प्रोफेसर की योग्यता एवं अनुभव यू0जी0सी0 एवं एम0जे0पी0 रूहेलखण्ड विश्व विद्यालय के नियमों के अनुसार विज्ञापन की तिथि से 02 सप्ताह के अन्दर पंजीकृत डाक द्वारा अथवा स्वयं उपस्थित होकर समस्त अभिलेखों की 02 सत्यापित प्रतियों सहित आवेदन करें।
बी0सी0ए0 02
एम0एस0सी0 गणित 02
सचिव
प्रबन्ध समिति

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

रुद्रपुर में हुए सड़क हादसे में शीशगढ़ के युवक की मौत

शीशगढ़, अमृत विचार : कस्बे के रहने वाले एक युवक की रुद्रपुर में बाइक में पेट्रोल डलवाने जाते हुए ट्रक की टक्कर लगने से मौके पर ही मौत हो गई। मौत की खबर लगने पर युवक के घर में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक बाइक में पेट्रोल डलवाने के लिए जा रहा था। रास्ते में ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक मोनी (16 वर्ष) पुत्र इकरार अहमद रुद्रपुर में अपने एक ईंट सप्लायर के पास रहता था।

जलभराव की समस्या को लेकर एसडीएम से की शिकायत

आंवला, अमृत विचार : रामनगर के गांव मनौना निवासी ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में बनी पुलिया से छोटे तालाब, से लेकर रोडवेज बस स्टैण्ड तक नाले की भूमि पर कई लोगों ने अतिक्रमण कर लिया है। जिससे बरसात का पानी नही निकल पाता है। शिकायतीपत्र में जैलेन्द्र सिंह, तेजपाल मौर्य, चरनसिंह, अशोक कुमार, हरीशंकर मौर्य, वेदपाल सिंह, राजू, चंद्रपाल सिंह, सुरेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंह आदि के नाम अंकित हैं।

कथा में कुंती स्तुति का हुआ बखान

आंवला, अमृत विचार : धेर सिताबराय में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास मणीश्वर शर्मा ने कुंती स्तुति का वाचन कर भक्तों को धर्म, भक्ति और जीवन मूल्यों का संदेश दिया। कथा सुनने को भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। महेंद्र सक्सेना, देवेंद्र, संजीव, विनोद, अजीज,आदि रहे।

अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीण परेशान

भुता अमृत विचार : कस्बे में चल रही अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। दिन भर बिजली ट्रिपिंग का आंख मिचौली का खेल चल रहा है। गर्मी से ग्रामीण परेशान है। कस्बे में मात्र 10 से 12 घंटे बिजली ही सप्लाई मिल पा रही है। बिजली के उपकरण सब शोपीस बने हैं। ग्रामीणों का कहना है बिजली समस्या के कारण खेती किसानी करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जेई गोविंद चौहान ने बताया ओवर लोडिंग से 15 घंटे की सप्लाई दी जा रही है।

हादसे रोकने को गांव-गांव गठित होंगी सड़क सुरक्षा समितियां

मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उठाया कदम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- डीएम व सीडीओ को अनिवार्य रूप से समितियों का गठन कराने के दिए निर्देश
- परिवहन विभाग इन सड़क सुरक्षा समितियों के पदाधिकारियों को करेगा प्रशिक्षित

अमृत विचार : मंडल की सभी ग्राम पंचायतों में सड़क सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण पहल की गई है। कमिश्नर सौम्या अग्रवाल ने ग्रामीण आंचलों में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को लेकर चारों जिलो के डीएम और सीडीओ को ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में ग्राम सड़क सुरक्षा समितियों का गठन अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए हैं। हादसे के दौरान इन समितियों के सदस्यों को क्या करना है, इसका प्रशिक्षण परिवहन विभाग देगा।

परिवहन विभाग के अनुसार सड़क सुरक्षा के लिए उठाए जा रहे कदमों की निगरानी ग्राम सड़क सुरक्षा समितियां ही करेंगी। जहां जरूरी होगा, यह समिति ही एफआईआर भी दर्ज कराएगी। यह समिति हर महीने सड़क हादसों की जानकारी जिले की समिति को भेजेगी। साथ ही हर गांव में सड़क सुरक्षा प्लान बनाएगी। इतना ही नहीं ग्रामीणों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक भी किया जाएगा।

हादसे में क्षतिग्रस्त कार। (फाइल फोटो)

मंडलायुक्त ने ग्राम सड़क सुरक्षा समितियों के गठन के प्रस्ताव को विस्तृत रूपरेखा सहित पूरे मंडल में लागू करने के निर्देश दिए हैं। यह ग्राम सड़क सुरक्षा अभियान आने वाले समय में ग्रामीण क्षेत्रों में दुर्घटनाओं के कारणों का पता लगाना, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान करने और उसके दीर्घकालिक समाधान ढूंढने और क्रियान्वित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

– प्रणब झा, आरटीओ प्रवर्तन

ग्राम सड़क सुरक्षा समिति में ये होंगे शामिल

ग्राम स्तर पर प्रधान अध्यक्ष, लेखपाल संयोजक, पंचायत सचिव सह-संयोजक और बीडीसी सदस्य, वार्ड सदस्य, विद्यालय प्रधानाचार्य, आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, कोटेदार, पुलिस बीट प्रभारी और नामित ग्राम स्तरीय स्वयंसेवक सदस्य होंगे। वहीं तहसील स्तर पर तहसील सड़क सुरक्षा समिति गठित होगी। इसकी अध्यक्षता एसडीएम करेंगे। ब्लॉक स्तर पर रोड सेफ्टी नोडल अधिकारी नामित किए जाएंगे। समिति की गतिविधियों की निगरानी एवं रिपोर्टिंग संजय एप के माध्यम से डिजिटल पद्धति से की जाएगी। उत्कृष्ट कार्य करने वाली समितियों को सड़क सुरक्षा रत्न ग्राम पंचायत घोषित कर सम्मानित किया जाएगा।

संजय एप के जरिये मिलेगा समाधान

संजया एप जो आईआईटी मद्रास के सेंटर आफ एक्सीलेंस फार रोड सेफ्टी ने तैयार किया है। बीते दिनों आरटीओ प्रवर्तन प्रणब झा ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में मंडलायुक्त के समक्ष इस ऐप का प्रस्तुतीकरण किया था। इसके बाद इसे ट्रायल के तौर पर मंडल में शुरू कर दिया गया था। यह एप ग्रामीणों को उनके क्षेत्र के ब्लैक स्पॉट की पहचान करने और उसे रिपोर्ट करने की सुविधा देगा। परिवहन विभाग के अधिकारियों का दावा है कि इसके माध्यम से सरकार तक दुर्घटनाओं से संबंधित डेटा पहुंचेगा और समाधान की दिशा में त्वरित निर्णय लिए जा सकेंगे।

लक्ष्मण व लक्ष्मीबाई पुरस्कार के लिए मांगे आवेदन

बरेली, अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने वर्ष 2024-25 के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को लक्ष्मण एवं रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार सामान्य वर्ग और वेटरन वर्ग से सम्मानित करने का निर्णय लिया है। पात्रता रखने वाले खिलाड़ी ऑनलाइन पोर्टल खेल साथी डॉट इन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर है। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी चंचल मिश्रा ने बताया कि खिलाड़ियों का चयन उनके पिछले तीन वर्षों (2022-23, 2023-24 और 2024-25) के राष्ट्रीय अथवा अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उपलब्धियों के आधार पर किया जाएगा। खिलाड़ी प्रदेश का मूल निवासी हो। खिलाड़ी की अधिकतम आयु 40 वर्ष निर्धारित की गई। पुरस्कार के लिए कुल 31 खेलों को शामिल किया गया है। इनमें तैराकी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, बास्केटबॉल, हॉकी, क्रिकेट, फुटबॉल, कुश्ती, कबड्डी, जूडो, शूटिंग, टेबल-टेनिस, लॉन-टेनिस, भारोत्तोलन, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल, हैंडबॉल सहित अन्य खेल प्रमुख हैं। चयनित खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र और नकद राशि प्रदान की जाएगी।

शिक्षा में गुणवत्ता के लिए नवाचार जरूरी : मेयर

शिक्षकों को संबोधित करते मेयर डा. उमेश गौतम। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: डायट फरीदपुर में सोमवार को नवाचार महोत्सव का आयोजन हुआ। जिसमें शिक्षकों के सृजनात्मक कार्यों को मंच प्रदान किया गया। बतौर मुख्य अतिथि महापौर डा. उमेश गौतम ने महोत्सव का शुभारंभ किया और कहा कि शिक्षा में गुणवत्ता तभी आ सकती है जब शिक्षक लगातार नवाचार करते रहें। ऐसे आयोजन शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं।

डायट प्राचार्या दीप्ति वार्ष्णेय ने कहा नवाचार महोत्सव शिक्षकों के सृजनात्मक कार्यों को मंच प्रदान करने के साथ ही विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को ऊंचाई देता है। इस अवसर पर नवाचार प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ, जिसमें जिले के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों ने नवाचार प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल में शामिल डॉ. गौरव भूषण, डॉ. राजेश गंगवार और डॉ. सारा वासु ने प्रतिभागियों के प्रस्तुत नवाचारों का मूल्यांकन किया और सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में दो पुस्तकों का लोकार्पण भी किया गया। , वरिष्ठ प्रवक्ता मनोज कुमार ने कहा कि यह महोत्सव शिक्षकों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करता है और शिक्षा में नई दिशा देने वाला है। इस अवसर पर सौरभ मिश्रा, डॉ नीति माहौर, राजेश कुमार, कुमारी अंशु, ज्योति यादव, भावना,अदिति पंत, हिमांशु राठौर, राकेश कुमार गंगवार, पारुल, रश्मि,सहित शिक्षक और डीएलएड प्रशिक्षु उपस्थित रहे। संचालन डा. कृष्ण कुमार ने किया।

अपना दल एस ने बनाई रणनीति सभी वार्डों में प्रत्याशी उतारेगा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- सर्किट हाउस पहुंचे राष्ट्रीय महासचिव केके सिंह ने पदाधिकारियों के साथ की बैठक
- कहा: 2027 में भागीदारी और हिस्सेदारी तय करने वाला है आगामी जिपं का चुनाव

अमृत विचार: अपना दल (एस) ने आगामी चुनावों में अपनी पूरी ताकत झोंकने का फैसला किया है। आगामी पंचायत चुनाव में पार्टी जनपद के सभी वार्डों में अपने प्रत्याशी उतारेगी। यह बात सोमवार को पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केके पटेल ने कहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी जिला पंचायत, ग्राम पंचायत और ब्लॉक प्रमुखी के चुनावों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेगी।

जिलाध्यक्ष अनुज कुमार गंगवार को निर्देश दिए कि जिला और विधानसभा स्तर के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता बूथ अध्यक्षों का चुनाव और बूथ गठन के कार्य को तेजी से आगे बढ़ाएं। चुनाव से जुड़ी तैयारियों के सवाल पर केके पटेल ने कहा कि चुनाव में बरेली जनपद महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। इसके लिए जिलाध्यक्ष को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने हिसाब से जिला कार्यकारिणी में संगठनात्मक और उचित फेरबदल कर सकते हैं।

सर्किट हाउस में वार्ता करते अपना दल के राष्ट्रीय महासचिव केके पटेल।

विश्वविद्यालय का स्पोर्ट्स कैलेंडर जारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- अभी किसी बड़ी प्रतियोगिता की मेजबानी नहीं मिली
- विश्वविद्यालय ने महाविद्यालयों को अलग-अलग खेलों के आयोजन की दी जिम्मेदारी

अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने सत्र 2025-26 का स्पोर्ट्स कैलेंडर जारी कर दिया है। अलग-अलग खेलों की महाविद्यालयों को मेजबानी दी गई है। हालांकि इस बार अब तक विश्वविद्यालय को आल इंडिया और जोनल किसी बड़ी प्रतियोगिता की मेजबानी नहीं मिली है। कुछ खेल बचे हैं, जिनमें भी दूसरे विश्वविद्यालयों को ही जिम्मेदारी मिलने की बात कही जा रही है।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय को पिछले साल ग्रेपलिंग की महिला और पुरुष दोनों वर्ग की आल इंडिया प्रतियोगिता की मेजबानी मिली थी। इससे पहले के सत्र में बास्केटबॉल की महिला और टेबल टेनिस की पुरुष की जोनल प्रतियोगिता की जिम्मेदारी मिली थी। स्पोर्ट्स कैलेंडर के मुताबिक 70 खेलों में से अधिकांश की मेजबानी अलग-अलग महाविद्यालयों को दे दी गई है। इनमें तीरंदाजी की संगठक कॉलेज जीसी बदायूं, एथलेटिक्स की रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बैडमिंटन पुरुष की एसएस कॉलेज शाहजहांपुर, महिला की केजीके कॉलेज मुरादाबाद, बॉल बैडमिंटन की अब्दुल रज्जाक कॉलेज अमरोहा, बेसबॉल की मॉडल पब्लिक स्कूल चंदौसी, बास्केटबॉल की वीसी बिजनौर, बेस्ट फिजिक्स की केजीके मुरादाबाद, बॉक्सिंग की एनएमएसएन दास कॉलेज बदायूं, चेस की वीसी बिजनौर, क्रिकेट पुरुष की महाराजा अग्रसेन कॉलेज बरेली, महिला की जेएस हिंदू कॉलेज अमरोहा, क्रॉस कंट्री की मॉडल पब्लिक स्कूल चंदौसी, फुटबॉल की जीएफ कॉलेज शाहजहांपुर, हैंडबॉल की बरेली कॉलेज, हॉकी पुरुष की जीएफ कॉलेज, कबड्डी की मॉडल पब्लिक स्कूल चंदौसी, करांटे की देवता कॉलेज बिजनौर, खो-खो की अब्दुल रज्जाक कॉलेज अमरोहा, नेटबॉल पुरुष की एमजीएम कॉलेज संभल, महिला की जीएसएच कॉलेज बिजनौर, पॉवर लिफ्टिंग की केजीके कॉलेज मुरादाबाद, सॉफ्टबॉल का मॉडल पब्लिक स्कूल चंदौसी, टेबल टेनिस पुरुष की गंगाशील कॉलेज नवाबगंज, महिला की एसआरएस महिला कॉलेज बरेली, टग ऑफ वार पुरुष की संगठक कॉलेज सहसवान बदायूं, महिला की वाईएमएस कॉलेज अमरोहा, वालीबॉल पुरुष की जेएस हिंदू कॉलेज अमरोहा, महिला की केजीके कॉलेज मुरादाबाद, रेसलिंग की डीसीएम कॉलेज कांठ, वेट लिफ्टिंग की केजीके कॉलेज मुरादाबाद, योगा की एसआरएस महिला कॉलेज बरेली को मेजबानी दी गई है। इसके अलावा एक्वेटिक्स, ग्रैपलिंग, जिम्नास्टिक, हॉकी महिला, जूडो, सेपक टाकरा, शूटिंग, स्क्वॉश, और योगा पुरुष की मेजबानी अभी किसी को नहीं दी गई है।

सिटी डायरी

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य मंच कार्यक्रम आयोजित

बरेली, अमृत विचार : राजकीय हाईस्कूल पालपुर कमालपुर में सीएससी क्यारा के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. सौरभ सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य मंच कार्यक्रम का आयोजन हुआ। डॉ. दीक्षा चौहान और काउंसलर प्रीति शर्मा ने छात्रों को स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी प्रदान की और उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया। रंगोली में कक्षा 9 की पायल, पोस्टर में कक्षा 10 की सोनी वर्मा और नींबू प्रतियोगिता में कक्षा 10 के तौसीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुमन और राम कुंडली का सहयोग रहा। संचालन अपर्णा झा ने किया। प्रधानाध्यापिका अर्चना सिंह ने आभार व्यक्त किया।

मुस्लिम महासम्मेलन 27 को दिल्ली में

बरेली, अमृत विचार : हिंदुस्तानी पसमांदा मंच के प्रदेश महासचिव शारिक अब्बासी के नेतृत्व में सोमवार को चक महमूद में बैठक हुई। शारिक अब्बासी ने बताया कि अखिल भारतीय मुस्लिम महासम्मेलन 27 सितंबर को तालकटोरा इनडोर स्टेडियम दिल्ली में आयोजित होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बैठक में चर्चा कर पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। महानगर अध्यक्ष तारिक कुरैशी, उपाध्यक्ष मोहम्मद हंसीब, महासचिव जहीर अहमद, प्रवक्ता वसीम मियां, नासिर अंसारी, शफातुल्लाह, मोहम्मद आलम, सलाहकार नजीर, साहिल, परवीन वारसी, चांदनी मोहम्मद फुरकान आदि मौजूद रहे।

सुनील खत्री बने युवा प्रदेश अध्यक्ष

बरेली, अमृत विचार : व्यापारी सुनील खत्री को पश्चिमी उत्तर प्रदेश से उद्योग व्यापार मंडल का युवा प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। गाजियाबाद में हुए कार्यक्रम में मनोनीत होने के बाद सोमवार को बरेली लौटने पर उनका स्वागत किया। सुनील खत्री ने बताया कि प्रदेश से युवा व्यापारी पलायन कर रहा है। इसकी मुख्य वजह व्यापारियों का कुछ अधिकारियों द्वारा उत्पीड़न करना है। व्यापारियों से कहा कि कोई भी सब्सिडी या कोई स्कीम में धनराशि लगा रहे हैं तो पूरी तरह से समझ लें। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास गर्ग एवं प्रदेश महामंत्री तिलक राज अरोड़ा का धन्यवाद दिया। स्वागत करने वालों में बरेली महानगर व्यापारी सलाहकार रवि गुप्ता, महानगर अध्यक्ष युवा सत्यम सक्सेना, महानगर प्रभारी नकुल यादव, महानगर युवा वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज देवल, मनोज सक्सेना, गणेश, रामकुमार, प्रदीप सक्सेना, सैयद हैदर, अली जाफरी, सरदार सतनाम, गगन गौरव, शिवकुमार, रामकुमार सक्सेना, रंजीत सिंह, सोनू चौहान, रचित, सचिन शामिल थे।

विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर बनाए मॉडल

बरेली, अमृत विचार : राजकीय हाईस्कूल ताल गौटिया क्यारा में विज्ञान और गणित मेले का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी सृजनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि अमित राघव और प्रधानाध्यापिका प्रीति कुमारी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यार्थियों ने प्रदूषण नियंत्रण, चुम्बकीय विद्युत, वाटर प्यूरिफिकेशन और पवन ऊर्जा जैसे विषयों पर थ्रीडी मॉडल बनाकर प्रतिभा का परिचय दिया। मुख्य अतिथि ने मॉडलों का मूल्यांकन किया और विद्यार्थियों की प्रतिभा को सराहा। प्रधानाचार्य डॉ. सुभाष चंद्र मौर्या, मेला संयोजक पूनम सिंह, राखी, मथुरा प्रसाद वर्मा, धर्मदेव यादव आदि मौजूद रहे।

कार्यालय का ताला तोड़कर लगाई आग

शेरगढ़,अमृत विचार: युवा मंडल विद्यालय के कार्यालय का ताला तोड़कर कुछ अज्ञात लोगों ने उसमें आग लगा दी जिसमें फर्नीचर समेत महत्वपूर्ण अभिलेख जल कर राख हो गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कस्बे के अस्पताल बाईपास तिराहा स्थित युवा मंडल विद्यालय के कार्यालय का ताला तोड़कर कुछ अज्ञात लोगों ने आग लगा दी। इससे महत्वपूर्ण अभिलेखों समेत फर्नीचर राख हो गया। प्रधानाचार्य कल्याण राय श्रीवास्तव ने बताया कि 10 सितंबर को बेंचों में आग लगा दी गई थी जिसमें तमाम बेंचे जल गई थीं।

छात्र-छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

ओजोन दिवस पर प्रतियोगिता में बनाए पोस्टर दिखाते विद्यार्थी। ● अमृत विचार

बरेली, अमृत विचार: ओजोन दिवस के पूर्व दिवस पर बरेली कॉलेज के पर्यावरण विज्ञान विभाग में सोमवार को निबंध लेखन, पोस्टर मेकिंग, भाषण एवं क्विज प्रतियोगिताएं तीन वर्गों में कक्षा 5 से 8 तक, 9 से 12 और स्नातक एवं परास्नातक स्तर तक आयोजित की गई। इनमें शहर के विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के लगभग 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

पोस्टर प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में प्रथम हिमांशी, स्नातक में प्रथम गरिमा शर्मा, परास्नातक में प्रथम अंजलि, द्वितीय अर्चना कुमारी, तृतीय अशी रहीं। निबंध लेखन में स्नातक में प्रथम अग्रिमा तिवारी, परास्नातक में प्रथम मरियम जमीर प्रथम रहे।

भाषण में जूनियर वर्ग में प्रथम प्रत्याक्षी, मध्य वर्ग में प्रथम अतुल्य यादव, परास्नातक में प्रथम ओम शर्मा रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. जसपाल सिंह और संयोजिका डॉ. अनामिका अग्रवाल रहे। प्रतियोगिताओं का संचालन अंजली एवं आफरी जुल्फिकार, मुकेश कुमार, नीरज कुमार, मंजीत सिंह, अभिषेक गौतम प्रदीप राणा, दिनेश कुमार ने किया। प्रतियोगिताओं में डॉ. गौरव भूषण एवं डॉ. निष्ठा सेठ का सहयोग रहा। इन विजेताओं को 16 सितंबर को विचार संगोष्ठी में पुरस्कार दिए जाएंगे। इस दौरान प्रो. एपी सिंह, संयोजिका डॉ. अनामिका अग्रवाल, डॉ. योगेश शर्मा, प्रो. महबूब खां, शैलेश शर्मा, मुकेश यादव आदि मौजूद रहे।

धर्म परिवर्तन कराने का आरोपी भेजा जेल

अलीगंज, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के ग्राम कुंडरिया फैजुल्लापुर में धर्म परिवर्तन कराने का मामला तूल पकड़ गया है। ग्रामीणों की शिकायत और बजरंग दल कार्यकर्ताओं के विरोध के बाद पुलिस ने आरोपी पादरी ब्रज किशोर आर्य को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया।

ग्रामीण हरिशंकर मौर्य पुत्र रामबहादुर मौर्य और भजनलाल वर्मा पुत्र नानुकीलाल वर्मा ने आरोप लगाया कि बीतेनौ महीनों से ब्रज किशोर आर्य डरा-धमकाकर और प्रलोभन देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बना रहा था। इससे गाँव का माहौल तनावपूर्ण हो गया था।

संस्कार भारती का संदेश पहुंचाने को सक्रिय भूमिका निभाएं सदस्य

बरेली, अमृत विचार : संस्कार भारती बरेली महानगर के (ब्रज प्रांत) की प्रांतीय साधारण सभा का आयोजन सोमवार को संघ के केशव कृपा भवन में हुआ। संस्थापक बाबा योगेंद्र के आदर्शों का प्रचार-प्रसार कर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने, कलाकारों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से आयोजित सभा में केंद्रीय, प्रांतीय एवं विभिन्न जनपदों से पदाधिकारी पहुंचे।

सभा में आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचारक पदम, राष्ट्रीय प्रचारक एवं क्षेत्रीय संगठन मंत्री विजय, केंद्रीय सदस्य अनुपम भटनागर, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य आचार्य देवेंद्र देव, आरएसएस ब्रज प्रांत के बौद्धिक प्रमुख नरेन्द्र, प्रांतीय महामंत्री शशांक तिवारी, नवनिर्वाचित महामंत्री नंद नंदन गर्ग, ओम शंकर गर्ग, कुंवर पाल भंवर ने संस्कार भारती के आदर्श, उद्देश्य, दिशा-निर्देश एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की।

प्रांतीय अध्यक्ष संजय गोयल ने सदस्यों को प्रेरणा दी कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि संस्कार भारती का संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुंच सके। जिलों के प्रतिनिधियों ने अनुभव साझा किए। मुख्य द्वार पर प्रिया सक्सेना, दीपशिखा सक्सेना, स्नेहा सक्सेना ने रंगोली बनाई। अतिथियों को सम्मानित किया गया। महानगर अध्यक्ष उपमेंद्र सक्सेना एडवोकेट ने महानगर पदाधिकारियों के सक्रिय सहयोग की सराहना की। महानगर महामंत्री अमन पटेल ने कहा कि यह सभा संस्कार भारती की विचारधारा को समाज के हर कोने तक पहुंचाने का पवित्र प्रयास है। प्रांतीय मंत्री कुलदीप वर्मा, डी प्रसाद, नीलिमा रावत, हिमांशु श्रोत्रिय, भारत सक्सेना, प्रदीप रावत, आरोही रावत, डॉ. रुचि शुक्ला, मंजू रावत, देवेन्द्र रावत, रोहित राकेश, हरदयाल मौर्य, मोहित सक्सेना, संदीप कुमार, भीमसेन राठौर, राजेन्द्र राठौर, उत्तम सिंह, जितेंद्र कुमार, डॉ मुकेश मीत, विशाल मेहरोत्रा आदि मौजूद रहे। संचालन शशांक तिवारी एवं नंद नंदन गर्ग ने किया।

संस्कार भारती के वरिष्ठ पदाधिकारी को सम्मानित करती महानगर की टीम।

- संस्कार भारती ब्रज प्रांत की प्रांतीय साधारण सभा का हुआ आयोजन

ADMISSION OPEN
For Advertisement Contact :-
7906732664
9897885429
8445507002

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी
भोजीपुरा, बरेली BTE CODE - 2143
B.El.Ed. (इंटरमीडिएट के पश्चात 4 वर्षीय बी.टी.सी.) College Code 148
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
BTE CODE-2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानाकार बहेड़ी, बरेली
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

वसूली का वीडियो सामने आने पर दरोगा सिपाही निलंबित, एसएचओ लाइन हाजिर

सहारनपुर, एजेंसी : जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आशीष तिवारी ने थाना चिलकाना क्षेत्र में अवैध खनन एवं वसूली के मामले में एक उप निरीक्षक (दरोगा) तथा एक सिपाही को निलंबित कर दिया जबकि थाना चिलकाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) को लाइन हाजिर किया है।

पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। सहारनपुर के पुलिस अधीक्षक (नगर) व्योम बिंदल ने बताया कि दो दिन पूर्व सोशल मीडिया पर एक वीडियो सार्वजनिक हुआ था, जिसमें पठेड चौकी प्रभारी दारोगा संदीप कुमार और सिपाही सहदेव सिह खनन से भरे डंपर वाहनों से अवैध वसूली कर उसका हिसाब रजिस्टर में लिखते नजर आये थे।

व अदालत उपजिलाधिकारी सदर बरेली।
वाद सं. T-202412130119331 सन

1. रामभरोसे लाल पुत्र श्री मक्खन निवासी कस्बा रिठौरा मो. इन्द्रपुरी मरगना, तहसील व जिला बरेली 2. मुकेश कुमार पुत्र स्व. चन्द्रसेन 3. कमल कुमार पुत्र स्व. चन्द्रसेन 4. डॉ. ब्रजेश कुमार पुत्र स्व. चन्द्रसेन मुद्दई बनाम 1. राजेन्द्र पुत्र मुन्शी लाल 2. श्रीराम पुत्र मुंशी लाल 3. गौरव गुप्ता पुत्र स्व. दिनेश कुमार 4. सुभाष चन्द्र पुत्र राममूर्ति लाल 5. मनोज कुमार पुत्र राममूर्ति लाल 6. राकेश कुमार पुत्र जगदीश प्रसाद 7. कमला पत्नी राजीव कुमार 8. मीनाक्षी गुप्ता पत्नी राजीव कुमार 9. पिन्टू पुत्र शान्ती स्वरूप 10. सुमन गुप्ता पत्नी राम बहादुर 11. राजेश कुमार पुत्र नानकचन्द 12. अनिल कुमार पुत्र नानकचन्द 13. कमलेश कुमार पुत्र नानकचन्द 14. संजीव कुमार पुत्र नानकचन्द 15. ब्रजेश कुमार पुत्र अशोक कुमार 16. सचिन कुमार पुत्र अशोक कुमार 17. विनोद कुमार पुत्र अशोक कुमार 18. प्रियांक गुप्ता पुत्र मनोज कुमार गुप्ता 19. स्वेता गुप्ता पत्नी ब्रजेश कुमार 20. शुभम गुप्ता पत्नी राम बहादुर गुप्ता 21. श्रीमती मधु पत्नी मनोज 22. रिंकी गुप्ता पत्नी राजकुमार गुप्ता 23. हेमा गुप्ता पत्नी नीरज गुप्ता समस्त निवासीगण कस्बा रिठौरा परगना तहसील व जिला बरेली 24. चेयरमैन नगर पंचायत रिठौरा परगना तहसील व जिला बरेली ....मुद्दालय

चूंकि मुसम्मी रामभरोसे लाल ने आपके नाम एक नालिश वास्ते सुनवाई दायर की है लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप बतारीख 22.9.25 अदालतन या मारफत किसी वकील के मुकदमा हाजा से बखूबी वाकिफ हो और जो मुकदमा हाजा को जवाबदेही कर सके मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैर हाजिरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा।

आज बतारीख 15.9.25 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया है।

उपजिलाधिकारी सदर बरेली।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं विनय कुमार अग्रवाल एवं श्री चित्रेश खंडेलवाल के मध्य संपत्ति विक्रय अनुबंध (Agreement to Sale) जो उप-पंजीयक कार्यालय, बरेली में पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 2668, पृष्ठ संख्या 87 से 106 क्रमांक 601 पर पंजीकृत है कि मूल प्रति (Original Document) गुम हो गई है। उक्त सम्पत्ति तत्पश्चात् श्री सुनील कुमार माहेश्वरी एवं श्रीमती शैला माहेश्वरी को विक्रय की जा चुकी है। यदि किसी व्यक्ति को इस सम्बन्ध में मूल दस्तावेज प्राप्त होगा। कोई आपत्ति हो तो कृपया इस विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के भीतर अद्योहस्ताक्षरी से सम्पर्क करें। **सुनील कुमार माहेश्वरी नि. गणपति आवास प्रेमनगर बरेली उ. प्र. मो. 9412197444**

दिन की बजाय रात में होता है एक्टिव, दांतों की बनावट की वजह से पड़ा नाम

पीटीआर में मिला दुर्लभ रेड कोरल कुकरी सांप

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व महज बाघों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं, विलुप्त प्राय और दुर्लभ जीव-जंतुओं के लिए भी विश्व पटल पर जाना जाता है। यहां की पारिस्थितिकी इतनी अनुकूल है कि यहां कई दुर्लभ और विलुप्त हो चुकी प्रजातियां फिर अस्तित्व की ओर लौट रही हैं। हाल ही में पीटीआर के समीप ही बेहद दुर्लभ प्रजाति का नारंगी रंग का सांप देखा गया है। इस सांप की पहचान कोरल रेड कुकरी स्नेक के रूप में की गई है। हालांकि, यह विषहीन है और रात्रिचर प्रजाति का होता है, जो दिन की बजाय रात में सक्रिय रहता है।

• पहली बार 1936 में दुधवा टाइगर रिजर्व में मिली थी मौजूदगी

जनपद में लगातार बारिश के बाद रिहायशी इलाकों में विभिन्न प्रजातियों के सांप देखे जा रहे हैं। इनमें से कुछ सामान्य प्रजातियां हैं, लेकिन कुछ सांप इतने दुर्लभ हैं कि इन्हें देखना अपने आप में एक अनूठा अनुभव है। 12 अगस्त को दोपहर एक ऐसा सांप देखा गया, जो अत्यंत दुर्लभ है। यह सांप पीलीभीत टाइगर रिजर्व की महोफ रेंज के गेट के किनारे खेत में लगे जाल में फंसा देखा गया। ग्रामीणों ने अलग तरह के सांप को देखकर इसकी सूचना नेचुरलिस्ट मोहम्मद कासिम को दी। सूचना मिलते ही मोहम्मद कासिम मौके पर पहुंचे और उसे देखा। सांप को देखकर नेचुरलिस्ट भी हैरान रह गए। हैरानी की वजह यह थी कि सांप बेहद कम दिखने वाला रेड कोरल कुकरी सांप था। दुर्लभ सांप को बिना देर किए रेस्क्यू कर टाइगर रिजर्व मुख्यालय लाया गया। इसकी जानकारी तत्काल पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह को दी गई। जांच के बाद डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह की मौजूदगी में इसे जंगल में छोड़वा दिया है।

दुर्लभ रेड कोरल कुकरी सांप। • अमृत विचार

बेहद दुर्लभ है यह सांप: पीलीभीत टाइगर रिजर्व के बॉयोलॉजिस्ट आलोक कुमार के मुताबिक रेड कोरल कुकरी सांप भारत में अत्यंत दुर्लभ है और इसकी उपस्थिति वन्यजीव विशेषज्ञों के लिए बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसकी प्रजाति को संरक्षित श्रेणी में रखा गया है। विशेषज्ञों की मानें तो इस सांप को पहली बार 1936 में दुधवा नेशनल पार्क में देखा गया था। बॉयोलॉजिस्ट के मुताबिक इसका जूलॉजिकल नाम ओलिगोडोन खेरिएन्सिस है। इसके दांतों की बनावट और नारंगी-लाल रंग के कारण इसे रेड कोरल कुकरी स्नेक के नाम से जाना जाता है।

अमेरिका और चीन के बीच टिकटॉक पर मसौदा समझौता हुआ

वाशिंगटन, एजेंसी: अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने स्पेन में सप्ताहांत व्यापार वार्ता के बाद कहा कि लोकप्रिय सोशल वीडियो प्लेटफॉर्म टिकटॉक के स्वामित्व के लिए चीन और अमेरिका के बीच एक मसौदा समझौता हो गया है।

दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच मैड्रिड में व्यापार वार्ता के नवीनतम दौर के समापन के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में बेसेन्ट ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी प्रधानमंत्री शी चिनफिंग शुक्रवार को इस सौदे को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत करेंगे। इस सौदे का उद्देश्य अमेरिकी स्वामित्व में बदलाव होगा। बेसेंट ने कहा, हम सौदे की व्यावसायिक शर्तों पर बात नहीं करेंगे।

मेरठ में गोकशी का अभियुक्त गिरफ्तार

मेरठ, एजेंसी: जिले में पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गोकशी की घटना में वांछित एक अभियुक्त को गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किया है।

केवल बातचीत से बहलाने का आरोप साबित नहीं होता

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने किशोरी के अपहरण मामले में की सुनवाई

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक किशोरी के कथित अपहरण से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि केवल पीड़िता से बातचीत करना ही ऐसा तथ्य नहीं है, जिसे बहला-फुसलाकर ले जाना माना जाए।

पुलिस द्वारा दाखिल चार्जशीट में अभियोजन ने केवल दो प्रत्यक्षदर्शी गवाहों का नाम दिया है। पहला शिकायतकर्ता स्वयं और दूसरा पीड़िता की माता । इन दोनों ने यह नहीं बताया कि अभियुक्त किस प्रकार पीड़िता को बहलाकर ले गया। केवल किसी से बातचीत करने से अगर पीड़िता घर छोड़ दे, तो वह दंडनीय अपराध नहीं बनता।इसके अलावा कोर्ट ने वर्तमान मामले में अभियुक्त के खिलाफ आईपीसी की धारा 363(अपहरण के लिए दंड)

के तहत दर्ज मुकदमे पर विचार करते हुए उक्त धारा के संबंध में स्पष्ट किया कि धारा 361(अपहरण) तभी प्रभावी होगी, जब नाबालिग को विधिसम्मत अभिभावक की अभिरक्षा से बिना सहमति के बाहर ले जाया जाए अथवा उसे कोई प्रलोभन, वादा, प्रस्ताव या प्रोत्साहन दिया जाए, जिसके फलस्वरूप वह अभिभावकत्व से बाहर चला जाए, लेकिन यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है कि नाबालिग स्वेच्छा और अपने विवेक से अभिभावकत्व छोड़ दे, तो ऐसी परिस्थिति में इस धारा की प्रयोज्यता समाप्त हो जाती है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति विक्रम डी.चौहान की एकलपीठ ने हिमांशु दूबे की याचिका स्वीकार करते हुए पारित किया, जिसमें आवेदक ने आरोप पत्र और पूरी कार्यवाही रद्द करने की मांग की है। मामले के अनुसार गऊरीबाजार थाना क्षेत्र, देवरिया की एक 16 वर्षीय किशोरी को बहलाकर ले जाने के आरोप में याची के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज कराई गई। जांच में सामने आया कि किशोरी ने अपने बयान में कहा है कि वह परिवार वालों की मारपीट और बिजली के झटके देने से परेशान होकर 23 दिसंबर को खुद ही घर छोड़कर बस से सीवान चली गई थी। उसने स्पष्ट किया कि आरोपी ने कोई जबरदस्ती या शारीरिक शोषण नहीं किया। याची के अधिवक्ता का तर्क है कि यह मामला पारिवारिक दबाव का परिणाम है और किशोरी अपनी मर्जी से घर छोड़कर चली गई थी, इसलिए दर्ज मुकदमा निराधार है।

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

यौन शोषण में हरियाणवी अभिनेता उत्तर कुमार गिरफ्तार

संवाददाता, अमरोहा/गाजियाबाद

अमृत विचार: गाजियाबाद पुलिस ने हरियाणवी फ़िल्म अभिनेता उत्तर कुमार को सोमवार तड़के अमरोहा के मंडी धनौरा के फार्म हाउस से गिरफ्तार कर लिया। उत्तर कुमार पर साथ काम करने वाली अभिनेत्री ने यौन शोषण का केस दर्ज कराया था।

उत्तर कुमार।

गाजियाबाद निवासी एक्टर उत्तर कुमार का मंडी धनौरा थाना क्षेत्र के गांव नीलीखेड़ी में फार्म हाउस है। 2020 में उत्तर कुमार के साथ कई एलबम में काम कर चुकी हापुड़ निवासी युवती ने कोर्ट के माध्यम से नोएडा के शालीमार गार्डन थाने में यौन शोषण व जाति सूचक शब्दों के इस्तेमाल के आरोप में केस दर्ज कराया था। पुलिस की कार्यशैली से नाराज होकर 6 सितंबर को पीड़िता ने लखनऊ में आत्मदाह का प्रयास किया था। इसके बाद मामला चर्चा में आने के बाद सोमवार को गाजियाबाद पुलिस ने आरोपी अभिनेता को गिरफ्तार कर लिया। वहीं सीओ अंजली कटारिया ने बताया कि फिल्म अभिनेता की गिरफ्तारी से संबंधित धनौरा थाना पुलिस को कोई सूचना नही दी गई। पुलिस उपायुक्त (ट्रांस-हिंडन क्षेत्र) निमिष पाटिल ने बताया कि 25 वर्षीया एक महिला गायिका ने 18 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कुमार ने एक जनवरी 2020 से 31 जुलाई 2023 तक शादी करने और फिल्म में काम दिलाने के बहाने उसका यौन शोषण किया। गिरफ्तारी के कुछ ही देर बाद कुमार को तबीयत खराब होने पर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों द्वारा उनकी फिटनेस रिपोर्ट जारी किये जाने के बाद उन्हें फिर से हिरासत में लिया जाएगा। कुमार के खिलाफ दर्ज मुकदमे के मुताबिक कुमार ने कथित तौर पर पीड़िता को गाजियाबाद स्थित अपने कार्यालय और अमरोहा जिले के मंडी धनौरा के फार्महाउस पर बुलाया और उस पर शराब पीने और फिल्म निर्माताओं से मिलने का दबाव डाला।

कार्यालय नजारत अनुभाग, जनपद न्यायालय, बदायूँ।

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद न्यायालय, बदायूँ परिसर में नीम के एक पेड़ की नीलामी की जानी है, जिनका विवरण निम्नवत् है–

क्र.सं.	प्रजाति	वृक्षों की संख्या	आयतन घं0मी0 में	मूल्यांकन रू0 में
01	नीम (जनपद न्यायालय परिसर में)	01	3.732	9000/–

उपरोक्त सारणी में दिये गये पेड़ की नीलामी दिनांक 16/09/2025 को सायं 4:30 बजे केन्द्रीय सभागार जनपद न्यायालय बदायूँ में की जायेगी। इस सम्बंध में जो भी व्यक्ति अथवा फर्म इस नीलामी में भाग लेना चहता है तो उपरोक्त दिनांक समय व स्थान पर आकर नीलामी में बोली लगा सकते है। नीलामी को स्वीकृत करने अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार केवल माननीय जनपद न्यायाधीश, बदायूँ को ही होगा। इस सम्बंध में अधिक जानकारी करना चाहे तो किसी भी कार्यदिवस में केन्द्रीय नजारत से प्राप्त की जा सकती है।

नीलामी की शर्ते निम्नवत है:–

1. नीलामी बोली बोलने वाले व्यक्ति को बोली बोलने से पहले अंकन 2000/–रू0 केन्द्रीय नजारत में जमा करना होगा, तभी उसको बोली लगाने का अधिकार होगा।
2. बोली समाप्त होने पर सबसे अधिक बोली बोलने वाले व्यक्ति को बोली की सम्पूर्ण धनराशि तुरन्त जमा करना होगा।
3. उक्त उल्लेखित वृक्ष की नीलामी बोली प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग द्वारा दिये गये कुल अंकित मूल्य अंकन 2000/– रुपये के लिए प्रारम्भ होगी।
4. सम्पूर्ण धनराशि जमा होने पर ही उक्त पेड़ की लकड़ी उठाने का अधिकारी होगा।
5. खरीदी हुई लकड़ी के परिवहन अथवा अनुमति सम्बंधित अथवा परमिट आदि की समस्त औपचारिकताओं का दायित्व खरीददार का होगा।

(सुयश प्रकाश श्रीवास्तव)
अध्यक्ष, नीलामी समिति/
विशेष न्यायाधीश एस.सी./एस.टी.
(पी.ए.) एक्ट, बदायूँ।

UP-237747 दिनांक 15.09.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कानपुर में रेडियोलॉजी छात्रा ने छात्रावास में आत्महत्या की

कानपुर, एजेंसी

कानपुर नगर पुलिस आयुक्तालय के काकादेव थाना क्षेत्र में एक रेडियोलॉजी छात्रा ने अपने निजी छात्रावास के कमरे में कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्वरूप नगर के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) आईपी सिंह ने बताया कि छात्रावास के कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

सिंह ने बताया कि पीड़िता की पहचान पलक (19) के रूप में हुई है, जो छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) में बैचलर इन मेडिसिनल रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग टेक्निक्स (बीएमआरआईटी) प्रथम वर्ष की छात्रा थी। सूत्रों के मुताबिक वह चिंता और अवसाद का उपचार करा रही थी। छात्रावास आर्य नगर से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अमिताभ बाजपेयी का है। एसीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि लड़की अवसाद और चिंता से जूझ रही थी और यह उसके इस कदम के पीछे एक कारण हो सकता है। पीड़िता की छोटी बहन दीप्ति ने पुलिस के सामने बताया कि पलक ने रविवार को उसे और उसकी रूममेट को दवाइयां खरीदने के लिए भेजा और फिर छत के हुक से फांसी लगा ली। दीप्ति ने बताया कि जब हम वापस लौटे, तो कमरा अंदर से बंद था और कॉल का कोई जवाब नहीं आया। हॉस्टल के निवासियों और कर्मचारियों ने शोर मचाया और पुलिस को भी सूचित किया गया। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में दरवाज़ा तोड़ा गया तो पलक अंदर फंदे से लटकी हुई थी।

दीपोत्सव: 2100 आचार्य करेंगे महाआरती

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: रामनगरी में इस वर्ष होने वाले दीपोत्सव में न केवल वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जाएगा। बल्कि सरयू के पुल से लेकर लक्ष्मण घाट तक लगभग एक किलोमीटर लंबे घाट को रंग-बिरंगे लाइटों और फूलों से सजाया जाएगा। घाट पर 2100 वैदिक आचार्य व समाज के वरिष्ठजन महाआरती कर नया रिकॉर्ड बनाएंगे। आध्यात्मिक और परंपराओं के भी अद्भुत दर्शन होंगे। राम की पैड़ी पर 28 लाख दिए बिछाए जाने की तैयारी है।

योगी सरकार अयोध्या में होने वाले दीपोत्सव कार्यक्रम में भव्यता के नए प्रतिमान स्थापित करने जा रही है। जिसके लिए 17 से 19 अक्टूबर के मध्य भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन प्रस्तावित है। राम की पैड़ी पर इस बार 26 लाख दीप जलाकर विश्व रिकॉर्ड बनाए जाने के लिए 32000 स्वयंसेवक लगाए जायेंगे।

आयुक्त सभागार में बैठक करते मंडलायुक्त राजेश कुमार, आईजी प्रवीण कुमार जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर। अमृत विचार

• राम की पैड़ी पर 32000 स्वयंसेवक बिछाएंगे 28 लाख दीपक

मंडलायुक्त राजेश कुमार ने बताया कि दीपोत्सव पर इस बार बहुत ही भव्य तरीके से मनाए जाने का निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं। इसकी तैयारी की जा रही हैं। इस बार पिछले वर्ष से अधिक दीप जलाए जाएंगे और सरयू आरती में पिछले वर्ष 1100 की जगह इस बार 2100 को शामिल करने का प्रयास है। सभी कार्यदायी संस्थाएं 30 सितंबर तक निर्माण के सभी काम पूरे कराएं। विभागों के नोडल अफसर दीपोत्सव की तैयारियों की साप्ताहिक समीक्षा करें। ये निर्देश सोमवार को मंडलायुक्त राजेश कुमार ने दिये।वह आयुक्त कार्यालय सभाकक्ष में दीपोत्सव 2025 की समीक्षा कर रहे थे। उनके साथ पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार भी शामिल थे। मंडलायुक्त ने कहा कि दीपोत्सव मेले को भव्य, दिव्य एवं विश्व स्तरीय आकर्षक बनाने के लिए सभी अधिकारी अपने दायित्वों को समय से पूर्ण करें। जिला प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें। कहीं समस्या आती है तो उच्च अधिकारियों को अवगत करा कर समाधान कराएं।

MIRAE ASSET
Mutual Fund

In order to impart an insight on mutual fund, to educate and create awareness among the investors about the financial market, Mirae Asset Mutual Fund undertakes numerous events and activities at various places across the country and in number of ways such as conducting Investor Awareness Programs (IAPs) / seminars, contents on investor awareness in print media (newspapers, magazines etc.) and programs on Mutual Funds in electronic media (TVs, radios etc.).

In this regard, please see below schedule of upcoming IAP:

Date	Time	Address
September 19, 2025	06:00 P.M.	The Manor Bareilly Hotel, 209, Station Road, Civil Lines, Bareilly, Uttar Pradesh - 243 001.

MIRAE ASSET MUTUAL FUND (Investment Manager: Mirae Asset Investment Managers (India) Private Limited. CIN - U65990MH2019PTC324625)
Registered & Corporate Office: 606, 6th Floor, Windsor Building, Off CST Road, Kalina, Santacruz (E), Mumbai - 400098. ☎ 1800 2090 777 (Toll free), ✉ customercare@miraeasset.com www.miraeassetmf.co.in

Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

कार्यालय ग्राम पंचायत-सहाबर शाह, वि.खं. आसफपुर (बदायू)

अल्पकालीन निविदा सूचना दिनांकः– 16.09.2025

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0)/RGSA/केन्द्र वित आयोग/राज्य वित्त आयोग/मनरेगा योजना आदि के अभिसरन से शासन से प्राप्त धनराशि के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2025–26 ग्राम पंचायत समिति द्वारा तैयार व ग्राम सभा द्वारा पारित/अनुमोदन कार्ययोजना के सापेक्ष अनुसार निम्न कार्य कराया जाना है।

क्र0सं0	कार्य का नाम	अनु0 लागात
1	प्राथमिक विद्यालय कायाकल्प कार्य	प्राकलन अनुसार
2	सचिवालय कायाकल्प सौन्दर्यकरण कार्य	प्राकलन अनुसार
3	ऑगनबाडी केन्द्र कायाकल्प कार्य एवं लर्निंग लेब व सौन्दर्यकरण कार्य	प्राकलन अनुसार
4	ग्रा0पं0 में विभिन्न स्थानों पर हैण्डपम्प मरम्मत कार्य	प्राकलन अनुसार
5	ग्रा0पं0 में विभिन्न स्थानों पर रिबोर कार्य	प्राकलन अनुसार
6	ग्रा0पं0 में नाली/नाला सफाई कार्य	प्राकलन अनुसार
7	ग्रा0पं0 में विभिन्न स्थानों पर साफ–सफाई कार्य	प्राकलन अनुसार
8	ग्रा0पं0 में पप्पू के घर से जसवीर के घर तक इण्टरलॉकिंग/सी0सी0/नाली निर्माण कार्य	प्राकलन अनुसार
9	ग्रा0पं0 में बलधारी के घर से मैन रोड तक इण्टरलॉकिंग/सी0सी0/नाली निर्माण कार्य	प्राकलन अनुसार
10	ग्रा0पं0 में पीताम्बर के घर से सोमपाल की दुकान तक इण्टरलॉकिंग/सी0सी0/नाली निर्माण कार्य	प्राकलन अनुसार
11	ग्रा0पं0 में धीर सिंह के घर से जसवीर के घर तक इण्टरलॉकिंग/सी0सी0/नाली निर्माण कार्य	प्राकलन अनुसार
12	ग्रा0पं0 में पूरन के घर से जसवीर मैन रोड तक इण्टरलॉकिंग/सी0सी0/नाली निर्माण कार्य	प्राकलन अनुसार
13	ग्रा0पं0 में नाली मरम्मत व निर्माण कार्य	प्राकलन अनुसार
14	ग्रा0पं0 में विभिन्न स्थानों पर नालियों पर जाल मरम्मत व निर्माण कार्य	प्राकलन अनुसार
15	सामुदायिक शौचालय पर सौन्दर्यकरण कार्य	प्राकलन अनुसार
16	प्रशासनिक व्यय	प्राकलन अनुसार
17	जलभराव निस्तारण हेतु ग्रा0पं0 में विभिन्न स्थानों पर मिटटी भराव कार्य	प्राकलन अनुसार

उपरोक्त समस्त कार्यों हेतु प्राक्कलन में दी गई सामग्री एवं मात्रा अनुसार सीमेंट, बजरफुट, गंगा रेता, पत्थर 20 एमएम, पत्थर 25–50 एमएम, ईंट प्रथम, ईंट बलदार, ईंट टुकडा, मिटटी, पर्सेलोथीन, ईंट सीमेन्ट, हैण्डपम्प रिबर एवं मरम्मत सामग्री (यथा चैन, सरिया, पाइप, हत्था, सिलेंडर, चेक वाल्व आदि) गाटर, चादर, टीन, जाली, पिलर पाइप, पर्लिन पाइप, पेंटिग सामग्री (यथा डिस्टेम्पर वार्निश) चूना, सफेद सीमेंट, कूलर, पुटटी समोसम आदि) सफाई उपकरण, कूडा गाडी क्रय, कूडा गाडी मरम्मत सामग्री, डेस्कटॉप, प्रिन्टर, इन्वर्टर, सीसीटीवी कैमरे, कूडादान, ऑफिस, वृक्षारोपण, टाइल्स, ग्रेनाइट पत्थर, वाशबेसिन, पानी टंकी फिटिंग आईटम, सोलर, लाइट, पी0पी0ई0 किट, मास्क, वाटर कूलर, आर वाटर आंगनबाडी केन्द्र हेतु फर्नीचर, ओपन जिम सामग्री, फॉगिंग मशीन, स्प्रे मशीन, प्राइमरी विद्यालय हेतु फर्नीचर, उच्च प्राथमिक विद्यालय हेतु फर्नीचर, सचिवालय हेतु फर्नीचर, उक्त सामग्री आपूर्ति हेतु निविदाएं दिनांक 23–09–2025 को 03:00 बजे तक सीलबन्द लिफाफे में जमा की जा सकती है। प्राक्कलन मात्रा सामग्री प्रकार के बारे में किसी भी कार्यदिवस में पंचायत कार्यालय प्रधान/सचिव से जानकारी प्राप्त की जा सकती है व निविदाएं अंतिम तिथि को 04:00 बजे प्रधान/सचिव एवं फर्म प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएगी। समस्त अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित हैं।

विनीत चौधरीः– ग्राम पंचायत सचिव **रामश्री :–ग्राम प्रधान**

कार्यालय ग्राम पंचायत-मोहकमपुर, वि.खं. आसफपुर (बदायू)

अल्पकालीन निविदा सूचना दिनांकः– 16.09.2025

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0)/RGSA/केन्द्र वित आयोग/राज्य वित्त आयोग/मनरेगा योजना आदि के अभिसरन से शासन से प्राप्त धनराशि के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2025–26 ग्राम पंचायत समिति द्वारा तैयार व ग्राम सभा द्वारा पारित/अनुमोदन कार्ययोजना के सापेक्ष अनुसार निम्न कार्य कराया जाना है।

क्र0सं0	कार्य का नाम	अनु0 लागात
1	प्राथमिक विद्यालय कायाकल्प कार्य	प्राकलन अनुसार
2	सचिवालय कायाकल्प सौन्दर्यकरण कार्य	प्राकलन अनुसार
3	ऑगनबाडी केन्द्र कायाकल्प कार्य एवं लर्निंग लेब व सौन्दर्यकरण कार्य	प्राकलन अनुसार
4	ग्रा0पं0 में विभिन्न स्थानों पर हैण्डपम्प मरम्मत कार्य	प्राकलन अनुसार
5	ग्रा0पं0 में विभिन्न स्थानों पर रिबोर कार्य	प्राकलन अनुसार
6	ग्रा0पं0 में नाली/नाला सफाई कार्य	प्राकलन अनुसार
7	ग्रा0पं0 में जसपाल के घर से दिनेश के घर तक इण्टरलॉकिंग/सी0सी0/नाली निर्माण कार्य	प्राकलन अनुसार
8	ग्रा0पं0 में सत्यपाल के घर से लटूरी के घर तक इण्टरलॉकिंग/सी0सी0/नाली निर्माण कार्य	प्राकलन अनुसार
9	ग्रा0पं0 में ओमपाल के घर से सत्यपाल के घर तक इण्टरलॉकिंग/सी0सी0/नाली निर्माण कार्य	प्राकलन अनुसार
10	जलभराव निस्तारण हेतु ग्रा0पं0 में विभिन्न स्थानों पर मिटटी भराव कार्य	प्राकलन अनुसार
11	ग्रा0पं0 में नाली/नाला मरम्मत व निर्माण कार्य	प्राकलन अनुसार
12	ग्रा0पं0 में सी0सी0 मरम्मत व निर्माण कार्य	प्राकलन अनुसार
13	ग्रा0पं0 में विभिन्न स्थानों पर नालियों पर जाल मरम्मत व निर्माण कार्य	प्राकलन अनुसार
14	सामुदायिक शौचालय पर सौन्दर्यकरण कार्य	प्राकलन अनुसार
15	प्रशासनिक व्यय	प्राकलन अनुसार

उपरोक्त समस्त कार्यों हेतु प्राक्कलन में दी गई सामग्री एवं मात्रा अनुसार सीमेंट, बजरफुट, गंगा रेता, पत्थर 20 एमएम, पत्थर 25–50 एमएम, ईंट प्रथम, ईंट बलदार, ईंट टुकडा, मिटटी, पर्सेलोथीन, ईंट सीमेन्ट, हैण्डपम्प रिबर एवं मरम्मत सामग्री (यथा चैन, सरिया, पाइप, हत्था, सिलेंडर, चेक वाल्व आदि) गाटर, चादर, टीन, जाली, पिलर पाइप, पर्लिन पाइप, पेंटिग सामग्री (यथा डिस्टेम्पर वार्निश) चूना, सफेद सीमेंट, कूलर, पुटटी समोसम आदि) सफाई उपकरण, कूडा गाडी क्रय, कूडा गाडी मरम्मत सामग्री, डेस्कटॉप, प्रिन्टर, इन्वर्टर, सीसीटीवी कैमरे, कूडादान, ऑफिस, वृक्षारोपण, टाइल्स, ग्रेनाइट पत्थर, वाशबेसिन, पानी टंकी फिटिंग आईटम, सोलर, लाइट, पी0पी0ई0 किट, मास्क, वाटर कूलर, आर वाटर आंगनबाडी केन्द्र हेतु फर्नीचर, ओपन जिम सामग्री, फॉगिंग मशीन, स्प्रे मशीन, प्राइमरी विद्यालय हेतु फर्नीचर, उच्च प्राथमिक विद्यालय हेतु फर्नीचर, सचिवालय हेतु फर्नीचर, उक्त सामग्री आपूर्ति हेतु निविदाएं दिनांक 20–09–2025 को 03:00 बजे तक सीलबन्द लिफाफे में जमा की जा सकती है। प्राक्कलन मात्रा सामग्री प्रकार के बारे में किसी भी कार्यदिवस में पंचायत कार्यालय प्रधान/सचिव से जानकारी प्राप्त की जा सकती है व निविदाएं अंतिम तिथि को 04:00 बजे प्रधान/सचिव एवं फर्म प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएगी। समस्त अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित हैं।

विनीत चौधरीः– ग्राम पंचायत सचिव **सुमेघा यादव :–ग्राम प्रधान**

बस के ट्रक से टकरा जाने से चार लोगों की मौत

जौनपुर, एजेंसी : जिले में सोमवार सुबह एक बस के एक ट्रक से टकरा जाने की घटना में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, दुर्घटना सोमवार सुबह करीब पांच बजे हुई, जब अयोध्या से वाराणसी जा रही पर्यटक बस के चालक ने नियंत्रण खो दिया और बस एक ट्रक से टकरा गई। पुलिस के अनुसार इस हादसे में चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जौनपुर के पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने बताया कि यह घटना लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सीहीपुर गांव में हुई, बस में छत्तीसगढ़ के श्रद्धालु सवार थे। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के समय बस में करीब 50 लोग थे।

जियाउर्रहमान को नहीं पसंद आई संभल में एटीएस यूनिट

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क को प्रदेश सरकार द्वारा संभल में एटीएस यूनिट स्थापित करने को फैसला पसंद नहीं आया। कहा कि संभल में एटीएस की जरूरत नहीं है। यहां यूनिवर्सिटी,अच्छे मेडिकल कालेज व उद्योग लगाये जाने की जरूरत है ताकि बच्चे पढ़ें और उन्हें रोजगार मिले।

जियाउर्रहमान बर्क।

सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कहा कि बीजेपी की सरकार यह कहती है कि हम संभल के लोगों का सम्मान करते हैं। अगर सरकार संभल में यूनिवर्सिटी खोलेगी तो ऐसा थोड़े ही है कि मुस्लिम समाज के ही बच्चे उसमें पढ़ेंगे। मुसलमानों से सरकार को चिढ़ हो सकती है, लेकिन यह सोचना चाहिए कि जो हिन्दू समाज के बच्चे यहां रह रहे हैं उनका भी भविष्य सुधरेगा। संभल में सब लोग बिना किसी डर के और बिना किसी गलत संगत में पड़े अपने काम को अंजाम दे रहे हैं। तो बेहतर यही होगा कि संभल के विकास के सिलसिले में तमाम उन बुनियादी चीजों पर सरकार का फोकस होना चाहिए जिसकी जनता की जरूरत है।

सांसद बर्क ने कहा कि आरोप लगाने में और साबित होने में फर्क होता है। मैं अभी भी कहता हूं कि मुस्लिम समाज के लोग संभल ही नहीं पूरे हिंदुस्तान और पूरी दुनिया में आतंकवादी नहीं हैं। जो आतंकवादी हैं वह मुसलमान नहीं है। लगातार मुसलमान को टारगेट करके, पूरी कौम को बदनाम करना गलत है। मुस्लिम समाज ने अपने देश के लिए जान की कुर्बानी दी है। कब्रिस्तान की जगह पर एटीएस कार्यालय बनाए जाने को लेकर सांसद बर्क ने कहा कि कब्रिस्तान को छेडा जा रहा है, बेहुरमती की जा रही है यह चीज गलत है।

नेशनल ब्रीफ

वीजा फर्जीवाड़ा में चार अफ्रीकी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के बुराड़ी में अफ्रीका के चार नागरिकों को नियत समय से ज्यादा देश में रहने के लिए वीजा फर्जीवाड़ा करने और नकली सोशल मीडिया प्रोफाइल का उपयोग करके भारतीयों को ऑनलाइन धोखाधड़ी के माध्यम से ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने यूरोप के लोगों की नकली सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाई और सीमा शुल्क विभाग में फंसे सामान की कहानियां रचकर पीड़ितों को फंसाया। उन्होंने पीड़ितों को बैंक खातों में पैसा स्थानांतरित करने के लिए भी राजी किया। पुलिस के अनुसार, चोरी की गई रकम एटीएम के माध्यम से निकाली गई या फिर सुराग छिपाने के लिए कई खातों के माध्यम से धनशोधन किया गया।

चैतन्य बघेल की अग्रिम जमानत याचिका रद्द

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को एक और झटका देते हुए उसकी अग्रिम जमानत की याचिका सोमवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति अरविंद वर्मा ने इस मामले की सुनवाई के बाद याचिकाकर्ता को निचली अदालत में आवेदन करने की अनुमति दी। चैतन्य ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो व आर्थिक अपराध शाखा की गिरफ्तारी की आशंका को लेकर अग्रिम जमानत की याचिका दाखिल की थी। चैतन्य की हाई कोर्ट में पेशी हुई जिसमें उन्हें जमानत नहीं मिली। जमानत के लिए जो अर्जी लगाई गई थी अदालत ने सुनवाई करते हुए सेशन कोर्ट में आवेदन लगाने के लिए कहा है।

दुष्कर्म के दोषी को मृत्युपर्यंत कारावास

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा की यौन अपराध बाल संरक्षण (पोक्सो) न्यायालय ने एक बालिका के अपहरण और दुष्कर्म के दोषी को सोमवार को मृत्युपर्यंत कारावास की सजा सुनाई। विशेष न्यायाधीश (पोक्सो एक) बालकृष्ण मिश्र ने मामले की सुनवाई के बाद अभियुक्त नारायण नाथ कालबेलिया को दोषी करार देते हुए उस पर एक लाख 68 हजार 500 रुपये का जुर्माना भी किया। अभियोजन के अनुसार जून 2022 में काछोला थाना क्षेत्र में परिवादी अपने खेत बने मकान में परिवार के साथ सो रहा था उसी दौरान दो लोग आये और उससे और उसकी पत्नी के साथ मारपीट करके उनकी नाबालिग बेटी को जबरन ले गये और उससे दुष्कर्म किया।

धर्मांतरण : सिद्दारमैया के बयान पर विवाद

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया की धर्मांतरण पर हालिया टिप्पणी ने राज्य में एक तीखी राजनीतिक बहस छेड़ दी है, जिसमें जाति, धर्म और समानता के संवेदनशील संबंध पर बात कही गई है। एक सार्वजनिक बयान में सिद्दारमैया ने कहा कि धर्मांतरण एक व्यक्ति का अधिकार है और सवाल किया कि अगर हिंदू समाज में वास्तव में समानता है तो धर्मांतरण क्यों होता है। इस टिप्पणी पर तुरंत कई राजनीतिक हलकों से प्रतिक्रियाएं आईं। विपक्ष के नेता आर अशोक ने जातिगत भेदभाव के अस्तित्व को स्वीकार करते हुए अन्य धर्मों में कट्टरपंथी प्रथाओं की अनदेखी करने की मुख्यमंत्री की आलोचना की।

रैगिंग, यौन उत्पीड़न, जातिगत पूर्वाग्रह से निपटने के लिए नियम बनाए यूजीसी

शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्याएं रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने दिया निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को निर्देश दिया कि वह मसौदा नियम तैयार करते समय उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या को रोकने के लिए रैगिंग, यौन उत्पीड़न और जाति, लिंग, दिव्यांगता तथा अन्य पूर्वाग्रहों के आधार पर भेदभाव से निपटने के सुझावों पर विचार करे।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से दो महीने के भीतर सुझावों पर विचार करने को कहा है। पीठ ने रोहित वेमुला और पायल तड़वी की माताओं के सुझावों पर भी विचार करने को कहा है, जिन्होंने अपने-अपने परिसरों में जाति आधारित भेदभाव का सामना करने के बाद कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मसौदा नियम प्रकाशित किए गए थे और एक विशेषज्ञ समिति ने प्राप्त 300 से अधिक आपत्तियों की पड़ताल की थी।

उन्होंने कहा, विशेषज्ञ समिति ने आपत्तियों की पड़ताल के बाद यूजीसी से मसौदा नियमों में कुछ संशोधन करने को कहा है। यूजीसी वर्तमान में विशेषज्ञ समिति की उन सिफारिशों की जांच कर रही है। संबंधित माताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने कहा कि वे चाहती हैं कि यूजीसी उनके सुझावों पर विचार करे, ताकि किसी और की जान न जाए। शीर्ष अदालत ने यूजीसी को आठ सप्ताह के भीतर सुझावों पर विचार करने का निर्देश दिया।

- **जाति भेदभाव के कारण जान देने वाले रोहित वेमुला और पायल की माताओं के सुझावों पर भी विचार करें**

एसआईटी ने वनतारा को जांच कर क्लीन चिट दी

नई दिल्ली। वनतारा से जुड़े मामलों की जांच कर रही एसआईटी ने गुजरात के जामनगर स्थित इस प्राणी बचाव एवं पुनर्वास केंद्र को क्लीन चिट दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस जांच दल का गठन किया था। न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लिया और कहा कि अधिकारियों ने वनतारा में अनुपालन और नियामक उपायों के मुद्दे पर संतोष व्यक्त किया है।

थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की निगरानी एआई के जरिए की जाए सुनिश्चित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि देश भर के पुलिस थानों में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की फीड की निगरानी के लिए बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के नियंत्रण कक्ष होना चाहिए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी से संबंधित स्वत: संज्ञान वाले मामले में वह 26 सितंबर को आदेश सुनाएगी।

न्यायमूर्ति मेहता ने कहा, हम एक ऐसे नियंत्रण कक्ष के बारे में सोच रहे थे जिसमें कोई मानवीय हस्तक्षेप न हो। इसलिए सभी फीड नियंत्रण कक्ष को उपलब्ध कराए जाएं और अगर कोई कैमरा बंद हो जाए, तो तुरंत सूचना मिल जाए। इस समस्या से निपटने का यही तरीका है। इसके अलावा और कोई रास्ता नहीं है। पीठ ने कहा कि संभवत: किसी स्वतंत्र एजेंसी द्वारा हर थाने का निरीक्षण होना चाहिए। उसने कहा, हम कुछ आईआईटी को शामिल करने के बारे में सोच सकते हैं, जो हमें एक समाधान, एक सॉफ्टवेयर प्रदान करें, जिसके द्वारा प्रत्येक सीसीटीवी फीड की निगरानी एक विशेष स्थान पर की जाए और यहां तक कि निगरानी भी मानव द्वारा नहीं, बल्कि एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) द्वारा की जाए। पीठ ने कहा कि यदि कोई कैमरा बंद हो जाता है तो इसकी तत्काल सूचना संबंधित विधिक सेवा प्राधिकरण या निरीक्षण एजेंसी को दी जा सकती है।

- **थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी के मामले में 26 को सुनाएगा फैसला**

केंद्र की जांच एजेंसियों ने भी नहीं किया कोर्ट के आदेश का पालन

पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे की दलीलें भी सुनीं, जिन्हें एक अलग मामले में न्यायमित्र नियुक्त किया गया था, जिसमें शीर्ष अदालत ने दिसंबर 2020 में एक आदेश पारित किया था। अपने आदेश में शीर्ष अदालत ने केंद्र को सीबीआई, ईडी और एनआईए सहित सभी जांच एजेंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे और रिकॉर्डिंग उपकरण लगाने का निर्देश दिया था। सोमवार को दवे ने एक 'स्पष्ट तथ्य' का उल्लेख किया और कहा कि केंद्र, जिसके पास कम से कम तीन से चार जांच एजेंसियां हैं, ने उच्चतम न्यायालय के निर्देश का पालन नहीं किया। उन्होंने कहा कि एनआईए, ईडी और सीबीआई में से किसी भी एजेंसी ने निर्देश का पालन नहीं किया। हालांकि, दवे ने कहा कि कुछ राज्यों ने दिसंबर 2020 के निर्देश का पालन किया था जिसमें उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा गया था कि प्रत्येक थाने में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं।

स्कूल में शिक्षकों की कमी के मुद्दे पर छात्राओं ने किया 65 किमी पैदल मार्च

ईटानगर, एजेंसी

- **अरुणाचल प्रदेश का मामला, रात भर पैदल चलकर सुबह पहुंचीं जिला मुख्यालय**

अरुणाचल प्रदेश के पक्के केसांग जिले के नांगन्यो स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की कम से कम 90 छात्राओं ने अपने संस्थान में शिक्षकों की भारी कमी को उजागर करने के लिए लगभग 65 किलोमीटर तक मार्च किया।

एक अधिकारी के मुताबिक छात्राएं अपनी नीली स्कूल यूनिफॉर्म में रविवार को नांगन्यो गांव से पैदल मार्च पर निकलीं, पूरी रात चलीं और आज सुबह जिला मुख्यालय लेम्मी पहुंचीं। रात और सुबह के उनके मार्च के वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर सामने आए। ग्यारहवी और बारहवीं कक्षा की छात्राओं के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने भूगोल और राजनीति विज्ञान में शिक्षकों की तत्काल नियुक्ति की मांग की।

छात्राएं पोस्टर लिए हुए थीं जिन पर लिखा था, बिना शिक्षक वाला स्कूल बस एक इमारत है। उन्होंने अपनी मांग के समर्थन में नारे भी लगाए। एक अधिकारी के अनुसार, स्कूल शिक्षा विभाग ने रैली के बाद शिक्षकों की भर्ती की। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि उनके पास कोई विकल्प नहीं बचा है, क्योंकि इन विषयों के अध्यापकों के लिए उनकी बार-बार अपील पर स्कूल और उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने कोई जवाब नहीं दिया।

पक्के केसांग स्कूल शिक्षा उपनिदेशक (डीडीएसई) दीपक तायेंग ने कहा, छात्राएं स्कूल में शिक्षकों की भारी कमी का विरोध कर रही थीं। स्कूल की प्रधानाध्यापिका ने स्वीकार किया कि भूगोल और राजनीति विज्ञान के अध्यापकों की कमी है, लेकिन शेष विषयों के लिए पर्याप्त शिक्षक हैं। उन्होंने कहा कि अर्धवार्षिक परीक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम पहले ही पूरा हो चुका है। वर्ष 2011-12 में स्थापित इस स्कूल का प्रबंधन एक गैर सरकारी संगठन द्वारा किया जा रहा है और इसका उद्देश्य शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में वंचित समुदायों की लड़कियों को शिक्षा प्रदान करना है। वर्तमान में स्कूल में 90 से अधिक छात्राएं हैं।

ओडिशा: पुरी में समुद्र तट के पास छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म

भुवनेश्वर। ओडिशा के पुरी जिले में एक समुद्र तट के पास 19 वर्षीय एक कॉलेज छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

घटना में शामिल अन्य लोगों की तलाश शुरू कर दी गई है। यह घटना ब्रह्मगिरि थाना क्षेत्र में बलिहारचंडी मंदिर के पास दोपहर के समय हुई, जब युवती और उसका पुरुष साथी मंदिर के पास एक जगह गए थे। स्थानीय युवकों के एक समूह ने उन दोनों के वीडियो बना लिए तथा उनसे पैसे मांगे। पुरी के एसपी प्रतीक सिंह ने पीड़िता द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया, पैसे देने से इन्कार करने पर दो लोगों ने छात्रा के साथ बलात्कार किया। अन्य सदस्यों ने इससे पहले पीड़िता के पुरुष साथी के हाथ बांध दिए थे।

पंजाब में 385 करोड़ रुपये का फर्जी बिलिंग घोटाला

चंडीगढ़। पंजाब के आबकारी एवं कराधान मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने सोमवार को कहा कि उनके विभाग ने 385 करोड़ रुपये के फर्जी लेनदेन से जुड़े घोटाले में कथित संलिप्तता के सिलसिले में सात व्यक्तियों के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की हैं। उन्होंने बताया कि इसमें 69 करोड़ रुपये से अधिक की कर चोरी हुई है।

चीमा ने कहा कि 12 सितंबर को एक कंपनी और उसके दो निदेशकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच में फर्जी कंपनियों के एक जटिल नेटवर्क का पता चला, जिसमें दो और कंपनियां शामिल थीं। ये बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की गतिविधियों और इनपुट टैक्स क्रेडिट के गलत दावे में लिप्त थीं। चीमा ने कहा, घोषित व्यावसायिक स्थानों के भौतिक सत्यापन से पता चला कि वे या तो बंद थे या अस्तित्व में नहीं थे, जिससे उनके संचालन की धोखाधड़ी की प्रकृति की पुष्टि हुई। कंपनी पर 310 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी वाले लेनदेन का आरोप है, जिसके परिणामस्वरूप 55.93 करोड़ रुपये की कर चोरी हुई। उन्होंने कहा कि इस मामले में फतेहगढ़ साहिब के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के पास प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

- **आबकारी विभाग का मामला सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट**

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम के दायरे में राजनीतिक दलों को लाने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 'कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013' के दायरे में राजनीतिक दलों को लाने की याचिका सोमवार को खारिज कर दी।

सीजेआई बीआर गवई और न्यायाधीश न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने कहा कि दलों पर ये अधिनियम लागू करने से 'भानुमती का पिटारा' खुल जाएगा तथा यह ब्लैकमेल का साधन बन जाएगा। पीठ ने केरल हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर अधिवक्ता शोभा गुप्ता की दलीलें सुनने के बाद कहा, माफ कीजिए! खारिज! अदालत ने पूछा, आप कार्यस्थल में राजनीतिक दलों को कैसे शामिल करते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक संगठन है। इस पर पीठ ने कहा, जब कोई सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल होता है तो वह कोई नौकरी नहीं होती।

पूजा खेडकर के घर से मुक्त कराया अपहृत ट्रक चालक

मुंबई/पुणे। नवी मुंबई में रोड रेज की घटना के बाद दो व्यक्तियों द्वारा एक एसयूवी के जरिये अगवा किये गए ट्रक चालक को पूर्व आईएएस प्रोबेशनर पूजा खेडकर के पुणे स्थित बंगला से मुक्त करा लिया गया।

पुणे पुलिस ने बताया कि पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर के खिलाफ, रविवार को ड्राइवर की तलाश में घर में प्रवेश करने की कोशिश कर रही पुलिस को रोकने का मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा, नवी मुंबई पुलिस ने एसयूवी सवार लोगों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया है। खेडकर पर सिविल सेवा परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने तथा गलत तरीके से ओबीसी और दिव्यांग कोटे का लाभ लेने का आरोप है।

पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार शाम नवी मुंबई टाउनशिप में मुलुंड-ऐरोली रोड पर हुई, जब प्रह्लाद कुमार कंक्रीट मिक्सर ट्रक चला रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि ट्रक एक एसयूवी को छूते हुए निकल गया था, जिसके बाद प्रह्लाद और एसयूवी में सवार दो लोगों के बीच बहस हो गई। इसके बाद एसयूवी सवार लोगों ने प्रह्लाद को पुलिस थाने ले जाने के बहाने जबरन अपने वाहन में बिठा लिया और मौके से फरार हो गए।

- **पुलिस को रोकने पर पूर्व आईएएस की मां के खिलाफ भी केस दर्ज**

राहुल ने पंजाब में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को पंजाब में अमृतसर और गुरदासपुर जिलों के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और प्राकृतिक आपदा से पीड़ित लोगों से बातचीत की।

बाढ़ पीड़ितों से मिलने के बाद उन्होंने कहा, उनकी आंखों में दर्द साफ दिखाई दे रहा है, लेकिन उनका साहस अटूट है। इस बीच, कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस ने गांधी को गुरदासपुर में रावी नदी के पार सीमावर्ती गांव तूर का दौरा करने से रोक दिया। राज्य के लिए 1,600 करोड़ रुपये के केंद्रीय राहत पैकेज पर लोकसभा में विपक्ष के नेता ने प्रदेश कांग्रेस नेताओं से सहमति जताते हुए कहा कि यह जरूरत से बहुत कम है।

विरोध प्रदर्शन

महाराष्ट्र के जालना में सोमवार को अनुसूचित जनजाति श्रेणी में शामिल करने मांग लेकर बंजारा समुदाय की ओर से विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन में शामिल हजारों लोगों ने मांगों के समर्थन में नारेबाजी कर सड़कों को गुंजा दिया।

घोटाला: कर्नाटक के पूर्व मंत्री के परिसरों पर सीबीआई के छापे

नई दिल्ली। सीबीआई ने वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले के सिलसिले में सोमवार को कर्नाटक के पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र के परिसरों के साथ ही राज्य तथा आंध्र प्रदेश में 15 अन्य स्थानों पर छापेमारी की।

इस मामले में आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए निर्धारित धनराशि के गबन के गंभीर आरोप शामिल हैं। वर्ष 2006 में स्थापित, कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति (एसटी) विकास निगम की स्थापना राज्य में एसटी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से विकासात्मक योजनाओं को लागू करने के लिए की गई थी। उन्होंने बताया कि यह मामला जून 2024 में मंत्री के खिलाफ बैंक ऋण धोखाधड़ी के रूप में शुरू हुआ था, लेकिन जांच के दौरान सीबीआई ने कुछ रिकॉर्ड एकत्र किए, जिनसे पता चला कि मंत्री की बहन और अन्य रिश्तेदार के खातों में धनराशि स्थानांतरित की गई थी।

सीबीआई जो अनियमितताओं की एक सीमा तक ही जांच कर रही थी, को जुलाई में कर्नाटक हाईकोर्ट से पूरी जांच करने की मंजूरी मिल गई। कोर्ट ने एसआईटी को मामले से संबंधित सभी दस्तावेज और साक्ष्य केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का आदेश दिया था।

- **कर्नाटक के साथ आंध्रप्रदेश में भी 15 ठिकानों पर की छापेमारी**

वक्फ संशोधन कानून : सुप्रीम आदेश को पर्सनल लॉ बोर्ड ने बताया निराशाजनक

कहा- बोर्ड की ओर से जारी रखा जाएगा वक्फ बचाओ अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ संशोधन अधिनियम पर उच्चतम न्यायालय के अंतरिम आदेश पर निराशा जताते हुए कहा कि व्यापक संवैधानिक चिंताओं का समाधान नहीं करने के कारण कई प्रावधानों का दुरुपयोग होगा, जबकि इस पूरे कानून को ही निरस्त करने की जरूरत है।

बोर्ड के प्रवक्ता सैयद कासिम रसूल इलियास ने एक बयान में यह भी कहा कि बोर्ड का 'वक्फ बचाओ अभियान' जारी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कई महत्वपूर्ण प्रावधानों पर रोक लगा दी, जिनमें यह प्रावधान भी शामिल है कि पिछले पांच वर्षों से इस्लाम का पालन कर रहे लोग ही वक्फ बना सकते हैं। हालांकि, शीर्ष अदालत ने पूरे कानून पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने वक्फ संपत्तियों की स्थिति पर निर्णय करने के लिए जिलाधिकारी को दी गई शक्तियों पर भी रोक लगा दी और वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों की भागीदारी के विवादास्पद मुद्दे पर फैसला सुनाते हुए निर्देश दिया कि केंद्रीय वक्फ परिषद में 20 में से चार से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए और राज्य वक्फ बोर्ड में 11 में से तीन से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए।

इलियास ने एक बयान में कहा, यद्यपि सुप्रीम कोर्ट ने कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी है लेकिन मुस्लिम समुदाय, मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और न्याय चाहने वाले नागरिकों को संविधान के मूलभूत प्रावधानों के विपरीत सभी धाराओं पर रोक की उम्मीद थी। उन्होंने कहा, कोर्ट ने आंशिक राहत दी है, लेकिन इसने व्यापक संवैधानिक चिंताओं का समाधान नहीं किया है, जिससे हमें निराशा हुई है।

भय की राजनीति करने वालों पर तमाचा : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम,2025 पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया और कहा कि यह उन लोगों पर करारा तमाचा है जो इस कानून की संवैधानिकता पर सवाल उठा रहे थे और भय पैदा करने की राजनीति कर रहे थे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता नलिन कोहली ने कहा, निश्चित रूप से यह एक स्वागत योग्य फैसला है। कोर्ट ने सरकार द्वारा किये गए संशोधनों को स्वीकार कर लिया और इसके खिलाफ याचिका खारिज कर दी है। संशोधनों के संपूर्ण क्रियान्वयन पर कोई रोक नहीं है। उन्होंने कहा, यह रोक केवल एक या दो क्षेत्रों तक ही सीमित है जहां अदालत को लगा कि किसी जिलाधिकारी द्वारा शक्तियों का मनमाना प्रयोग हो सकता है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं था कि इसकी प्रक्रिया क्या होगी।

केंद्र की विकृत मंशा काफी हद तक नाकाम : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने वक्फ अधिनियम से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि इसने संशोधित कानून के पीछे छिपी विकृत मंशा को काफी हद तक नाकाम कर दिया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि यह फैसला न्याय, समानता और बंधुता के संवैधानिक मूल्यों की जीत के साथ ही संयुक्त संसदीय समिति में शामिल रहे उन सांसदों की भी जीत है जिन्होंने असहमति के नोट दिए थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, माननीय न्यायालय ने अंतरिम आदेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के अपने संकल्प की पुष्टि की है। यही वह मुद्दा है जिसके लिए विपक्ष मोदी सरकार के खिलाफ एकजुट खड़ा हुआ है।

भारतीय वैज्ञानिकों ने बनाई सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल लचीली बैटरी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय वैज्ञानिकों ने सतत ऊर्जा की दिशा में बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए कागज की तरह मोड़ने लायक लचीली, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल नई बैटरी विकसित की है। इस बैटरी को बिना किसी के चिंता के छूआ भी जा सकता है जबकि आमतौर पर अधिक इस्तेमाल की जाने वाली लिथियम-आयन बैटरियों के अधिक गर्म होने और फटने का खतरा बना रहता है।

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अंतर्गत बेंगलुरू स्थित स्वायत्त संस्थान नैनो एवं मृदु (सॉफ्ट) पदार्थ विज्ञान केंद्र (सीईएनएस) के शोधकर्ताओं ने भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के नैनो विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केंद्र (सीईएनएसई) के सहयोग से नई तकनीक से लैस बैटरी विकसित की है जो फ़ोन, लैपटॉप, इलेक्ट्रिक वाहनों और पहनने योग्य उपकरणों में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली पारंपरिक लिथियम-आयन बैटरियों के विकल्प के रूप में काम कर सकती है।

- **फोन, लैपटॉप और वाहनों में बन सकती है लीथियम आयन बैटरियों का विकल्प**

एल्युमीनियम और जल आधारित घोल का किया गया है उपयोग

डीएसटी द्वारा जारी जानकारी के अनुसार इस नई बैटरी में एल्युमीनियम और जल-आधारित घोल का उपयोग किया जाता है। यह संयोजन इसे सुरक्षित, सस्ता और पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल बनाता है। जिससे बैटरी के फटने और पर्यावरणीय खतरों से बचा सकता है, इसके साथ ही यह हमारे उपकरणों की बिजली की आवश्यकता को भी कम कर सकता है। एल्युमीनियम में ऊर्जा को कुशलतापूर्वक संग्रहित करने की अपार क्षमता है। यह एक शक्तिशाली बैटरी है जो न केवल प्रभावी है, बल्कि बिना टूटे मुड़ने के लिए पर्याप्त लचीली भी है।

राष्ट्रीय सर्वेक्षण | **आई फॉरेस्ट की रिपोर्ट में यह उत्सर्जन 2035 तक दोगुना होने का अनुमान**

एसी से होने वाला कार्बन उत्सर्जन पहुंचा कारों के बराबर

नई दिल्ली, एजेंसी

नए सर्वेक्षण में पाया गया है कि 2030 तक 'एयर कंडीशनर' भारत का सबसे बड़ा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक उपकरण बन जाएगा, और 2035 तक कुल उत्सर्जन दोगुना से अधिक होकर 32.9 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य (सीओ2ई) हो जाएगा।

दिल्ली आधारित थिंक टैंक 'आईफॉरेस्ट' द्वारा किए गए राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार, अकेले 2024 में एसी से 15.6 करोड़ टन सीओ2ई उत्सर्जन हुआ,

जो देश में सभी यात्री कारों से होने वाले उत्सर्जन के बराबर है। इसमें से 5.2 करोड़ टन सीओ2ई 'रेफ्रिजरेंट लीक' से उत्पन्न हुआ। रिपोर्ट में जलवायु पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों को कम करने के लिए उत्पादक दायित्व बढ़ाने, राष्ट्रीय 'रेफ्रिजरेंट डेटाबेस' बनाने तथा सख्त प्रवर्तन का सुझाव दिया गया है।

आईफॉरेस्ट ने कहा कि इन कदमों से अगले दशक में 'रेफ्रिजरेंट्स' से होने वाले 50-65 करोड़ टन उत्सर्जन को रोका जा सकेगा, जिसका मूल्य 25-33 अरब अमेरिकी डॉलर के कार्बन क्रेडिट के बराबर होगा तथा उपभोक्ताओं को 'रीफिलिंग' लागत में 10 अरब अमेरिकी डॉलर की बचत होगी।

आईफॉरेस्ट के अध्यक्ष और मुख्य कार्याधिकारी चंद्र भूषण ने कहा, भारत में यदि एसी को हर दो साल में 'रीफिल' किया जाए तो यह एक यात्री कार जितना ही उत्सर्जन करता है, जलवायु के दृष्टिकोण से, एसी भी कार जितना ही हानिकारक है। भारत में एसी का भंडारण 2024 के 6.2 करोड़ से बढ़कर 2035 में 2.4 करोड़ हो जाने का अनुमान है, और बिक्री 1.4 करोड़ से बढ़कर चार करोड़ होने का अनुमान है। शहरीकरण, बढ़ती आय और बढ़ते ताप तनाव के कारण, 2020 से बिक्री में सालाना 15-20 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है।

दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद, पुणे और जयपुर के 3,100 घरों में किए गए सर्वेक्षण में पाया गया कि 80 प्रतिशत एसी पांच साल से कम पुराने हैं, तथा नयी खरीद में जयपुर, कोलकाता और पुणे सबसे आगे हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 87 प्रतिशत घरों में एक ही एसी है, जबकि 13 प्रतिशत घरों में दो या उससे ज़्यादा एसी हैं। चेन्नई, जयपुर, कोलकाता और पुणे में एक से ज़्यादा एसी रखने वालों की संख्या ज़्यादा है, और यहां तक कि निम्न आय वर्ग के लोग भी अब एसी बाजार में प्रवेश कर रहे हैं।

अमृत विचार

मंगलवार, 16 सितंबर 2025

मैं नहीं चाहता कि भारत एक आर्थिक महाशक्ति बने। मैं चाहता हूं कि भारत एक खुशहाल देश बने।

–जेआरडी टाटा, उद्योगपति

खेल, सुरक्षा व आत्मविश्वास

दुबई में खेले गए एशिया कप के एकतरफा मुकाबले ने न केवल भारतीय क्रिकेट टीम की क्षमता का परिचय दिया, बल्कि यह भी दर्शाया कि खेल कभी-कभी केवल खेल नहीं होते, वे संदेश देने का भी माध्यम बनते हैं। पाकिस्तान पर सात विकेट की शानदार जीत को कप्तान सूर्य कुमार यादव ने एक और ऑपरेशन सिंदूर बना दिया और इसे देश की सेना तथा आतंकवादी हमलों के शिकार हुए निर्दोष लोगों को समर्पित किया। यह कदम भावनात्मक स्तर पर करोड़ों भारतीयों के दिलों को छू गया। दरअसल, भारत-पाकिस्तान क्रिकेट हमेशा से सिर्फ 22 खिलाड़ियों का खेल नहीं रहा। इसके पीछे दशकों का इतिहास, तनाव और जटिल रिश्ते छिपे हैं। जब भारतीय टीम पाकिस्तान पर जीत दर्ज करती है, तो यह केवल खेल-भावना का उत्सव नहीं होता, बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास और गर्व का क्षण बन जाता है। इस बार की जीत को विशेष बनाता है उसका संदर्भ- पहलगाम आतंकी हमला और उससे उपजी पीड़ा है। सूर्य कुमार ने इस जीत को शहीदों और पीड़ितों को समर्पित किया, उसने क्रिकेट को खेल से आगे बढ़ाकर राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बना दिया।

मैदान पर 85 प्रतिशत भारतीय प्रशंसक मौजूद थे, जिन्होंने पहली ही गेंद से टीम इंडिया का उत्साहवर्धन किया। गेंदबाजों ने पाकिस्तान को लगातार दबाव में रखा, जबकि बल्लेबाजों ने लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। हालांकि, खेल भावना के स्तर पर एक खेदजनक पहलू भी सामने आया- दोनों कप्तानों ने हाथ नहीं मिलाया। खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, आपसी सम्मान का भी मंच होता है। जब खिलाड़ी एक-दूसरे से हाथ मिलाते हैं, तो वे यह संदेश देते हैं कि मैदान की जंग यहीं तक सीमित है। इस बार यह दृश्य अनुपस्थित रहा। यह केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच मौजूद तनाव का भी द्योतक है। फिर भी भारतीय टीम की जीत से जो सकारात्मक संकेत निकलते हैं, उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह जीत बताती है कि चुनौतियां चाहे मैदान की हों या सीमा पार से आने वाली- भारत उनका सामना धैर्य और आत्मविश्वास से कर सकता है। यही कारण है कि इस सफलता को सेना और आतंक पीड़ितों के नाम समर्पित करना महज प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि एक सशक्त संदेश है। हमें खेल और सुरक्षा दोनों क्षेत्रों में संतुलन साधना होगा। खेल में आक्रामकता जरूरी है, लेकिन वही आक्रामकता अगर संयम और सम्मान से जुड़ी हो, तो उसका असर कई गुना बढ़ जाता है।

आज की जीत ने भारत को अंक तालिका में मजबूत किया है, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि इसने आम नागरिक को यह भरोसा दिलाया है कि हमारा देश हर क्षेत्र में सक्षम है- चाहे वह मैदान पर हो या वास्तविक संघर्ष में। इस जीत को केवल आंकड़ों के हिसाब से न देखें; इसे राष्ट्रीय मनोबल की जीत मानें। अंततः यही कहना उचित होगा कि भारतीय टीम ने दुबई के मैदान से केवल ट्रॉफी की ओर कदम नहीं बढ़ाया, बल्कि देशवासियों को यह याद भी दिलाया कि हम सब एक हैं। जब खिलाड़ी बल्ला और गेंद उठाते हैं, तो वे केवल रन और विकेट नहीं बनाते, बल्कि भरोसा, गर्व और उम्मीद भी गढ़ते हैं। यही खेल की असली ताकत है और भारत की पहचान भी।

प्रसंगवश

जरूरी है आसमान की छतरी की हिफाजत

हर वर्ष 16 सितंबर को पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस मनाया जाता है। यह दिवस हमें उस अदृश्य परत की याद दिलाता है, जो हमारे जीवन की सुरक्षा करती है। ओजोन परत वायुमंडल के समताप मंडल में लगभग 15 से 35 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित होती है और सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों को रोककर पृथ्वी पर जीवन को सुरक्षित रखती है। यदि यह परत न हो तो त्वचा कैंसर, आंखों की बीमारियां, फसलों की हानि और समुद्री जीवन का संकट जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न होंगी। बीसवीं सदी में औद्योगिकीकरण और आधुनिक जीवनशैली ने अनेक सुविधाएं दीं, लेकिन इसका दूसरा पहलू भी सामने आया। फ्रिज, एयर कंडीशनर, एयरोसोल स्प्रे और फोम बनाने में प्रयुक्त क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFCs) जैसी गैसों ने ओजोन परत को

डॉ. निशा वर्मा

असिस्टेंट प्रोफेसर

नुकसान पहुंचाया। वैज्ञानिकों ने पाया कि अंटार्कटिका के ऊपर ओजोन परत में एक बड़ा छिद्र बन चुका है। चौंकाने वाली बात यह है कि एक अकेला क्लोरीन परमाणु लगभग एक लाख ओजोन अणुओं को नष्ट करने की क्षमता रखता है। यदि समय रहते कदम न उठाए जाते तो यह समस्या पूरी मानव सभ्यता को खतरे में डाल सकती थी।

1987 में संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया, जिसे मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के नाम से जाना जाता है। इस समझौते का उद्देश्य ओजोन परत को क्षति पहुंचाने वाले रसायनों का उत्पादन और उपयोग धीरे-धीरे समाप्त करना था। 200 से अधिक देशों ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए और आज यह विश्व की सबसे सफल पर्यावरणीय संधियों में से एक मानी जाती है। इसकी बदौलत अब तक ओजोन क्षरण में उल्लेखनीय कमी आई है और वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 21वीं सदी के मध्य तक ओजोन परत अपनी पुरानी स्थिति में लौट सकती है। इस संधि के कारण न केवल ओजोन सुरक्षा सुनिश्चित हुई, बल्कि करोड़ों लोगों को त्वचा कैंसर और नेत्र रोगों से भी बचाया गया।

भारत ने भी ओजोन सुरक्षा की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाई है। 1991 में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में राष्ट्रीय ओजोन प्रकोष्ठ की स्थापना की गई। इसके माध्यम से ओजोन क्षयकारी रसायनों का उत्पादन बंद किया गया और उद्योगों को वैकल्पिक, पर्यावरण-अनुकूल तकनीक अपनाने में सहायता दी गई। किगाली संशोधन के अंतर्गत भारत ने हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFCs) को चरणबद्ध ढंग से कम करने का भी संकल्प लिया, जो यद्यपि ओजोन को नुकसान नहीं पहुंचाते, लेकिन शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस होने के कारण जलवायु परिवर्तन के लिए खतरनाक हैं। अधिकांश गैसें जो ओजोन को नुकसान पहुंचाती हैं, वही ग्रीनहाउस गैसें भी हैं, इसीलिए वैज्ञानिक मानते हैं कि मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल ने अकेले ही लगभग एक डिग्री सेल्सियस अतिरिक्त वैश्विक तापमान वृद्धि को रोक दिया। स्पष्ट है कि ओजोन सुरक्षा का अर्थ केवल वायुमंडलीय संतुलन बनाए रखना नहीं, बल्कि धरती को जलवायु संकट से बचाना भी है।

चुनौतियां पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। हाइड्रोफ्लोरोकार्बन जैसी गैसों का बढ़ता प्रयोग भविष्य में नई समस्या खड़ी कर सकता है। जलवायु परिवर्तन की वजह से भी ओजोन परत की मरम्मत की प्रक्रिया धीमी पड़ सकती है। इन सबके बीच विकासशील देशों को स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता की अधिक आवश्यकता है। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल जीवंत उदाहरण है कि यदि पूरी मानवता किसी संकट के प्रति एकजुट हो जाए तो असंभव दिखने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते है।

नेपाल में जेन जी के पीछे की ताकतें और भारत

अजय दयाल

वरिष्ठ पत्रकार

कभी स्मार्ट फोन पर गेम खेलते अपने बच्चे के हाथ से मोबाइल छीनकर देखिए? देखिए तो जरा उसका तमतमाया हुआ चेहरा, गुस्सा! कई मामलों में बच्चे को मोबाइल से दूर करने का प्राणघातक परिणाम हमने खबरों में देखा, पढ़ा। मानो ड्रग्स लेने जैसा एडिक्शन हो! मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि एडिक्शन यानी लत पर उसका बेहतर विकल्प देकर ही काबू पाया जा सकता है न कि एकदम से अंकुश लगाकर। यानी अनहेल्दी विकल्प के सामने हेल्दी विकल्प रखकर ही माइंड डायवर्ट किया जाना चाहिए। इस छोटे से उदाहरण के साथ मैं यहां एक गंभीर वैश्विक मुद्दे की बात करने जा रहा हूं। एक नयी डिजिटल दुनिया में प्रवेश कर चुके 15 ये 30 साल के युवाओं को कहीं कुत्सित विदेशी ताकतें बरगलाने की कोशिशें तो नहीं कर रहीं? नेपाल का ताजा उदाहरण सामने है, जहां सोशल मीडिया पर बैन लगते ही युवा आक्रोश को इन ताकतों ने भुना लिया?

युवा आक्रोश की हिंसक परिणति हमने देखी है। स्कूल-कॉलेज से लेकर देश के बड़े ऐतिहासिक आंदोलन तक- आगजनी, तोड़फोड़, आत्मदाह तक तो देखा, लेकिन नेपाल हिंसा का संज्ञान लें, तो गंभीर बात यह है कि नौकरी-कॅरियर को लेकर ऐसे कौन से युवा हैं जो अपने नेतृत्वकर्ताओं और उनके परिजनों को जलाने-मारने-काटने पर उतारू हैं, उनमें तालिबानी प्रवृत्ति भरी गई या उनके नाम पर तालिबानी मानसिकता को अंजाम दिया गया? ऐसा तो मजहबी हिंसा में होता है।

बहरहाल, भारत के पड़ोसी देशों में अस्थिरता एवं अराजकता का माहौल चिंताजनक है। कहीं विश्वगुरु बनने की दिशा में तेजी से कदमताल कर रहे भारत को उसके पड़ोसियों से ही नुकसान पहुंचाने को ऐसा माहौल साजिशन प्रोजेक्ट तो नहीं किया जा रहा? स्वाभाविक है कॉलेज स्तर से लेकर देशव्यापी मुहिम में आंदोलन छेड़ने को युवा ही आगे किए जाते हैं। वही 15 से 30 साल वाले, जिनका खून ही कुछ कर गुजरने को उबलता रहता है। अब दिशा साकारात्मक दिखाई जाए तो बात और है, लेकिन जब अराजकता फैलाने के एवज में धन मिले तो क्या युवा थमेंगे?

इसी चश्मे से देखें तो पाते हैं कि बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक और अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक संदेश निकलता है कि कहीं यह सब कुछ चीन या फिर भारत की आत्मनिर्भरता के कदम से चिंतित अमरीकी फंडिंग से तो ऐसी साजिशें नहीं रची गईं? बांग्लादेश ही नहीं, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद गठित सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को पहले से ज्यादा सतर्कता, सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

सवाल बड़ा यह भी है कि एक के बाद एक भारत के पड़ोसी मुल्कों में ताजा अराजकता, अस्थिरता एक संयोग है या फिर साजिश? इसके पीछे किसका हाथ है, चीन, पाकिस्तान या दोस्त बनकर दोस्त की तरक्की से जलने वाले अमरीका का? क्योंकि जब पड़ोसियों में ही नाकारात्मकता घर कर जाए तो तरक्की पंसद और शांतिप्रिय पड़ोसी (भारत) की चिंताएं बढ़ जाना स्वाभाविक है। फिर सवाल उठता है कि पड़ोसी देशों में पनप रही इस राजनीतिक अस्थिरता क्या भारत के मनोबल को डिगा सकेगी?

हकीकत तो यह है कि मौजूदा दौर में भारत की आर्थिक और अध्यात्मिक दोनों शक्तियां पूरी दुनिया को आकर्षित किए हुए हैं। यही शक्तियां ही भारत को तेजी से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे बढ़ा रही हैं जो अन्य शक्तिशाली देशों के साथ-साथ दुश्मन पड़ोसी पाकिस्तान को पसंद नहीं आ रही। आशंका इस बात की भी है कि चीन ने ही पाकिस्तानी तत्वों के जरिए शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। पश्चिमी देश खासकर अमेरिका को भी उनकी नीतियां रास नहीं आ रहीं थीं। इस नजर से उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं कही जा सकती।

वहीं, बांग्लादेश में भी भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। हिंसक प्रदर्शनकारी अब भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। यही स्थितियां विदेशी साजिशकर्ताओं ने संभवतः अब मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान और श्रीलंका में पैदा कर दी हैं। ताजा हालातों में भारत ने हिंदू राष्ट्र कहलाने वाले इकलौते स्थिर पड़ोसी नेपाल को भी अब खो दिया है। ऐसे में फिलवक्त भारत अपने चारों ओर से बदहाल, कट्टरवादी, अराजक एवं अस्थिर पड़ोसियों से घिरा हुआ है।

एक बात तो तय है कि भारतीय सीमाओं की संवेदनशीलता बढ़ गई है। स्पष्ट है कि भारतीय सीमाओं की संवेदनशीलता पड़ोसी देशों के राजनीतिक, सामाजिक हालातों, नीतियों पर निर्भर करती है। निरंतर पड़ोसी मुल्कों के खराब होते हालातों के बीच भारत में आतंकवाद, सीमा पार घुसपैठ और सैन्य तनाव का खतरा बढ़ने की आशंका प्रबल है। हालांकि इतिहास गवाह है, भारत को ऐसे हालातों से निपटना बाखूबी आता है। फिर आज अपने पैरों पर खड़ा भारत इतना कमजोर भी नहीं कि कुत्सित साजिशें उसका कुछ बिगाड़ सकें।

वैसे, दुश्मन को कमजोर न समझने की घुट्टी हम पीकर ही यहां तक पहुंचे हैं, इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने, पड़ोसी देशों के साथ कूटनीतिक संबंध बनाए रखने और साथ ही आर्थिक तौर पर सक्षम होने के प्रयास में तेजी लाएगा। हां एक बात और, देश के नेतृत्वकर्ताओं को उस डिजिटल प्लेटफार्म पर भी अपने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के स्वदेशी रास्ते तेजी से खोलने होंगे।

15 ये 30 साल के युवाओं को कहीं कुत्सित विदेशी ताकतें बरगलाने की कोशिशें तो नहीं कर रहीं? नेपाल का ताजा उदाहरण सामने है।

आमने

देश की आबादी 140 करोड़ है। इतने बड़े देश में क्रिकेट मैच को लेकर मतभेद होना स्वाभाविक है। कुछ लोगों को लग सकता है कि चूंकि दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं, इसलिए मैच नहीं होना चाहिए। वहीं, कुछ लोग इस खेल का समर्थन भी कर सकते हैं। –अजित पवार, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री

सामने

अजीत एक असंवेदनशील राजनेता हैं। वह आधे पाकिस्तानी हैं। यह भाषा किसी देशभक्त नागरिक की नहीं कही जा सकती है। अगर आपके परिवार का कोई सदस्य पहलगाम (आतंकवादी) हमले के 26 पीड़ितों में शामिल होता, तो आप ऐसा नहीं कहते। –संजय राउत नेता शिवसेना (यूबीटी)

भारत के लिए बड़ी उपलब्धि बना 'सुदर्शन चक्र'

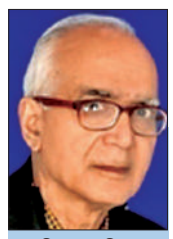

निरंकार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

भारत ने सुरक्षा क्षेत्र में ऐसा कमाल कर दिखाया है, जिसकी विरोधी भी तारीफ कर रहे हैं। पिछले महीने ओडिशा के समुद्री तट पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम का सफल परीक्षण किया। इस सिस्टम में क्विक रिएक्शन मिसाइलें तो हैं ही, सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें हाई-पॉवर लेजर आधारित डायरेक्टेड एनर्जी वेपन भी शामिल हैं। इसे आधुनिक 'सुदर्शन चक्र' कहा जा रहा है, जो पलक झपकते ही दुश्मन का खात्मा कर सकता है। बीजिंग स्थित एयरोस्पेस नॉलेज मैगजीन के एडिटर वांग यानान ने चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स में इसे एक बड़ी उपलब्धि बताया है।

लेजर हथियार भविष्य की लड़ाइयों का अहम हिस्सा हैं और भारत अब उन चुनिंदा देशों की कतार में आ गया है जिनके पास यह तकनीक है। यानान ने यहां तक कहा कि मिसाइल और मैन-पोर्टेबल सिस्टम तो कई देशों के पास हैं, लेकिन लेजर हथियार का टेस्ट और उसे तैनात करने की क्षमता हर किसी के पास नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत लगातार अपने डिफेंस सिस्टम को अपग्रेड करने में जुटा है। मिसाइल से लेकर ड्रोन, फाइटर जेट, एयर डिफेंस सिस्टम तक को मजबूत किया जा रहा है। डीआरडीओ लगातार ऐसी मिसाइलें विकसित कर रहा है, जो पहले के मुकाबले काफी घातक हैं। नई तकनीक से बनीं ये मिसाइल्स सामान्यतः रडार और डिफेंस सिस्टम को चकमा देने में भी सक्षम हैं।

डीआरडीओ रूद्रम प्रोजेक्ट के तहत हाइपरसोनिक मिसाइल डेवलप कर रहा है। इसकी रफ्तार 5 मैक यानी 6000 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा होगी। साथ ही इसकी रेंज 1000 से 1500 किलोमीटर तक होगी। इस तरह पाकिस्तान का ज्यादातर हिस्सा इस मिसाइल की जद में होगा। हाइपरसोनिक मिसाइल को रूद्रम-4 का नाम दिया गया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह मिसाइल दुश्मन को महज कुछ सेकंड की प्रतिक्रिया अवधि देती है, जिससे उसकी हिट-रेट लगभग सुनिश्चित हो जाती है।

उड़ान परीक्षणों के दौरान, तीन अलग-अलग लक्ष्यों, जिनमें दो उच्च गति वाले फिक्स्ड-विंग मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) और एक मल्टी-कॉप्टर ड्रोन शामिल थे, को एक साथ उच्च ऊर्जा लेजर हथियार प्रणाली द्वारा अलग-अलग दूरी और ऊंचाई पर निशाना बनाकर पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया।

पिछले महीने अपनी सबसे ताकतवर मिसाइल अग्नि-5 का सफलतापूर्वक परीक्षण करके सबको चौंका दिया। इस मिसाइल को बंगाल की खाड़ी के तट से हवा में छोड़ा गया। यह हिंद महासागर में अपने लक्ष्य को सटीक निशाना लगाने में कामयाब रही। भारत की यह सबसे लंबे दूरी की मिसाइल है, जिसे भारत का ब्रह्मास्त्र कहा जाता है। एमआईआर तकनीक वाली अग्नि-5 मिसाइल ने एक साथ कई सौ किलोमीटर में फैले तीन ठिकानों पर हमला किया। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार अग्नि-5 के जरिए भारत चीन से मिल सकने वाली चुनौतियों का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम है।

अग्नि पांच में ऐसे सेंसर लगे हैं, जिससे वह अपने लक्ष्य तक बिना किसी गलती के पहुंचने में कामयाब रहेगी। अग्नि मिसाइल भारत के पास साल 1990 से मौजूद है, लेकिन वक्त के साथ इसके नए और ज्यादा आधुनिक रूप बनाए जाते रहे हैं। अग्नि-5 परमाणु हथियार ले जाने में पूरी तरह से सक्षम मिसाइल है। अभी तक एमआईआर वी तकनीक से लैस मिसाइल केवल रूस, चीन, अमेरिका, फ्रांस और यूके के पास है। इस मिसाइल को जमीन, समंदर या पनडुब्बी से लॉन्च किया जा सकता है। इसकी मारक क्षमता 5000 किलोमीटर तक है।

इसी साल जुलाई में पांच मिसाइलों का परीक्षण किया गया था। भारत की स्वदेशी तकनीक से बनी इन मिसाइलों की क्षमता ब्रह्मोस मिसाइल से अधिक है। भारत ने मिसाइल तकनीक में बड़ी छलांग लगाई है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा के अब्दुल कलाम द्वीप से 'प्रलय' मिसाइल के दो सफल परीक्षण 28 और 29 जुलाई को किए हैं। डीआरडीओ के अनुसार दोनों मिसाइलें टारगेट को हिट करने में सफल रहीं। यह 350 से 700 किलोग्राम तक के अलग-अलग तरह के हथियार ले जाने में सक्षम हैं। 'प्रलय' मिसाइलों की मारक क्षमता 150 से 500 किलोमीटर तक है। यह दुश्मन के हर तरह के सैन्य ठिकानों जैसे कि उनके कमांड सेंटर और एयरबेस को निशाना बनाने में सक्षम हैं। 'प्रलय' मिसाइल में खास तरह के नेविगेशन सिस्टम लगाए गए हैं। इससे यह बीच रास्ते में भी कमांड के अनुसार अपनी दिशा बदलने में माहिर है।

इससे चहले 16-17 जुलाई को ओडिशा तट के पास से परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों पृथ्वी.2 और अग्नि.1 का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया, जो उसकी सामरिक प्रतिरोधक क्षमता का प्रदर्शन है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह परीक्षण विशिष्ट सामरिक बल कमान द्वारा किया गया और सभी परिचालन एवं तकनीकी मानकों की पुष्टि की गई। यह उपलब्धि भारत द्वारा 16 जुलाई को लद्दाख में स्वदेशी रूप से विकसित आकाश प्राइम मिसाइल के सफल परीक्षण के बाद आई है।

लेजर हथियार भविष्य की लड़ाइयों का अहम हिस्सा हैं और भारत अब उन चुनिंदा देशों की कतार में आ गया है, जिनके पास यह तकनीक है।

सोशल फोरम

लंदन में कागज के फूल बेचतीं राजकुमारियां

हिस्ट्री

फेसबुक

यह फ़ोटो 12 जून 1929 की है, जिसमें बर्दवान की महाराज कुमारी सुधारानी देवी, बर्दवान की महाराज कुमारी ललितारानी देवी। रोशार कोठावाला, खुर्शेद कोठावाला और नुर्गश कोठावाला को एलेक्जैंड्रा रोज डे चैरिटी के लिए कागज के फूल बेचते हुए दिखाया गया है।

एलेक्जैंड्रा रोज डे यूनाइटेड किंगडम में जून महीने में आयोजित होने वाला एक चैरिटेबल फंडरेजिंग इवेंट है, जिसकी शुरुआत 1912 में एलेक्जैंड्रा रोज चैरिटीज द्वारा की गई थी। इसे क्वीन एलेक्जैंड्रा के उनके मूल देश डेनमार्क से यूनाइटेड किंगडम आने की 50वीं वर्षगांठ पर लॉन्च किया गया था।

डेनमार्क से प्रेरणा लेते हुए, महिलाओं को कृत्रिम गुलाब बनाने और उन्हें बेचने के लिए भर्ती किया गया था, जिससे धन एकत्र किया जा सके। पहले एलेक्जैंड्रा रोज डे इवेंट में 32,000 (जो आज के समय में लगभग 2.5 मिलियन के बराबर है!) एकत्र किए गए थे।

इससे अस्पतालों को बहुत लाभ हुआ और यह वार्षिक कार्यक्रम एक परंपरा बन गया। 1920 तक, आज की मुद्रा में लगभग 25 मिलियन की राशि लंदन की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एकत्र की जा चुकी थी।

सामयिकी

अगले जनम मोहे बिटिया न कीजो!

हाल ही में एक फिल्म आई है छोरी-2, जो भ्रूण हत्या जैसे संवेदनशील विषय पर बात करती है। इस फिल्म ने एक बार फिर भ्रूण हत्या को चर्चा में ला दिया है। यूं तो भ्रूण हत्या कोई नई बात नहीं है। सदियों से दुनिया के कई देशों में अलग-अलग तरह से भ्रूण हत्या होती रही है। कहीं जन्म से पहले ही गर्भ में मार दिया जाता है, तो कहीं पैदा होने के बाद फेंक दिया जाता है। कहीं जिंदा दफन करने के बारे में भी जानकारी मिलती है। देश में लड़कियों और शिशुओं की भ्रूण हत्या आम बात हो चली है। आए दिन जन्म से पहले गर्भपात और जन्म के बाद लड़कियों को लावारिस छोड़ने अथवा झाड़ियों में फेंकने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। तमाम प्रयासों के बाद भी भ्रूण अथवा शिशु हत्या को रोका नहीं जा सका है।

अमित बैजनाथ गर्ग

वरिष्ठ पत्रकार

कन्या भ्रूण हत्या और शिशु हत्या ऐसी सामाजिक बुराई है, जिसके आंकड़े न केवल डरावने हैं, बल्कि समाज को झकझोरने वाले भी हैं। सरकारी आंकड़ों के आधार पर प्यू रिसर्च सेंटर की एक रिपोर्ट कहती है कि 2000 से 2019 तक भारत में कम से कम 90 लाख कन्या भ्रूण हत्याएं हुईं। इनमें से 86.7 फीसदी हिंदुओं (80 फीसदी आबादी), 4.9 प्रतिशत सिखों (1.7 फीसदी आबादी) और 6.6 फीसदी मुस्लिमों (14 प्रतिशत आबादी) में दर्ज की गईं। हालांकि पुत्र वरीयता में कमी आई है, फिर भी लिंग-चयनित गर्भपात जारी है। भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार, 0-6 वर्ष आयु वर्ग में लिंग अनुपात 914 लड़कियां प्रति 1,000 लड़के था, जो 1991 में 945 से कम है।

वहीं संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट कहती है कि पिछले 50 वर्षों में विश्व में लापता महिलाओं की संख्या में भारत का योगदान 4.58 करोड़ है, जिसमें कन्या भ्रूण हत्या और शिशु हत्या मुख्य कारण हैं। भारत और चीन मिलकर हर साल 15 लाख लापता कन्या जन्मों के लिए 90-95 फीसदी जिम्मेदार हैं। द लैंसेट की दो रिपोर्ट बताती हैं कि 1981 से 2016 तक 21 लाख जन्म इतिहास के विश्लेषण से पता चला कि लिंग-चयनित गर्भपात के कारण लापता कन्या जन्म बढ़े हैं। भारत का जन्म लिंग अनुपात 110 पुरुष प्रति 100 महिलाएं हैं, जो भ्रूण हत्या की ओर इशारा करता है, जबकि इसका वैश्विक औसत 101 महिलाएं है। द लैंसेट की दूसरी रिपोर्ट कहती है कि हर साल 2.39 लाख अतिरिक्त बालिका मृत्यु (5 वर्ष से कम) दर्ज की जाती हैं, जो मुख्य रूप से उपेक्षा और कुपोषण के कारण होती हैं, न कि प्रत्यक्ष शिशु हत्या के।

वहीं राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का डाटा बताता है कि देश में 2022 में 63 शिशु हत्या के मामले दर्ज किए गए, जिनमें महाराष्ट्र में सबसे अधिक 25 मामले थे। कन्या शिशु हत्या के विशिष्ट आंकड़े अलग से नहीं दिए गए हैं। यह संख्या वास्तविकता से बहुत कम हो सकती है, क्योंकि कई मामले उपेक्षा या भुखमरी के रूप में दर्ज नहीं होते। असल में कन्या भ्रूण हत्या के सटीक आंकड़े अनुमान पर आधारित हैं, क्योंकि अवैध गर्भपात दर्ज नहीं होते। शिशु हत्या के मामले भी कम दर्ज होते हैं, क्योंकि इन्हें अक्सर मृत जन्म या प्राकृतिक मृत्यु के रूप में दिखाया जाता है। हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड जैसे राज्यों में गंभीर लिंग असंतुलन स्थिति की भयावहता को दर्शाते हैं। उत्तराखंड में 2019 में 132 गांवों में तीन महीने तक किसी कन्या का जन्म नहीं हुआ, जिसने भ्रूण हत्या की आशंका को बहुत हद तक बढ़ाया। कन्या भ्रूण हत्या न केवल बेटियों के जीवन पर खतरा है, बल्कि समाज के संतुलन को भी बिगाड़ रहा है। इसे रोकने के लिए हमें हर परिवार को जागरूक करना होगा, ताकि वे बेटियों को समान अधिकार और सुरक्षा देने की अहमियत को समझ सकें।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

दुर्गा और महाविद्या रूप में बरसती मां की कृपा

आदिशक्ति, जिनके अलग- अलग नाम हैं पर स्वरूप एक ही है। चराचर जगत को शक्ति देना जिनका उद्देश्य है मां को आद्या शक्ति और परा शक्ति के नाम से भी जाना जाता है, जो निराकार ऊर्जा हैं। उनका कोई रूप नहीं है, वे समस्त कारणों की कारण हैं। समस्त तत्वों में विद्यमान हैं। इन शक्तियों की 10 महाविद्या के रूप में भी पूजन करते हैं जो संसार में चक्र को गतिमान बनाने और देवीय तत्वों को जीव मात्र से जोड़ने का विधान है और उन के समस्त कलमश को समाप्त कर पूर्ण मनोयोग जागृत करती हैं। समस्त कमनाओं की पूर्ति कर मोक्ष प्रदान करती हैं। इन महाविद्याओं को धारण करने के लिए भगवान शिव के भी 10 रुद्र अवतार हुये हैं क्योंकि शक्ति को धारण करने वाले शिव ही हैं। इस बार शारदीय नवरात्र 10 दिनों के होंगे और भगवती की कृपा सभी पर बरसेगी। हम आपको मां के नौ दुर्गा स्वरूपों के साथ ही 10 महाविद्या स्वरूप के भी बारे में बता रहे हैं।

निराकार का आकार में प्रविष्ट

आदिशक्ति ब्रह्मांड की रचना, पालन और संहार के लिए आकार धारण करती हैं। ब्रह्मत्व, शिवत्व, विष्णुत्व का उदगम बनतीं हैं। साथ ही सृजन, विस्तार और संहार के गुण को सृष्टि के कण- कण में विराजमान कराके जीव मात्र के उद्धार के लिए पृथ्वी पर अपने अलग- अलग स्वरूपों में विद्यमान होती हैं। इन स्वरूपों का पूजन हम नवरात्र महापर्व में 9 दिनों में करते हैं। वास्तव में आदिशक्ति की तीन मुख्य धाराएं हैं। महा काली, महा गौरी, महा सरस्वती हैं तमो गुण व्यापिनी, रजोगुनी गुण व्यापिनी और सतो गुण व्यापिनी। तीन- तीन दिन महा काली, महा गौरी और महा सरस्वती के रजो गुणी, तमो गुणी और सतो गुणी स्वरूपों का पूजन होता है।

गज पर सवार होकर आएंगी मां

- 22 सितम्बर 2025 को सूर्य उदय पर अश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि प्राप्त होने के कारण नवरात्र महापर्व का आरम्भ होगा। मां गज पर सवार होकर आ रही हैं, जो अत्यंत शुभ और सुख-समृद्धि, सौभाग्य की वृद्धि का संकेत है। इस बार तिथि वृद्धि के कारण नवरात्र में भक्तों को नौ नहीं पूरे 10 दिन आदिशक्ति के पूजन का सौभाग्य मिलेगा, और 11 वें दिन 2 अक्टूबर को दशहरा पर्व मनाया जायेगा। महा अष्टमी का पूजन 30 सितम्बर और नवमी का पूजन 1 अक्टूबर को किया जायेगा।

॥ या देवी सर्वभूतेषु शक्ति-रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥ ॥

दस महाविद्या स्वरूप

- **माँ काली :** देवी का पहला महाविद्या स्वरूप काली है, जो समय और परिवर्तन की देवी हैं। माता का स्वरूप हाथ में त्रिशूल और तलवार है।
- **तारा देवी :** महाविद्या का दूसरा स्वरूप तारा है, जो ज्ञान और मोक्ष की देवी हैं। जो समस्त बधाओं को हर के इस जग से तरने वाली कहलाती हैं।
- **त्रिपुरसुंदरी :** देवी का तीसरा स्वरूप त्रिपुरसुंदरी है, जो सौंदर्य और आकर्षण की देवी हैं। मां चार भुजा और 3 नेत्र के सुंदर स्वरूप में विराजमान हैं।
- **भुवनेश्वरी :** देवी का चौथा महाविद्या स्वरूप भुवनेश्वरी है, जो सृष्टि और पालन की देवी हैं। कमल पर विराजमान देवी का पूजन किया जाता है।
- **छिन्नमस्ता :** पांचवां स्वरूप छिन्नमस्ता है, जो आत्म-बलिदान की देवी हैं। इनका स्वरूप कटा हुआ सिर और बहती हुई रक्त की तीन धाराएं से सुशोभित रहता है।
- **त्रिपुरभैरवी :** देवी का छठा स्वरूप त्रिपुरभैरवी है, जो ज्ञान और मोक्ष की देवी हैं।
- **धूमावती :** देवी का सातवां महाविद्या स्वरूप धूमावती है, जो विध्वंस और परिवर्तन की देवी हैं। मां मानसिक शक्ति प्रदान करती हैं।
- **बगलामुखी :** देवी का आठवां स्वरूप बगलामुखी है, जो शत्रुओं को नष्ट करने वाली देवी हैं। मां पीतवर्ण में विराजमान हैं।
- **मातंगी :** देवी का नौवां स्वरूप मातंगी है, जो संगीत और कला की देवी हैं।
- **कमला :** देवी का दसवां महाविद्या स्वरूप कमला है, जो धन और समृद्धि की देवी हैं।

घटस्थापना

घटस्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 06 :09 से सुबह 08 :06 तक रहेगा। इसके अलावा अभिजित मुहूर्त सुबह 11 :49 से दोपहर 12 :38 रहेगा।

ज्योतिषाचार्य
स्वाति सक्सेना
संस्थापक अंतरंग फाउंडेशन

शैलपुत्री
देवी का पहला स्वरूप शैलपुत्री है, जो हिमालय की पुत्री हैं।

ब्रह्मचारिणी
देवी का दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी है, जो ज्ञान और तपस्या की देवी हैं।

चंद्रघंटा
देवी का तीसरा स्वरूप चंद्रघंटा है, जो शांति और सौंदर्य की देवी हैं।

कूष्मांडा
देवी का चौथा स्वरूप कूष्मांडा है, जो सृष्टि की देवी हैं।

स्कंदमाता
देवी का पांचवां स्वरूप स्कंदमाता है, जो स्कंद की माता हैं।

कात्यायनी
देवी का छठा स्वरूप कात्यायनी है, जो कात्यायन ऋषि की पुत्री हैं।

कालरात्रि
देवी का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो अंधकार और भय को दूर करने वाली देवी हैं।

महागौरी
देवी का आठवां स्वरूप महागौरी है, जो शुद्धता और पवित्रता की देवी हैं।

सिद्धिदात्री
देवी का नौवां स्वरूप सिद्धिदात्री है, जो सिद्धि और ज्ञान की देवी हैं।

बोध कथा

सद्गुरु

एक गांव में एक किसान रहता था। किसान अपनी पत्नी और बच्चों के साथ बहुत प्रसन्न था। किसान के घर में एक गाय थी, जिसे किसान और उसकी पत्नी बहुत प्यार से रखते थे। किसान प्रातः काल खेत पर जाने के समय गाय को भी ले जाता था जो कि पास ही जंगल में चरती रहती थी। शाम को गाय अपने मालिक किसान के साथ वापस आ जाती थी। एक बार गाय घने जंगल में चली गई। शाम ढलने के करीब थी। गाय ने देखा कि एक बाघ उसकी ओर बढ़ा आ रहा है। गाय घबराकर दौड़ पड़ी और एक तालाब में चली गई। बाघ भी तालाब में घुस गया। पानी तो कम था पर कीचड़ बहुत था। गाय कीचड़ में धंसने लगी, बाघ के पैर भी कीचड़ में धंसने लगे। गाय और बाघ के बीच दूरी अधिक नहीं थी परन्तु ना तो बाघ आगे बढ़ पा रहा था और ना गाय ही हिल पा रही थी। दोनों लगभग गले तक उस कीचड़ में फंस गये। बाघ का भोजन समक्ष होने के बावजूद बाघ उसे पकड़ने में असमर्थ था। थोड़ी देर बाद गाय ने बाघ से पूछा- तुम्हारा कोई गुरु या स्वामी है। बाघ ने गुर्राते हुये उत्तर दिया स्वामी कैसा स्वामी ! मैं तो स्वयं इस जंगल का राजा हूं। गाय ने कहा तुम्हारी इस शक्ति का यहां क्या उपयोग है- तुम अपनी शक्ति के बल पर इस कीचड़ से बाहर नहीं निकल सकते। अब बाघ ने गाय से कहा तुम भी मेरी जैसी स्थिति में हो। तुम भी फंसी हो और मरने के करीब हो। गाय ने बाघ को उत्तर दिया- ऐसा बिल्कुल नहीं होगा। शाम को मेरा मालिक किसान घर वापस जायेगा और मुझे नहीं पायेगा तो वह किसान जो कि मेरा मालिक है निश्चित ही ढूंढता हुआ यहां आयेगा और मुझे यहां से निकाल कर ले जायेगा और वही हुआ, थोड़ी देर बाद किसान गाय को ढूंढता हुआ तालाब के पास आया और गाय को कीचड़ से निकाल कर अपने घर ले गया। गाय और किसान दोनों एक दूसरे के प्रति कृतज्ञ थे, वो चाह कर भी बाघ को कीचड़ से नहीं निकाल सकते थे क्योंकि बाघ दोनों के जीवन के लिये खतरा था। इस कथा से हमें यह ज्ञान मिलता है कि बाघ अहंकार का प्रतीक है, गाय का मालिक किसान सद्गुरु का प्रतीक है और कीचड़ यह संसार है। इस संसार रूपी कीचड़ से निकलने के लिये हमें अहंकार की नहीं किसी न किसी रूप में एक मित्र अथवा किसी गुरु की आवश्यकता होती है जो हमें इस संसार रूपी संघर्ष में ज्ञान दे कर उससे बाहर निकाल सके।

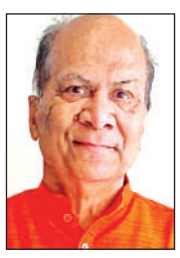

लेखक: अशोक सूरी, आध्यात्मिक लेखक

चितई गोल्ज्यू देवता : यहां अर्जी लगाने से मिलता है न्याय

देवभूमि उत्तराखंड में वैसे तो कई देवस्थल हैं, लेकिन उनमें से एक है कुमाऊं क्षेत्र में अल्मोड़ा के पास स्थित गोल्ज्यू देवता मंदिर। मान्यता है कि मंदिर में अर्जी लगने के बाद गोल्ज्यू देवता अपने भक्त की समस्या का समाधान करते हैं। कुमाऊं के लोग गोल्ज्यू को अपना इष्ट देवता मानते हैं। अल्मोड़ा जिला मुख्यालय से करीब आठ किलोमीटर दूर अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ हाइवे पर चितई नामक स्थान पर गोल्ज्यू देवता का मंदिर है। यहां विराजमान देवता को न्याय के देवता के रूप में पूजा जाता है। मंदिर में लगे स्टांप पेपर पर लिखी हजारों अर्जियां इस बात की गवाह हैं कि मंदिर में लोग अपनी समस्या के समाधान और न्याय की गुहार लगाने आते हैं। भक्तों की मान्यता अनुसार जिसे कहीं से भी न्याय न मिले तो उसे गोल्ज्यू देवता न्याय देते हैं। यहीं कारण है कि मंदिर में हर रोज सैकड़ों अर्जियां लगती हैं। लोग स्टांप पेपर पर भी अपनी शिकायत और समस्या लिखकर देते हैं। मंदिर के पुजारी इस अर्जी को गोल्ज्यू देवता के चरणों में रखकर श्रद्धालु से इसे मंदिर परिसर में टंगवाते हैं।

- कुमाऊं के लोग न्याय के देवता गोल्ज्यू को मानते हैं अपना इष्ट देवता
- 12वीं शताब्दी में हुआ था अल्मोड़ा में चितई में गोल्ज्यू देवता मंदिर का निर्माण
- मनोकामना पूरी होने पर लोग चढ़ाते हैं घंटियां

जन श्रुतियों के अनुसार यह है कहानी

- मंदिर के पुजारी पंडित संतोष पंत बताते हैं कि एक कथा के अनुसार, गोल्ज्यू देवता को ग्वाल देवता के नाम से भी जाना जाता है। यह कथा राजा और रानी से जुड़ी है, जहां सौतेली रानियों ने नवजात शिशु को नदी में फेंक दिया था, जिन्हें एक मछुआरे ने बचाया था। बाद में गोलू देवता की पहचान निष्पक्षता से न्याय प्रदान करने वाले न्यायप्रिय राजा के रूप में बनी और उन्हें ग्वाल देवता या गोल्ज्यू देवता के रूप में जाना जाने लगा। बताया जाता है कि गोल्ज्यू देवता चम्पावत के अलावा अल्मोड़ा के चितई में भी अपना दरबार लगाते थे। जहां वह लोगों का न्याय करते थे, तब से ही कुमाऊं में उन्हें न्याय का देवता माना जाने लगा।

12 वीं शताब्दी में हुआ था मंदिर का निर्माण

- मान्यता के अनुसार, चंद वंश के एक सेनापति ने 12 वीं शताब्दी में मंदिर का निर्माण करवाया था। न्याय के देव गोलू देवता को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। उनमें से सबसे प्रसिद्ध है कि यहां पर कत्यूरी वंश के शासकों का 7वीं से 12वीं सदी तक राज था। गोलू महाराज कत्यूरी वंश के राजकुमार या सेनानायक थे।

मंदिर में हजारों घंटे घंटियों का संग्रह

- चितई मंदिर में हजारों घंटे-घंटियों का संग्रह है, जिन लोगों की मनोकामना पूरी हो जाती है वे यहां घंटी चढ़ाते हैं। मंदिर परिसर में हजारों की संख्या में छोटी-बड़ी घंटियां टंगी हैं। इसके अलावा वर्षों से मंदिर परिसर के दो कमरों में भी हजारों की संख्या में वह घंटियां रखी हैं जो तेज हवाओं या फिर किन्हीं अन्य कारणों से गिर गई थीं।

कैसे पहुंचें मंदिर तक

- गोलू देवता चितई मंदिर अल्मोड़ा से करीब आठ किमी दूर पिथौरागढ़ रोड पर स्थित है। यह सड़क मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है और टैक्सी, बस आदि साझा करके आसानी से पहुंचा जा सकता है। निकटतम रेल संपर्क काठगोदाम रेलवे स्टेशन करीब 94 किमी है। पंतनगर हवाई अड्डा से 124 किमी अल्मोड़ा पहुंचने के लिए निकटतम हवाई अड्डा हैं।

प्रस्तुति
कमलेश कनवाल
अल्मोड़ा

व्रत एवं त्योहार

भगवान विश्वकर्मा का पूजन कल

भगवान विश्वकर्मा ने सोने की लंका और भगवान श्रीकृष्ण के लिए द्वारका नगरी का निर्माण किया था। भगवान विश्वकर्मा भगवान ब्रह्मा के सातवें पुत्र हैं, जिन्होंने ब्रह्मांड को बनाने में ब्रह्मा जी की मदद की थी। भगवान विश्वकर्मा जी दुनिया के पहले वास्तुकार व शिल्पकार है। यह त्योहार मुख्य रूप से कारीगरों, शिल्पकारों, इंजीनियरों और औद्योगिक मजदूरों द्वारा मनाया जाता है। इस दिन यह लोग अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं। यह त्योहार उस दिन मनाया जाता है जब सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करता है। पंचांग के अनुसार, सूर्य 17 सितंबर को देर रात 01 बजकर 55 मिनट पर कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। इसी दिन विश्वकर्मा पूजा का आयोजन होगा। इस दिन राहुकाल दोपहर 12 बजकर 15 मिनट से दोपहर 01 बजकर 47 मिनट तक रहेगा। राहुकाल के समय पूजा-पाठ व शुभ कार्यों की मनाही होती है। इसके बाद ही पूजन होगा। कन्या संक्रांति के दिन ही भगवान विश्वकर्मा का अवतरण हुआ था। यह दिन भगवान विश्वकर्मा के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन लोग भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना करते हैं और अपने काम में सफलता व समृद्धि के लिए प्रार्थना करते हैं। विश्वकर्मा पूजा करने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

पितृ विसर्जनी अमावस्या 21 सितंबर को

पितृ विसर्जनी अमावस्या को पितृ मोक्ष अमावस्या भी कहते हैं। पितृ पक्ष का अंतिम दिन होने के नाते इस दिन उन पितरों के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान किया जाता है, जिनकी मृत्यु तिथि अज्ञात हो। इस दिन दान करने से पितरों को शांति मिलती है। माना जाता है कि यह पितृ दोष से मुक्ति दिलाने और जीवन में सुख-शांति लाने का आखिरी मौका होता है। इस साल सर्व पितृ अमावस्या 21 सितंबर को पड़ रही है। इस दिन किसी नदी या सरोवर में स्नान के बाद पूर्वजों का पूजन, श्राद्ध और तर्पण कर उन्हें विदा किया जाता है। साथ ही श्रद्धा के अनुसार दान, पशु पक्षियों को चारा देना चाहिए।

लेखक
पंडित: सोमदत्त अग्निहोत्री

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	81,785.74	25,069.20
गिरावट	118.96	44.80
प्रतिशत में	0.15	0.18

सोना-1,13,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी-1,30,700 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 16 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2615, राज श्री 1830, फ़ॉर्चून कि. 2220, रविन्द्रा 2550, फॉर्चुन 13 किग्रा 1950, जय जवान 1960, सचिन 2040, सूरज 1960, अवसर 1885, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1880, क्लासिक (किग्रा) 2095, मोर 2150, चक्र टिन 2375, ब्लू 2110, आशीर्वाद मस्टर्ड 2475, स्वास्तिक 2555

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 7050, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9000, मोटा हीरा 11000, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8800, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4380, पीलीभीत 4280, सितारगंज 4260, धामपुर 4360

नियामकीय उपायों के कारण नवोन्मेषण को मिलेगा बढ़ावा

वित्त मंत्री बोलीं- सरकार न केवल एआई प्रौद्योगिकी को अपनाने, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग को भी प्रतिबद्ध

- निर्मला सीतारमण ने नीति आयोग की रिपोर्ट जारी करते हुए यह बात कही

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को ऐसे नियामकीय उपायों की जरूरत पर जोर दिया, जो तकनीकी नवोन्मेषण, विशेष रूप से कृत्रिम मेधा (एआई) को जिम्मेदारी के साथ बढ़ावा दें, न कि उसे हतोत्साहित करें। उन्होंने नीति आयोग की रिपोर्ट 'विकसित भारत के लिए एआई: तेज आर्थिक वृद्धि के अवसर' जारी करते हुए यह बात कही।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार न केवल एआई प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में उनका जिम्मेदारीपूर्ण इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। हम ऐसे नियामकीय उपाय नहीं चाहते हैं, जो सचमुच तकनीक को ही खत्म कर दें। हम ऐसे नियमन चाहते हैं जो जिम्मेदार अनुप्रयोग को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि एआई तेजी से बढ़ रही हमारे वक्त की सच्चाई है। इसलिए हम सभी को सचेत रहना होगा कि हम नैतिकता से पीछे न हटें, क्योंकि एआई की अपनी चुनौतियां भी हो सकती हैं। सीतारमण ने कहा कि चुनौतियां सिर्फ नौकरियों में ही नहीं हैं, बल्कि इस बात को लेकर भी हैं कि इनका दुरुपयोग कैसे रोका जाए।

रिपोर्ट के अनुसार, जहां एक ओर एआई कई नई भूमिकाएं तैयार करेगा, वहीं दूसरी ओर यह कई मौजूदा नौकरियों को भी विस्थापित भी करेगा। विशेष रूप से लिपिकीय और निम्न कौशल वाले क्षेत्रों में ऐसा होगा। उन्होंने एक संतुलित दृष्टिकोण पर जोर देते हुए कहा कि आवश्यक निगरानी सुनिश्चित करते हुए नवाचार को बढ़ावा देना है। इससे बहुत अधिक नियमन को रोकने में मदद मिलती है।

उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा देश है, जो किसी भी आने वाली अच्छी चीज को समझ सकता है, लेकिन कोई भी अच्छाई पूरी तरह अच्छी नहीं होती। कोई भी अच्छाई बिना शर्त नहीं होती। हमें इसका इस तरह इस्तेमाल करना चाहिए कि यह आम आदमी के हित में हो। एआई एक ऐसी चीज है, जिसे हमें अपने काबू में रखना आना चाहिए और इसे आम आदमी की भलाई के लिए काम करना चाहिए। वित्त मंत्री ने कहा कि एआई तेजी से प्रगति कर रहा है और इसलिए हम सभी को सचेत रहना होगा कि हम नैतिकता से पीछे न हटें।

उन्होंने कहा कि अगर प्रौद्योगिकी तेजी से आगे बढ़ रही है, तो नियमन भी तेजी से होना चाहिए। सीतारमण ने कहा कि एआई मौजूदा शहरी क्षेत्रों को बेहतर बनाने और नए शहरी केंद्रों की योजना बनाने के लिए समाधान खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भारत के सभी जिलों में एआई-समर्थित प्रौद्योगिकी को अपनाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि मैं चाहूंगी कि सभी जिले नवाचार और वृद्धि की कहानी बनकर उभरें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में एआई और इससे जुड़े मामलों में तेजी आई है और नीति आयोग इस संबंध में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में शामिल केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, अश्विनी वैष्णव और नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम।

एआई सुरक्षा को लेकर भारत ने प्रौद्योगिकी-विधिक दृष्टिकोण अपनायाः वैष्णव

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) सुरक्षा को लेकर भारत ने एक प्रौद्योगिकी-विधिक दृष्टिकोण अपनाया है और सरकार का झुकाव नियमन से अधिक नवाचार की ओर है। वैष्णव ने कार्यक्रम में कहा कि दुनिया के कई हिस्से एआई सुरक्षा को केवल कानूनी चुनौती मानते हैं और वे कानून बनाकर पारित कर लेने से यह मान लेते हैं कि एआई सुरक्षा सुनिश्चित हो जाएगी। लेकिन भारत ने अलग दृष्टिकोण अपनाया है। हमारा एआई सेफ्टी इंस्टीट्यूट एक वर्चुअल नेटवर्क है, जहां प्रत्येक बिंदु किसी एक विशिष्ट समस्या का समाधान कर रहा है। वैष्णव ने कहा कि जब नवाचार और नियमन के बीच चुनाव करना होता है, तो भारत का झुकाव नवाचार की ओर रहता है। उन्होंने यूरोप और अन्य क्षेत्रों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां प्रवृत्ति कानूनी और नियामकीय संस्थान बनाने की है, जबकि भारत में प्रौद्योगिकी को विकसित और अपनाने पर अधिक जोर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि यह दृष्टिकोण अब तक सफल रहा है और आगे भी मदद करेगा, खासकर उन दूर-दराज़ इलाकों में जहां लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी समाधान जरूरी हैं।

जीडीपी में 600 अरब डॉलर की वृद्धि संभव

तमाम उद्योगों में कृत्रिम मेधा (एआई) को तेजी से अपनाने से वर्ष 2035 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 500 से 600 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हो सकती है। नीति आयोग की रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। आयोग की रिपोर्ट कहती है कि आने वाले दशक में उद्योगों के भीतर एआई के व्यापक उपयोग से वैश्विक अर्थव्यवस्था में 17 से लेकर 26 लाख करोड़ डॉलर तक का योगदान हो सकता है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित के क्षेत्रों में विशाल कार्यबल की मौजूदगी, तेजी से बढ़ते शोध एवं विकास तंत्र और मजबूत डिजिटल क्षमताएं भारत को इस परिवर्तन में अहम भागीदार बना सकती हैं। इससे भारत को वैश्विक एआई मूल्य का 10 से 15 प्रतिशत तक हासिल करने का अवसर मिलेगा। नीति आयोग ने कहा कि एआई से कई नए रोजगार पैदा होंगे लेकिन लिपिकीय, नियमित और निम्न कौशल वाले कई मौजूदा कामकाज प्रभावित भी होंगे। एआई के त्वरित क्रियान्वयन का वित्तीय सेवाओं एवं विनिर्माण क्षेत्र पर सबसे बड़ा असर देखने को मिल सकता है।

एआई को अपनाने के अपार अवसर: टाटा संस

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि भारत एक ऐसे मोड़ पर है, जहां उसके पास कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने और व्यापक प्रभाव डालने के अपार अवसर है। नीति आयोग की रिपोर्ट के विमोचन पर चंद्रशेखरन ने उद्योग जगत से एआई का लाभ उठाने में सरकार के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया। चंद्रशेखरन ने देश के सभी युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए एआई के इस्तेमाल की वकालत की। उन्होंने कहा कि हमें एआई का उपयोग करके बुनियादी मुद्दों, चाहे वह स्वास्थ्य सेवा हो या शिक्षा, को हल करना चाहिए और इस तरह सशक्तीकरण के अपार अवसर पैदा करने चाहिए। आज मौजूद असमानता को कम करना चाहिए। ऐसा करने के लिए सरकार, उद्योग और समाज को एआई का लाभ उठाने के लिए मिलकर काम करना होगा।

बिजनेस ब्रीफ

एलएंडटी को मिला बुलेट ट्रेन परियोजना का ऑर्डर

नई दिल्ली। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) को मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए ऑर्डर मिला है। एलएंडटी ने सोमवार को कहा कि उसकी परिवहन अवसंरचना इकाई ने नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लि. (एनएचएसआरसीएल) से मुंबई-अहमदाबाद 'हाई स्पीड रेल' गलियारे के लिए 156 रूट किमी (आरकेएम) हाई-स्पीड बैलस्टलेस ट्रैक (पैकेज टी1) के निर्माण का ऑर्डर हासिल किया है।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री 9% घटी : सियाम

नई दिल्ली। कंपनियों से डीलरों को भेजे जाने वाले यात्री वाहनों की संख्या अगस्त में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत घटकर 3,21,840 इकाई रह गई। कंपनियों ने कम बाजार मांग के अनुसार आपूर्ति में बदलाव किया। वाहन उद्योग के निकाय सियाम ने यह जानकारी दी। यात्री वाहनों की थोक बिक्री अगस्त 2024 में 3,52,921 इकाई थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने कहा कि दोपहिया वाहनों की बिक्री सात प्रतिशत बढ़कर 18,33,921 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले यह 17,11,662 इकाई थी।

इंसोलेशन को मिलीं सौर परियोजनाएं

नई दिल्ली। इंसोलेशन एनर्जी ने सोमवार को पीएम कुसुम योजना के तहत कुल 226.45 मेगावाट की कई सौर परियोजनाएं हासिल करने की घोषणा की। कंपनी ने बताया कि इन परियोजनाओं के लिए 750 करोड़ का निवेश किया जाएगा।

बैंकों की ऋण वृद्धि 12% रहने का अनुमान

मुंबई, एजेंसी

- क्रिसिल के अनुसार कर्ज वितरण को बढ़ाने में खुदरा ऋण की होगी मुख्य भूमिका

घरेलू क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने सोमवार को कहा कि बैंकों की ऋण वृद्धि 2025-26 की दूसरी छमाही में तेजी पकड़ेगी और समूचे वित्त वर्ष में यह 12% तक रह सकती है। बैंकों के कर्ज वितरण को बढ़ाने में खुदरा ऋण मुख्य भूमिका निभाएगा जबकि कॉरपोरेट ऋण की वृद्धि धीमी रहेगी। साथ ही क्रिसिल ने कुछ चिंताओं की ओर भी इशारा किया है।

परिवारों के जमा अंशदान में गिरावट आने से जमा स्थिरता पर असर पड़ सकता है और छोटे व्यवसायों को दिए जाने वाले कर्ज संपत्ति गुणवत्ता के लिए चुनौती हो सकते हैं। क्रिसिल के मुख्य रेटिंग अधिकारी कृष्णन सीतारमण ने कहा कि पहली तिमाही में ऋण वृद्धि दर 9.5% रही, जो अब बढ़कर 10% के करीब है लेकिन यह अब भी धीमी है। उम्मीद हैं कि दूसरी छमाही में तेज ऋण वृद्धि होगी और समूचे वित्त वर्ष में ऋण वृद्धि 11-12% तक पहुंच सकती है। सरकारी और नियामकीय उपायों से कॉरपोरेट कर्जदारों का बॉण्ड बाजार जैसी वैकल्पिक जगहों से बैंक कर्ज की तरफ लौटने से बैंकों की ऋण वृद्धि को मदद मिलेगी। क्रिसिल ने कहा कि रिजर्व बैंक की ब्याज दर कटौती का असर अब तक बैंक कर्ज की सीमांत लागत आधारित कर्ज दर में नहीं नजर आया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि जैसे ही बैंकों के कर्ज पर ब्याज दरें कम होंगी, फिर से बैंक कर्जों की मांग बढ़ जाएगी। निजी पूंजीगत व्यय (प्राइवेट कैपेक्स) की वृद्धि में समय लग सकता है, क्योंकि कंपनियां वैश्विक अनिश्चितताओं के समाधान के बाद ही बड़े निवेश निर्णय लेंगी। जमा स्थिरता पर रेटिंग एजेंसी ने कहा कि घरों का जमा योगदान पांच वर्षों में 64 से घटकर 60% रह गया है। प्रणालीगत तरलता बढ़ाने वाली नीतियों से अपेक्षित ऋण वृद्धि के लिए पर्याप्त जमा उपलब्ध रहेगा।

थोक महंगाई चार माह के उच्चतम स्तर 0.52% पर

नई दिल्ली, एजेंसी

खाद्य पदार्थों और विनिर्मित वस्तुओं के दाम में मामूली वृद्धि के कारण थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) अगस्त में चार महीने के उच्चतम स्तर 0.52% पर रही। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। मुद्रास्फीति दो महीने बाद एक बार फिर सकारात्मक क्षेत्र में लौट आई है। हालांकि, इस दौरान ईंधन और बिजली क्षेत्र में नरमी देखी गई।

डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति जुलाई और जून में क्रमशः शून्य से 0.58% नीचे और शून्य से 0.19% नीचे रही थी। पिछले साल अगस्त में यह 1.25% के स्तर पर थी। उद्योग मंत्रालय ने कहा कि अगस्त, 2025 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, गैर-खाद्य पदार्थों, विनिर्माण क्षेत्र, गैर-धात्विक खनिज उत्पादों और परिवहन उपकरणों की कीमतों में वृद्धि के चलते हुई।

डब्ल्यूपीआई आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में खाद्य पदार्थों की महंगाई में 3.06% की कमी आई, जबकि जुलाई में इसके दाम 6.29% घटे थे। इस दौरान सब्जियों की कीमतों में तेजी देखी गई। विनिर्मित उत्पादों के मामले में मुद्रास्फीति अगस्त में 2.55 प्रतिशत रही, जबकि पिछले महीने यह 2.05% थी। ईंधन और बिजली क्षेत्र में अगस्त में महंगाई में 3.17% की कमी आई, जबकि जुलाई में यह 2.43% थी। आलू और प्याज के दाम अगस्त में 44.11% और 50.46% घटे, जबकि जुलाई में इनकी कीमतों में क्रमशः 41.26% और 44.38 % की गिरावट आई थी। बार्कलेज ने कहा कि खाद्य थोक मूल्य सूचकांक में कम महंगाई और उच्च मुख्य मुद्रास्फीति ने अगस्त में ईंधन कीमतों में आई गिरावट की भरपाई कर दी है। वित्त सेवा फर्म ने आने वाले महीनों में थोक मूल्य सूचकांक में मामूली वृद्धि का अनुमान जताया है।

- खाद्य उत्पादों, गैर-खाद्य पदार्थों, विनिर्माण क्षेत्र, गैर-धात्विक खनिज उत्पादों और परिवहन उपकरणों की कीमतों में वृद्धि का दिखा असर

ईंधन-बिजली को छोड़ सभी क्षेत्रों में व्यापक वृद्धि

उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष हेमंत जैन ने कहा कि विनिर्मित उत्पादों में वनस्पति और पशु तेल एवं वसा, वस्त्र तथा रबड़ एवं प्लास्टिक उत्पाद महंग हुए, जिसका प्रभाव उत्पादन लागत पर कुछ समय बाद दिखाई दे सकता है। इक्रा के वरिष्ठ अर्थशास्त्री राहुल अग्रवाल ने कहा कि ईंधन और बिजली को छोड़कर सभी क्षेत्रों में व्यापक वृद्धि देखी गई है। उम्मीद है कि सितंबर, 2025 में मुख्य थोक मूल्य सूचकांक छह महीने के उच्चतम स्तर 0.9% तक बढ़ जाएगा।

गोल्ड या स्टॉक : सुरक्षा या उच्च रिटर्न

निवेश की दुनिया में गोल्ड और स्टॉक, दोनों ही लोकप्रिय विकल्प हैं। गोल्ड को सुरक्षित और स्थिर निवेश माना जाता है, जबकि स्टॉक मार्केट तेज मुनाफे और जोखिम भरा है। जहां सोना मुद्रास्फीति और आर्थिक अनिश्चितता में सुरक्षा देता है, वहीं स्टॉक्स लंबी अवधि में अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। निवेशक के लिए यह समझना जरूरी है कि उसकी प्राथमिकता सुरक्षा है या उच्च रिटर्न। संतुलित पोर्टफोलियो के लिए दोनों का मिश्रण भी उपयोगी साबित हो सकता है।

सही निवेश रणनीति

हर निवेशक की जरूरत और लक्ष्य अलग होते हैं। यदि आप स्थिरता और सुरक्षा चाहते हैं तो गोल्ड बेहतर विकल्प है। वहीं, यदि आप जोखिम उठाकर ज्यादा कमाई करना चाहते हैं तो स्टॉक बेहतर रहेंगे। सबसे अच्छा तरीका है कि अपने पोर्टफोलियो में दोनों का संतुलन रखें। इससे आप एक ओर स्थिरता हासिल करेंगे और दूसरी ओर अच्छे रिटर्न की संभावना भी बनाए रखेंगे।

गोल्ड निवेश के फायदे

सोना सदियों से सुरक्षित निवेश माना जाता है। जब बाजार में अस्थिरता होती है या अर्थव्यवस्था में गिरावट आती है, तो लोग गोल्ड की ओर रुख करते हैं। गोल्ड का मूल्य समय के साथ स्थिर रहता है और यह मुद्रास्फीति से बचाव का एक प्रभावी साधन है। शादी-ब्याह और परंपरागत उपयोग के कारण इसकी मांग बनी रहती है, जिससे लंबे समय में इसकी कीमत में गिरावट की संभावना कम होती है।

स्टॉक्स में निवेश के अवसर

दूसरी ओर, स्टॉक मार्केट तेजी से बढ़ने का अवसर देता है। यदि आप सही कंपनियों के शेयर में निवेश करते हैं, तो यह निवेश पर बहुत अधिक रिटर्न दे सकता है। स्टॉक्स आपको डिविडेंड, बोनस और शेयर प्राइस में वृद्धि के रूप में फायदा पहुंचाते हैं। हालांकि, यह बाजार आर्थिक, राजनीतिक और वैश्विक घटनाओं पर निर्भर करता है। इसलिए इसमें जोखिम भी अधिक होता है।

जोखिम और रिटर्न की तुलना

गोल्ड को सेफ हेवन यानी सुरक्षित ठिकाना कहा जाता है, जबकि स्टॉक्स को "हाई रिस्क, हाई रिटर्न" निवेश माना जाता है। गोल्ड में अचानक भारी उतार-चढ़ाव कम देखने को मिलता है, लेकिन इसकी वृद्धि की गति सीमित रहती है। स्टॉक्स में उतार-चढ़ाव तेज होता है, मगर लंबे समय तक टिके रहने वाले निवेशकों को यह अधिक फायदा पहुंचाता है।

कृषि क्षेत्र में पहली तिमाही में 3.7% की वृद्धि दुनिया में सबसे अधिक : चौहान

नई दिल्ली। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि कृषि क्षेत्र ने 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान 3.7% की वृद्धि दर दर्ज की है, जो दुनिया में किसी भी देश के मुकाबले सर्वाधिक है। इस क्षेत्र की वृद्धि दर पिछले वर्ष इसी अवधि में 1.5% थी। चौहान ने आगामी रबी (शीतकालीन) बुवाई मौसम के लिए रणनीति बनाने पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए 'एक राष्ट्र, एक कृषि और एक टीम' विषय को कृषि क्षेत्र में समन्वित प्रयासों और साझेदारी को बढ़ावा देने की एक महत्वपूर्ण पहल बताया। मंत्री ने कहा कि हमारे किसानों और वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत और सरकार की किसान-हितैषी नीतियों से कृषि 3.7% की दर से बढ़ रही है।

समझौते पर चर्चा को भारत पहुंच रहे अमेरिकी मुख्य वार्ताकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- लिंच आज व्यापार वार्ता के संबंध में एक-दिवसीय करेंगे बातचीत

अमेरिका के मुख्य व्यापार वार्ताकार ब्रेंडन लिंच भारत के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार वार्ता (बीटीए) पर बातचीत के लिए भारत आने वाले हैं। वाणिज्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

लिंच मंगलवार को व्यापार वार्ता के संबंध में एक-दिवसीय बातचीत करेंगे। उनके सोमवार रात तक भारत पहुंचने की संभावना है। वह अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि (दक्षिण एवं पश्चिम एशिया) हैं। प्रस्तावित व्यापार समझौते पर दोनों देशों के बीच अबतक पांच दौर की वार्ता हो चुकी है। वार्ता का छठा दौर 25-29 अगस्त के बीच होना था लेकिन अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद इसे टाल दिया गया था।

बीटीए पर भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि हमने पहले भी संकेत दिए हैं कि हमारे बीच बातचीत जारी है। अमेरिका के मुख्य वार्ताकार भारत आ रहे हैं और वह मंगलवार को संभावित परिदृश्य के बारे में चर्चा करेंगे। हालांकि, यह बीटीए पर छठे दौर की बातचीत नहीं है लेकिन यह निश्चित रूप से व्यापार वार्ता से जुड़ी चर्चा है। यह पता करने की कोशिश होगी कि भारत और अमेरिका के बीच समझौते पर हम किस तरह पहुंच सकते हैं।

वाहन क्षेत्र को शीर्ष पर पहुंचाने का लक्ष्य

- अंतर्राष्ट्रीय मूल्य शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को केंद्रीय मंत्री गडकरी ने किया संबोधित
- बोले- सरकार को सबसे अधिक जीएसटी देने और रोजगार के अवसर पैदा करता है वाहन क्षेत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय मूल्य शिखर सम्मेलन में शामिल केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि सरकार अगले पांच साल में भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में शीर्ष पर पहुंचाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने 'अंतर्राष्ट्रीय मूल्य शिखर सम्मेलन 2025' का उद्घाटन करते हुए कहा कि वाहन क्षेत्र सरकार को सबसे अधिक जीएसटी राजस्व देता है और रोजगार के अवसर पैदा करता है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य पांच साल के भीतर भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में शीर्ष स्थान वाला बनाना है। गडकरी ने बताया कि देश में दुनिया की सभी बड़ी वाहन कंपनियां मौजूद हैं। उन्होंने कहा क जिब मैंने परिवहन मंत्री का कार्यभार संभाला था, तब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 14 लाख करोड़ रुपये था। अब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 22 लाख करोड़ रुपये है। इस समय अमेरिकी वाहन उद्योग का आकार 78 लाख करोड़ रुपये है। उसके बाद चीन (47 लाख करोड़ रुपये) और भारत (22 लाख करोड़ रुपये) का स्थान है।

मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है। हमें लक्ष्य हासिल करने को अच्छा बुनियादी ढांचा विकसित करना होगा।

वैश्विक व्यापार | वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, अगस्त माह में निर्यात 6.7 प्रतिशत बढ़कर 35.1 अरब डॉलर पर, आयात 10 प्रतिशत घटा

सोना के आयात में गिरावट से वस्तु व्यापार घाटा सीमित

नई दिल्ली, एजेंसी

अगस्त महीने में देश का निर्यात 6.7 प्रतिशत बढ़कर 35.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया जबकि आयात 10.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 61.59 अरब डॉलर पर आ गया। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक, पिछले महीने सोने के आयात में लगभग 57% की गिरावट आने से देश का वस्तु व्यापार घाटा 26.49 अरब डॉलर पर सीमित रहा, जो पिछले वर्ष के इसी महीने में 35.64 अरब डॉलर था। शुल्क संबंधी विवादों के बावजूद अमेरिका भारत का शीर्ष निर्यात गंतव्य बना रहा। अगस्त में 6.86 अरब डॉलर मूल्य का सामान अमेरिका को निर्यात किया गया जो सालाना आधार पर 7.15% बढ़ा। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) 3.24 अरब डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर और नीदरलैंड 1.83 अरब डॉलर निर्यात के साथ तीसरे स्थान पर रहा। भारत के निर्यात गंतव्यों में चीन (1.21 अरब डॉलर) चौथे स्थान पर रहा जबकि ब्रिटेन (1.14 अरब डॉलर) का स्थान पांचवां रहा।

आयात के मामले में चीन 10.91 अरब डॉलर के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद रूस (4.83 अरब डॉलर), यूएई (4.66 अरब डॉलर), अमेरिका (3.6 अरब डॉलर) और सऊदी अरब (2.5 अरब डॉलर) का स्थान रहा। अगस्त माह में वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात का समग्र मूल्य 69.16 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 79.04 अरब डॉलर रहा। इस तरह देश का व्यापार घाटा 9.88 अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त 2025) में देश का कुल निर्यात (वस्तुओं और सेवाओं) 6.18% बढ़कर 349.35 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष के इसी अवधि में 329.03 अरब डॉलर था। पिछले महीने की महत्वपूर्ण निर्यात श्रेणियों में इंजीनियरिंग उत्पाद (9.9 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (4.48 अरब डॉलर), इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद (2.93 अरब डॉलर), दवाएं (2.51 अरब डॉलर) रत्न एवं आभूषण (2.31 अरब डॉलर) शामिल रहीं।

- वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात का समग्र मूल्य 69.16 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 79.04 अरब डॉलर रहा

अमेरिका को निर्यात मासिक आधार पर 14% घटा

अगस्त में अमेरिकी प्रशासन की तरफ से भारतीय उत्पादों पर 50% शुल्क लगाने के बाद भारत का अमेरिका को निर्यात मासिक आधार पर 14% घटकर 6.86 अरब डॉलर रह गया। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक, अमेरिका को भारतीय निर्यात जुलाई की तुलना में 14% कम हो गया। जुलाई में भारत ने अमेरिका को आठ अरब डॉलर का निर्यात किया था। मासिक आधार पर निर्यात कम होने के बावजूद अमेरिका सालाना आधार पर भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बना रहा। अगस्त, 2024 की तुलना में इस बार अमेरिका को निर्यात में 7.15% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने भारतीय उत्पादों पर दो चरणों में शुल्क बढ़ा दिया था। पिछले महीने अमेरिका के बाद भारत के प्रमुख निर्यात गंतव्यों में संयुक्त अरब अमीरात (3.24 अरब डॉलर), नीदरलैंड (1.83 अरब डॉलर), चीन (1.21 अरब डॉलर) और ब्रिटेन (1.14 अरब डॉलर) शामिल रहे।

वर्ल्ड ब्रीफ

पाकिस्तानी सेना ने 31 आतंकवादियों को मारा

पेशावर। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के कम से कम 31 आतंकवादी मारे गए। सेना ने एक बयान में कहा कि दो अलग-अलग खुफिया आधारित अभियान 13 और 14 सितंबर को खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मरवात और बन्नू जिलों में चलाए गए। पहले अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के ठिकाने पर हमला किया और भीषण गोलीबारी के बाद 14 आतंकवादी मारे गए। कहा गया है कि बन्नू में एक और अभियान चलाया गया, जहां गोलीबारी में 17 और आतंकवादी मारे गए।

गाजा में इजराइल के हमले में सात मारे गए

गाजा। पश्चिमी गाजा में इजराइली हवाई हमले में कम से कम सात फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हुए हैं। चीन की समाचार समिति शिन्हुआ ने बताया कि इजरायल ने रविवार को पश्चिमी गाजा में व्यापक हवाई हमले किए, जिसमें कम से कम सात फलस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। इजराइल ने हवाई हमलों के जरिये अल-कौथर टॉवर, मुहन्ना टॉवर की ऊपरी मंजिलें और कई बहुमंजिला आवासीय इमारतों को निशाना बनाया। इजराइली सेना ने विस्थापित लोगों के लिए फलास्तीन शिविर को भी निशाना बनाया।

चीन, थाईलैंड संयुक्त वायुसेना प्रशिक्षण करेंगे

बीजिंग। चीन और थाईलैंड इस महीने के अंत में संयुक्त वायु सेना प्रशिक्षण आयोजित करेंगे। चीन के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने सोमवार को जानकारी दी कि ये प्रशिक्षण थाईलैंड में आयोजित होगा। एमएनडी वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, चीन इस प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए कई प्रकार के विमान और जमीनी वायु रक्षा बलों को तैनात करेगा। एमएनडी ने कहा कि यह संयुक्त प्रशिक्षण सैनिकों की तकनीकी और सामरिक दक्षता को बढ़ाने के साथ-साथ दोनों सेनाओं के बीच आपसी विश्वास और व्यावहारिक सहयोग को गहरा करने के लिए भी अनुकूल होगा।

पड़ोसी देशों को बिन मांगे मदद नहीं देंगे: बेलारूस

लुकाशेंको मिन्स्क। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने कहा कि बेलारूस अपने पड़ोसियों के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है। लेकिन उसके पास पड़ोसियों की बिना मांगे मदद की कोई योजना नहीं है। लुकाशेंको ने रूस की रज़वेदचिक समाचार पत्रिका को दिए एक साक्षात्कार में कहा, बेलारूस बिना आमंत्रण के अपने पड़ोसियों की सीमाएं पार करने की कोई योजना नहीं बना रहा है। बेलारूस उन सभी के साथ मित्रता और सहयोग करने के लिए तैयार है जो ईमानदारी से ऐसा चाहते हैं।

ट्रंप ने दिलाया भरोसा, मौली के हत्यारे पर होगी सख्त कार्रवाई

ह्यूस्टन/न्यूयॉर्क, एजेंसी

- भारतीय मूल के होटल प्रबंधक का सहकर्मी ने काट दिया था सिर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय मूल के होटल प्रबंधक चंद्र मौली 'बॉब' नागमल्लैया को एक सम्मानित व्यक्ति बताया, जिनकी पिछले सप्ताह डलास में सिर कलम कर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। ट्रंप ने कहा कि अपराधी पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ट्रंप ने कहा कि इस मामले में आरोपी के खिलाफ 'फर्स्ट-डिग्री मर्डर' का मुकदमा चलाया जाएगा। टेक्सास प्रांत में 10 सितंबर को 'डाउनटाउन सुइट्स' होटल में वॉशिंग मशीन को लेकर हुए विवाद के बाद, मूल रूप से कर्नाटक निवासी चंद्र मौली 'बॉब' नागमल्लैया की उनके सहकर्मी योर्डानिस कोबोस-मार्टिनेज ने उनकी पत्नी और बेटे के सामने सिर कलम कर हत्या कर दी थी। इस घटना पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में ट्रंप ने जो बाइडन नीत पूर्ववर्ती सरकार की आव्रजन नीतियों की कड़ी आलोचना की और हमलावर को अवैध अप्रवासी बताया, जिसे उनके अनुसार देश से पहले ही निकाल देना चाहिए था। ट्रंप ने रविवार को अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर कहा, टेक्सास के डलास में चंद्र नागमल्लैया की हत्या की भयावह खबर मिली। वह एक सम्मानित व्यक्ति थे, जिन्हें उनकी पत्नी और बेटे के सामने बेरहमी से मार दिया गया।

भारतीय पुलिस का क्रूर चेहरा

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने पिछले आठ महीनों के दौरान पुलिस हिरासत में हुईं 11 मौतों का स्वत: संज्ञान लिया है और अपने आदेश के बावजूद थानों में सीसीटीवी कैमरे न लगाए जाने पर जवाब मांगा है। असल में पुलिस की हिरासत में यातना और मौत होने की घटनाएं बहुत आम हैं। इतिहास खंगाला जाए तो पुलिस का यह क्रूर चेहरा औपनिवेशिक काल की विरासत है, जब 1861 के पुलिस एक्ट के तहत पुलिस को जनता की आवाज को दबाने का जरिया बनाया गया था। आजादी के बाद भी इसमें कोई खास बदलाव नहीं हुआ। ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट्स के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में हिरासत में देश में सैकड़ों मौतें हुई हैं। यातनाएं, मनमानी गिरफ्तारी और अतिरिक्त बल प्रयोग पुलिस कार्यप्रणाली का अहम हिस्सा है। गरीब और कमजोर समुदायों के लोग इसके अधिक शिकार होते हैं। फिर भी दोषी पुलिसकर्मियों को दुर्लभ मामलों में ही सजा मिल पाती है।

हिरासत में यातना और मौतें

हिरासत में मौतों की घटनाएं

- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अनुसार 2021-22 में पुलिस हिरासत में 155 और न्यायिक हिरासत में 2152 मौतें देश में हुईं।
- एनसीएटी की रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में पुलिस हिरासत में 125 और न्यायिक हिरासत में 1606 मौतें रिकॉर्ड पर दर्ज की गईं।
- आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2022-23 के बीच इसमें 300% वृद्धि हुई, इसे प्रतिदिन लगभग पांच मौतों के बराबर माना गया है।
- देश में 2018 से 2023 के बीच कुल मिलाकर हिरासत में 687 मौतें हुईं लेकिन इनमें एक भी दोषी को सजा नहीं मिल पाई।

सर्वाधिक मौतें गुजरात में

- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के मुताबिक 2017 से 22 के बीच गुजरात में सर्वाधिक 80, महाराष्ट्र में 76, यूपीमें 41, तमिलनाडु में 40 और बिहार में 38 मौतें में हुईं। न्यायिक हिरासत में 2016 से 22 के बीच यूपी में सर्वाधिक 2630 मौतें हुई हैं।
- भारत ने यूएन कन्वेंशन अगेंस्ट टॉर्चर पर हस्ताक्षर किया है लेकिन इस पर क्रियान्वयन नहीं किया गया।

पुलिस की समस्याएं

- देश भर में जनवरी 2022 तक 22.1% रिक्तियां, इस वजह से 16-18 घंटे तक काम जो पुलिसकर्मियों का तनाव बढ़ाने के साथ दक्षता घटाता है।
- अत्यधिक राजनीतिक हस्तक्षेप, पुलिस का बड़े पैमाने पर राजनीतिक स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करने से उसकी निष्पक्षता पर बुरा प्रभाव पड़ता है।
- पुलिसकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं मिलता, फोरेंसिक और साइबर इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहद कमजोर, ये कमियां उसे पुलिसिंग में अक्षम बनाती हैं।
- ट्रैफिक, आपदा प्रबंधन, वीआईपी सुरक्षा जैसे गैरमूल कार्यों का बोझ होने से अपराधों की जांच प्रभावित होती है। ऐसी 30% जांचें देश में लंबित हैं।

सुझावों पर अमल नहीं

- एनपीसी, एपीसी और प्रकाश सिंह केस में सुप्रीम कोर्ट की ओर से पुलिस सुधार के लिए दिए गए सुझावों पर अमल नहीं हुआ।
- इनमें प्रमुख सुझाव पुलिस पर राजनीतिक नियंत्रण घटाने और उसे स्वायत्त बनाने के लिए राज्य सुरक्षा आयोग बनाने का था।
- जांच और कानून-व्यवस्था को अलग करने के साथ जांच इकाइयों को स्वतंत्र बनाने का ताकि पुलिस पर काम का बोझ कम हो।
- प्रशिक्षण में सुधार, प्रमोशन के मौके बढ़ाने, जवाबदेही तय करने और जिला शिकायत प्राधिकरण स्थापित करने की सिफारिश।

सुधार में बाधा

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल एक रिपोर्ट में राजनीतिक अनिच्छा को कारण बताया गया है। राज्य का विषय होने के कारण संघीय चुनौतियां भी हैं। केंद्र की ओर से दिए गए सुझावों को राज्यों द्वारा लागू नहीं किया जाता। वित्तीय और प्रशासनिक बाधाएं, संसाधनों की कमी, नौकरशाही का प्रतिरोध।

इजराइल के विरुद्ध अरब और इस्लामी देशों के बीच एकजुटता बनाने की कोशिश

कतर पर हमले के बाद इजराइल को कड़ा संदेश देने के लिए बुलाया गया शिखर सम्मेलन

दुबई, एजेंसी

राजधानी दोहा में हमास के नेताओं पर इजराइल की ओर से पिछले सप्ताह किए गए हमले के खिलाफ कतर सोमवार को एक शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। कतर को उम्मीद है कि इस शिखर सम्मेलन में अरब और इस्लामी देशों का एक समूह इजराइल को नियंत्रित करने का तरीका सुझाएगा, साथ ही उसे कड़ा संदेश भी देगा क्योंकि गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ उसके हमले जारी हैं।

हमास के नेताओं पर यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब कतर इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध में संघर्ष विराम करवाने के लिए एक प्रमुख मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। कतर ने इस बात पर जोर दिया कि वह इस हमले के बावजूद दोनों के बीच संघर्ष विराम करवाने के लिए प्रयास करता रहेगा। कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने रविवार को एक बैठक में कहा, अब समय आ गया है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय दोहरे मापदंड अपनाना बंद करे और इजराइल को उसके सभी अपराधों के लिए दंडित करे। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि शिखर सम्मेलन से क्या हासिल हो पाएगा, क्योंकि कुछ देशों के पहले से ही इजराइल के साथ कूटनीतिक संबंध हैं और वे अपने संबंध तोड़ने में संकोच कर सकते हैं।

नेतन्याहू ने रुबियो के साथ यरुशलम में यहूदियों के पवित्र स्थान पश्चिमी दीवार का दौरा किया।

इजराइल को अपने लोगों की परवाह नहीं, वह गाजा को रहने योग्य नहीं छोड़ना चाहता : शेख तमीम

दुबई। कतर के सत्तारूढ़ अमीर ने इजराइल पर आरोप लगाया कि वह गाजा पट्टी में बंधक अपने लोगों की परवाह नहीं कर रहा है। इसके बजाय यह सुनिश्चित करना चाहता है कि गाजा रहने योग्य न रहे। शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने यह टिप्पणी सोमवार को दोहा में पिछले हफ्ते हमास नेताओं को निशाना बनाकर किए गए इजराइली हमले पर एक शिखर सम्मेलन की शुरुआत में की। बैठक में भाग लेने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी सोमवार को रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ और सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार के साथ कतर रवाना हुए।

- इस बीच अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात के बाद कतर जाएंगे। उनकी यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब अमेरिका अपने दो करीबी सहयोगियों, इजराइल और कतर के बीच तनाव कम करने की कोशिश कर रहा है।

हमले के बाद कैदियों की अदला-बदली पर बातचीत रुकी

गाजा। हमास ने कहा है कि कतर की राजधानी दोहा में पिछले सप्ताह वार्ता के लिए गई उसके प्रतिनिधिमंडल पर इजराइली हमले के बाद कैदियों की अदला बदली के लिए इजराइल के साथ बातचीत निलंबित कर दी है। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ताहिर अल-नोनो ने एक बयान में कहा, अगर बातचीत के लिए जिम्मेदार प्रतिनिधिमंडल पर देश के अंदर हमला होता है, तो बातचीत जारी नहीं रह सकती। हमास ने कहा कि पिछले मंगलवार को इजराइली हवाई हमलों में दोहा में उनके नेताओं द्वारा इस्तेमाल किए गए आवासीय परिसरों को तब निशाना बनाया गया, जब वे अमेरिका समर्थित युद्धविराम प्रस्ताव पर चर्चा कर रहे थे। समूह ने कहा कि वरिष्ठ हमास अधिकारी खलील अल-हय्या के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल बच गया।

इजराइली हवाई हमले में यमन के 26 मीडियाकर्मी मारे गए

सना। यमन की राजधानी सना में इजराइल के हवाई हमले में मारे गए 46 लोगों में से 26 लोग स्थानीय मीडिया संस्थान के कर्मचारी थे। यमन के हूती समूह ने रविवार की इसकी जानकारी दी। हूती समूह ने कहा कि हमले में मध्य सना में तहरीर चौक पर स्थित दो समाचार पत्र 26 सितंबर और अल-येमन के कार्यालय भी ध्वस्त हो गए। हालांकि इस हमले से उनका मीडिया संचालन कमजोर नहीं होगा। हूती नियंत्रित स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि हमले में 165 लोग घायल हुए हैं जिनमें महिला और बच्चे शामिल हैं। हूती संचालित अल-मसीरा टीवी ने क्षतिग्रस्त इमारतें और मलबे में खोजबीन कर रहे बचावकर्मियों का फुटेज जारी किया। इजराइली सेना ने कहा कि उसने सैन्य शिविरों, हूतियों के जनसंपर्क मुख्यालय और एक ईंधन भंडारण स्थल को निशाना बनाया। इजराइली सेना ने कहा कि ये कार्रवाई हूती समूह के ड्रोन और मिसाइल हमले के जवाब में थी। हूती के सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने इस हमले का जवाब देने की कसम खाई। याह्या का कार्यालय भी हवाई हमले में नष्ट हो गया था। उन्होंने कहा कि यह हमला अनुत्तरित नहीं रहेगा। हूतियों ने जवाब में हमले जारी रखने और गाजा में युद्ध तथा नाकाबंदी को खत्म करने के लिए दबाव बनाने का संकल्प लिया।

ब्रिटेन: नाटो हवाई क्षेत्र के उल्लंघन पर रूसी राजदूत तलब

लंदन। ब्रिटेन की सरकार ने सोमवार को कहा कि उसने मास्को द्वारा उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के हवाई क्षेत्र के अप्रत्याशित उल्लंघन के बाद लंदन में रूसी राजदूत को तलब किया है।

विदेश कार्यालय ने हाल के दिनों में पोलिश और रोमानियाई हवाई क्षेत्र में घुसपैठ को "अस्वीकार्य" बताया और रूसी राजदूत आंद्रेई केलिन को तलब किया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "पिछले सप्ताह रूसी ड्रोनों द्वारा पोलैंड और नाटो के हवाई क्षेत्र का इतना बड़ा और अप्रत्याशित उल्लंघन तथा उसके बाद शनिवार को रोमानियाई हवाई क्षेत्र में फिर से घुसपैठ पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

नेपाल में समय पर निष्पक्ष चुनाव कराएगी अंतरिम सरकार: आर्यल

काठमांडू। नेपाल के नवनियुक्त गृहमंत्री ओम प्रकाश आर्यल ने सोमवार को कहा कि अंतरिम सरकार का लक्ष्य स्वतंत्र और निष्पक्ष माहौल में समय पर आम चुनाव कराना है। हाल ही में जेन जी वार्ता में अहम भूमिका निभाने वाले एक प्रमुख वकील आर्यल ने सोमवार को गृह और विधि, न्याय एवं संसदीय कार्य मंत्री के रूप में शपथ ली।

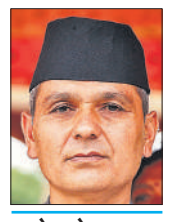

- जेन-जेड प्रदर्शनकारियों की मौत पर कल मनाया जाएगा शोक

इसके तुरंत बाद उन्होंने अपना कार्यभार संभाल लिया। मीडिया से बातचीत में कहा कि कार्यवाहक सरकार का गठन स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने के स्पष्ट आदेश के साथ किया गया था। उनके अनुसार, हाल के प्रदर्शनों के दौरान क्षतिग्रस्त हुए बुनियादी ढांचे का पुनर्निर्माण और सुशासन तय करना सरकार की प्राथमिकताएं होंगी। अगर विद्रोह से विस्थापित हुए लोगों को वापस आने का रास्ता दिखाई देता है, तो उन्हें चुनाव के माध्यम से खुद को परखना चाहिए और जनादेश लेना चाहिए। नेपाल सरकार ने प्रदर्शनों में मारे गए जेन-जेड प्रदर्शनकारियों की याद में 17 सितंबर को राष्ट्रीय शोक दिवस घोषित किया है।

मेयर पद के लिए ममदानी को न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल का समर्थन

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने शहरवासियों से जोहरान ममदानी को न्यूयॉर्क सिटी का मेयर चुनने की रविवार को अपील की। अमेरिका के सबसे बड़े शहर के इस अहम पद की दौड़ में शामिल ममदानी के लिए यह महत्वपूर्ण समर्थन माना जा रहा है।

'न्यूयॉर्क टाइम्स' लिखे एक लेख में गवर्नर होचुल ने कहा कि भले ही वह और ममदानी कुछ मुद्दों पर एकमत नहीं हैं, लेकिन दोनों इस पर सहमत हैं कि न्यूयॉर्क और देश में बढ़ती महंगाई की समस्या को दूर करना बेहद जरूरी है। डेमोक्रेटिक पार्टी की सदस्य होचुल ने लिखा, लेकिन हमारी बातचीत में मैंने उनमें एक ऐसा नेता देखा जो न्यूयॉर्क के लिए मिलकर काम करना चाहता है, ताकि बच्चे सुरक्षित माहौल में पले-बढ़ें और हर परिवार को आगे बढ़ने का मौका मिल सके। उन्होंने कहा, ममदानी में मुझे ऐसा नेता दिखा जो न्यूयॉर्क को सभी के लिए किफायती बनाने पर ध्यान दे रहा है और मैं इसका पूरे दिल से समर्थन करती हूं। खुद को एक लोकतांत्रिक समाजवादी कहने वाले 33 वर्षीय ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद की दौड़ में शामिल हैं।

- मेयर पद की दौड़ में आगे चल रहे ममदानी को मिला महत्वपूर्ण समर्थन

एमी अवॉर्ड्स: द पिट ने ड्रामा में पुरस्कार जीता और द स्टूडियो ने कॉमेडी में खिताब किया अपने नाम

लॉस एंजिलिस, एजेंसी

कॉमेडी वेब शृंखला 'द स्टूडियो' ने रविवार को एमी अवॉर्ड्स में 13 पुरस्कार जीतकर एक सीजन में सबसे अधिक पुरस्कार जीतने का रिकॉर्ड बना लिया। 'एडोलसेंस' ने छह श्रेणियों में और 'द पिट' ने ड्रामा श्रेणी में पुरस्कार जीता।

'द स्टूडियो' की टीम और कलाकारों से घिरे सह-निर्माता सेठ रोगन ने कहा, इतने पुरस्कार जीतकर मेरी खुशी का कोई ठिकाना ही नहीं है। रविवार रात लॉस एंजिलिस के पीकॉक थिएटर से 'सीबीएस' पर प्रसारित 'एमी अवॉर्ड्स' समारोह में सेठ रोगन को चार पुरस्कार मिले। उन्हें सर्वश्रेष्ठ कॉमेडी शृंखला, सर्वश्रेष्ठ निर्देशन और सर्वश्रेष्ठ लेखन का पुरस्कार मिला। 'द पिट' ने सर्वश्रेष्ठ ड्रामा शृंखला का पुरस्कार जीता, जबकि इसके मुख्य कलाकार नोआ वाइल को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब मिला।

- द स्टूडियो की टीम ने 13 पुरस्कार जीतकर बनाया रिकॉर्ड

कैथरीन ला नासा ने 'एचबीओ मैक्स' की मेडिकल ड्रामा शृंखला के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार जीता। यह शृंखला सभी को चौंकाते हुए 'सेवरेंस' और 'द व्हाइट लोटस' जैसी बड़ी शृंखलाओं को पछाड़ कर ट्रॉफी जीतने में सफल रही। नेटफ्लिक्स की 'एडोलसेंस' को कुल छह एमी पुरस्कार मिले। यह एक 13 वर्षीय ब्रिटिश बच्चे की कहानी है, जिस पर हत्या का आरोप लगता है।

यूक्रेन के साथ युद्ध असल में नाटो के साथ युद्ध: रूस

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने सोमवार को नाटो पर यूक्रेन में युद्ध का वास्तविक नेता होने का आरोप लगाया और कहा कि उसके साथ रूस का युद्ध वास्तव में बहुराष्ट्रीय सैन्य गुट के खिलाफ युद्ध है, जो यूक्रेन को अपने 'प्रोक्सी' के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। रूसी सरकारी मीडिया 'तास' की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति के प्रवक्ता ने यह टिप्पणी पोलिश विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोर्स्की के उस हालिया बयान की प्रतिक्रिया की, जिसमें उन्होंने कहा था कि नाटो रूस के साथ युद्ध में नहीं है।

धौंस न जमाए अमेरिका वर्ना देंगे कड़ा जवाब: चीन

बीजिंग, एजेंसी

चीन ने अमेरिका की ओर से जी-7 और नाटो देशों से अपने ऊपर और रूस से तेल खरीद रहे अन्य देशों पर शुल्क लगाने की अपील को एक पक्षीय तरीके से धौंस जमाने और आर्थिक दबाव बनाने का कृत्य करार दिया और चेतावनी दी कि यदि अमेरिका की इस अपील पर अमल किया गया तो वह जवाबी कदम उठाएगा।

चीन की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब सोमवार को स्पेन में आर्थिक और व्यापारिक मुद्दों पर अमेरिका और चीन के प्रतिनिधिमंडल दूसरी बार बैठक कर रहे हैं। जी-7 विश्व की सात प्रमुख विकसित और औद्योगिक शक्तियों का एक समूह है जिसमें अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान शामिल हैं। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) एक सैन्य गठबंधन है, जिसमें प्रमुख पश्चिमी देशों ने मिलकर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समझौता किया है और इसमें अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली समेत 30 सदस्य देश हैं।

- रूसी तेल के मुद्दे पर फिर टकराव कहा- इसमें कुछ भी गलत नहीं

एक प्रेस वार्ता में चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, रूस समेत दुनियाभर के देशों के साथ चीन का सामान्य आर्थिक और ऊर्जा सहयोग पूरी तरह वैध, कानून के अनुरूप है और इसमें कुछ गलत नहीं है। प्रवक्ता से इन खबरों के बारे में पूछा गया था कि अमेरिका ने जी-7 और नाटो देशों से चीन पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की अपील की है क्योंकि वह रूस से तेल खरीद रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए लिन जियान ने कहा, यह अमेरिका का आर्थिक दबाव बनाने और एकपक्षीय तरीके से धौंस दिखाने वाला कदम है जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों को कमजोर करता है और वैश्विक उद्योग व आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा और स्थिरता को खतरे में डालता है। लिन जियान ने कहा, दबाव और धौंस से समस्याओं का हल नहीं निकलता। यूक्रेन संकट को लेकर चीन का रुख स्पष्ट और स्थिर है-समाधान सिर्फ संवाद और समझौते से ही संभव है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 16 सितंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, दशमी 17 सितंबर 00.21 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

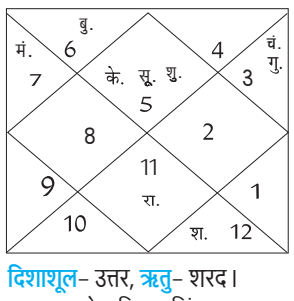

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-आर्द्रा 06.46 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष — आज किसी की भी झूठी प्रशंसा न करें। कफ और सूखी खांसी जैसी समस्या हो सकती है। अपनी योजनाओं को फिलहाल गुप्त रखें। आपके अधिकतर काम थोड़ी धीमी गति से होंगे। परिवार के लोग आपसे नाराज हो सकते हैं।

वृष — आज कारोबार में फण्ड्स को लेकर परेशानी हो सकती है। नौकरी पेशा लोगों को अपनी जॉब की चिंता रहेगी। आप घर पर अच्छा समय बिताएंगे। लोग आपकी सरलता का अनुचित लाभ उठा सकते हैं। घर के बुजुर्ग सदस्यों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन — आज आर्थिक स्थिति में काफी अच्छा सुधार होगा। किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में आप धन लगा सकते हैं। मानसिक शांति की अनुभूति होगी। कारोबार में लोग आपके आइडियाज से प्रभावित रहेंगे। दांपत्य संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी।

कर्क — आज दिखावा करने की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपका काम में मन नहीं लगेगा। समय कुछ मिला-जुला रहने वाला है। धन कमाने के अवसरों को चूक सकते हैं। अपने निर्णयों पर विश्वास रखें।

सिंह — आज आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। व्यवसाय में आपको सहयोगियों से अत्यधिक लाभ मिलेगा। अपनी प्रतिभा को दिखलाने का अच्छा अवसर मिल सकता है। तकनीकी संबंधी कार्यों में आपको लाभ प्राप्त होगा।

कन्या — आज नई जॉब ढूंढ रहे हैं तो आपको सफलता मिलेगी। अपनी जिम्मेदारी को अच्छे से संभालेंगे। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को पदोन्नति मिल सकती है। परिजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। दूसरों की सलाह पर आप ध्यान न दें।

तुला — आज कोर्ट-कचहरी के मामलों में आपको विजय मिल सकती है। आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। गृहस्थ जीवन में सुख-शांति रहेगी। संपत्ति के क्रय-विक्रय को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई का काफी ध्यान रखेंगे।

वृश्चिक — आज जॉब में आपका प्रदर्शन कमजोर रहेगा। लोग आपकी भावनाओं का उपहास बना सकते हैं। प्रभावशाली लोगों से समस्या हो सकती है। व्यापार में उतार-चढ़ाव आने की आशंका है। जीवनसाथी के प्रति आपको निष्ठावान होना चाहिए।

धनु — आज उच्च अधिकारियों के साथ टकराव हो सकता है। अपने सिद्धांतों के साथ समझौता न करें। नया व्यवसाय शुरू कर रहे हैं तो अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें। धन की समस्या दूर होने की संभावना है। अपना दृष्टिकोण सकारात्मक बनाए रखें।

मकर — आज प्रतिभाशाली लोगों में आपकी गिनती होगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन की प्रशंसा होगी। पूरी मेहनत के साथ अपने काम में लगे रहेंगे। यदि आप कोई लोन लेना चाहते हैं तो उसमें आपको सफलता मिल सकती है। सहयोगियों का भरपूर साथ मिलेगा।

कुंभ — आज आप जो भी काम करेंगे उसमें सफलता देरी से मिलेगी। पिता की कोई बात बच्चों को बुरी लग सकती है। अपरिचित लोगों के समक्ष भावनाओं को संयमित रखें। असंतुलित खानपान के कारण पेट में दर्द की शिकायत हो सकती है।

मीन — आज आपका मूड तरोताजा रहेगा। चतुराई से अपने काम निकलवाने का प्रयास करेंगे। अपने कर्म पर विश्वास रखें। नई जानकारियां प्राप्त करने में जुटे रहेंगे। विपरीत लिंग के लोग आपसे अत्यधिक आकर्षित हो सकते हैं।

सुडोकू-101

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	5		7			2		
8				2		6		
	3				6			
6		8					2	
	2						8	
			4			3		9
	6	4					7	
		1		6				2
					8		5	

सुडोकू - 100 का हल

7	1	4	8	2	6	9	5	3
9	6	8	7	3	5	2	1	4
2	3	5	1	4	9	8	6	7
6	2	1	9	7	3	5	4	8
4	9	7	2	5	8	1	3	6
8	5	3	6	1	4	7	9	2
3	4	2	5	8	1	6	7	9
5	7	9	4	6	2	3	8	1
1	8	6	3	9	7	4	2	5

यह देखकर अच्छा लगा कि तीनों स्पिनर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह ने भी उनका अच्छा साथ दिया। मुझे लगता है कि हमने अच्छी गेंदबाजी की और परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी की।

-सूर्यकुमार यादव

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार, 16 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

एफआईएच का नया सत्र नौ दिसंबर से

लुसाने : एफआईएच हॉकी प्रो लीग का 2025-26 सत्र नौ दिसंबर से अर्जेंटीना और आयरलैंड में शुरू होगा। जिसमें दस मेजबान देशों में रिकॉर्ड 144 मैच खेले जाएंगे। लीग के सातवें सत्र में दो नई टीमें आयरलैंड महिला टीम और पाकिस्तान पुरुष टीम होगी। जिन्हें एफआईएच हॉकी नेशंस कप 2024-25 से प्रमोट किया गया है। पुरुष और महिला लीग की विजेता टीम सीधे 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी।

चाइना मास्टर्स बैडमिंटन आज से

शेनजेन (चीन) : हांगकांग ओपन के फाइनल तक पहुंचे लक्ष्य सेन और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में यह लय कायम रखने उतरेंगे। पिछले दो साल में पहले बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य का सामना यहां पहले दौर में फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से होगा। अलमोड़ा के 24 वर्ष के लक्ष्य पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद से कई टूर्नामेंटों में जल्दी बाहर होते आए हैं। उन्होंने हांगकांग ओपन में यह सिलसिला तोड़ा।

हरियाणा ने गुजरात जायंट्स को हराया

जयपुर : कप्तान जयदीप दहिया के शानदार प्रदर्शन की बदौलत हरियाणा स्टीलर्स ने सोमवार को प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) में गुजरात जायंट्स को 40-37 से हरा दिया। दहिया ने हाई फाइव से टीम को बढ़त दिलाई जबकि शिवम पटारे ने नौ रेड अंक और तीन टैकल अंक हासिल किए। विनय ने भी आठ रेड अंक हासिल करके हरियाणा स्टीलर्स के लिए योगदान दिया।

भारतीय टीम के हाथ न मिलाने पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड बौखलाया

एशिया कप : मैच रैफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को जिम्मेदार ठहराते हुए हटाने की मांग की

दुबई, एजेंसी

भारतीय टीम के एशिया कप मैच के बाद पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाने के फैसले को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया और पीसीबी ने खीझकर मैच रैफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को इसके लिए जिम्मेदार ठहराते हुए हटाने की मांग की।

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने रविवार को सात विकेट से मिली जीत के बाद टीम के फैसले का बचाव करते हुए कहा था कि यह पहलगाम आतंकवादी हमले से पीड़ित परिवारों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए था। पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों ने इस हमले में 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी। पाकिस्तान के खिलाफ खेलने के लेकर भारतीय क्रिकेट टीम को कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने समूचे घटनाक्रम पर नाराजगी जताते हुए एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) से शिकायत की और अब आईसीसी के दखल की मांग की है। एसीसी के अध्यक्ष पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी हैं जबकि आईसीसी अध्यक्ष भारत के जय शाह है। एशिया कप आईसीसी का नहीं बल्कि एसीसी का टूर्नामेंट है। पाकिस्तानी टीम के मैनेजर नवीद चीमा ने एसीसी के समक्ष शिकायत दर्ज करके आरोप लगाया है कि पायक्रॉफ्ट के कहने पर दोनों कप्तानों ने टीमशीट का आदान प्रदान नहीं किया।

पीसीबी ने इससे पहले बयान में कहा टीम मैनेजर नवीद चीमा ने मैच के बाद हाथ नहीं मिलाने वाले भारतीय खिलाड़ियों के बर्ताव का कड़ा विरोध किया है। विरोध के तौर पर हमने अपने कप्तान को मैच के बाद समारोह में नहीं भेजा।

बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई को बताया, देखिए, अगर आप नियम पुस्तिका पढ़ेंगे तो पाएंगे कि विरोधी टीम से हाथ मिलाने के बारे में कोई विशेष निर्देश नहीं है। उन्होंने कहा यदि कोई कानून नहीं है तो भारतीय क्रिकेट टीम उस विपक्षी टीम से हाथ मिलाने के लिए बाध्य नहीं है जिसके साथ तनावपूर्ण संबंधों का इतिहास रहा है।

अगर इतिहास को देखें तो राजनीतिक कारणों से खिलाड़ियों का एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाना कोई नयी बात नहीं है। विम्बलडन 2023 में महिला एकल मैच के बाद यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने बेलारूस की विक्टोरिया अजारेंका से हाथ नहीं मिलाया था। स्वितोलिना ने कहा था कि वह रूस या बेलारूस के किसी खिलाड़ी से हाथ नहीं मिलायेंगी क्योंकि इन देशों ने उनके देश पर हमला किया है। विम्बलडन अधिकारियों ने स्वितोलिना और अजारेंका पर कोई दंड नहीं लगाया।

भारत -पाकिस्तान मैच से पहले टॉस के दौरान कुछ तरह विपरीत दिशा में नजर आए थे दोनों कप्तान सूर्यकुमार यादव व सलमान आगा।

- सवाल उठाए- फाइनल जीतने पर क्या नकवी से ट्रॉफी लेगा भारत
- एसीसी से शिकायत और आईसीसी के दखल की मांग की

हमने मिलकर यह फैसला लिया था। हम यहां सिर्फ मैच खेलने आये थे और मुझे लगता है कि हमने माकूल जवाब दिया। मेरा मानना है कि जीवन में कुछ चीजें खेल भावना से ऊपर भी होती है। हम पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के साथ हैं और यह जीत अपने सशस्त्र बलों को समर्पित करते हैं।

-सूर्यकुमार यादव

नकवी ने आईसीसी तक पहुंचाया मामला

नकवी ने एक्स पर लिखा पीसीबी ने क्रिकेट की भावना से जुड़े एमसीसी के नियम और आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर मैच रैफरी के खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी है। पीसीबी ने मैच रैफरी को एशिया कप से तुरंत हटाने की मांग की है। पीसीबी ने पहले कहा था कि पायक्रॉफ्ट ने पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा से टॉस के समय कहा था कि भारतीय कप्तान से हाथ नहीं मिलाए।

टीम इंडिया के विजेता होने पर फंसेगा पेच

बीसीसीआई ने अभी तक पीसीबी के बयान का जवाब नहीं दिया है लेकिन समझा जाता है कि अगर भारत 28 सितंबर को फाइनल में पहुंचता है तो खिलाड़ी नकवी के साथ मंच साझा नहीं करेंगे। नकवी एसीसी प्रमुख होने के नाते विजयी टीम को ट्रॉफी दे सकते हैं। दोनों टीमों ने टॉस और वॉर्मअप के समय भी एक दूसरे से बात नहीं की। दोनों कप्तानों ने टीमशीट मैच रैफरी को सौंपी।

बीच के रास्ते पर विचार कर रहा एसीसी

एसीसी जिस बीच के रास्ते पर विचार कर रहा है, वह पायक्रॉफ्ट को पाकिस्तान से जुड़े मैचों से हटाना है। जिम्बाब्वे के 69 वर्षीय पायक्रॉफ्ट को बुधवार को यूएई के खिलाफ टीम के आखिरी ग्रुप चरण मैच में अंपायरिंग करनी थी। पीसीबी के घटनाक्रम से वाकिफ एक सूत्र ने बताया एक सम्मानजनक समाधान पायक्रॉफ्ट को पाकिस्तान के मैचों से हटाना हो सकता है। ऐसे में रिची रिचर्डसन पीसीबी के लिए स्वीकार्य नाम हैं।

आतंकवाद हर जगह खत्म होना चाहिए: गांगुली

कोलकाता : भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष और महान बल्लेबाज सौरव गांगुली ने दुबई में एशिया कप मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों द्वारा पाकिस्तानी क्रिकेटरों से हाथ मिलाने से इन्कार करने पर चल रही बहस को दरकिनार कर दिया, लेकिन कहा कि आतंकवाद सिर्फ भारत और पाकिस्तान में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में ख़त्म होना चाहिए।

सोशल मीडिया पर इस मैच के बहिष्कार करने की मांग की जा रही थी। दुर्गा पूजा उत्सव से पहले अपने ब्रांड 'सौरज्य' लांच करते हुए गांगुली ने कहा सबसे अहम है कि आतंकवाद खत्म होना चाहिए, सिर्फ भारत और पाकिस्तान में नहीं बल्कि पूरी दुनिया में। आपने बहुत सी चीजें होते देखी हैं, इसे भी रुकना चाहिए। लेकिन खेल नहीं रुक सकते। दुनिया भर में आतंकवाद रुकना चाहिए।

रविवार को दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत ने शानदार जीत दर्ज की और पिछले एक दशक में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पर अपना दबदबा कायम रखा। लेकिन मैच के बाद का माहौल विवादों से घिरा रहा। पहलगाम हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए भारतीय खिलाड़ियों ने सामूहिक रूप से पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। गांगुली ने इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं की। उन्होंने कहा आपको सूर्यकुमार यादव से पूछना होगा, उन्हें जवाब देना होगा। मैं बहुत दूर हूं।

श्रीलंका के ओपनर बल्लेबाज पथुम निसंका शॉट लगाते हुए। एजेंसी

श्रीलंका ने हांगकांग को चार विकेट से हराया

दुबई, एजेंसी

पथुम निसंका (68) और वानिंदु हसरंगा नौ गेंदों में (20) की शानदार पारियों के दम पर श्रीलंका ने सोमवार को एशिया कप के आठवें मुकाबले में हांगकांग को सात गेंदे शेष रहते चार विकेट से हरा दिया।

150 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ही ओवर में कुसल मेंडिस (11) का विकेट गंवा दिया। उन्हें आयुष शुक्ला ने आउट किया। दूसरे विकेट के रूप में कामिल मिशारा (19) को एजाज खान ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए कुशल परेरा ने पथुम निसंका के साथ तीसरे विकेट लिए 57 रन जोडकर टीम को जीत की ओर ले गए। इसी दौरान हांगकांग ने 16वें ओवर में श्रीलंका के 119 के स्कोर पर दो विकेट झटक कर मैच में रोमांच पैदा कर दिया। पथुम निसंका (68) रनआउट हुए। अगली ही गेंद पर यासिन मुर्तजा ने कुशल परेरा (20) को पगबाधा आउटकर दिया। वानिंदु हसरंगा ने ने 19वें ओवर की पांच गेंदों में 12 रन ठोकर कर अपनी टीम की जीत पक्की की। श्रीलंका ने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 153 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया।

भारत ने सुपर चार चरण में क्वालीफाई किया

अबू धाबी : खिताब के प्रबल दावेदार भारत ने सोमवार को यहां संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की ओमान पर 42 रन की जीत के बाद एक मैच रहते एशिया कप के सुपर चार चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया। भारत दो जीत से चार अंक के साथ वर्तमान में ग्रुप ए में शीर्ष पर है और 19 सितंबर को ओमान (दो मैचों में शून्य अंक) के खिलाफ खेलेगा। भारतीय टीम ओमान से हारने के बावजूद भी शीर्ष दो में रहेगी जिससे उसका सुपर चार के लिए क्वालीफाई करना तय है। ओमान से भारत का हारना असंभव है। पाकिस्तान और यूएई के बीच 17 सितंबर को होने वाले मैच से यह तय होगा कि भारत के अलावा ग्रुप ए से दूसरी टीम के रूप में सुपर चार में कौन जगह बनाता है। पाकिस्तान और यूएई के दो-दो मैचों में दो-दो अंक हैं। ओमान के खिलाफ जीत से यूएई की सुपर चार में जगह बनाने की उम्मीद कायम है।

वैशाली ने फिडे ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट जीता

समरकंद (उज्बेकिस्तान): भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने 11वें और अंतिम दौर में पूर्व विश्व चैंपियन चीन की झोंगयी टैन के साथ कड़े मुकाबले में ड्रॉ खेलकर लगातार दूसरी बार फिडे ग्रैंड स्विस खिताब जीता और महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बनाई।

रूस की कैटरीना लागनो ने अजरबेजान की उल्वियया फतालियेवा के साथ ड्रॉ खेलकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया और संभावित 11 में से आठ अंक हासिल करके वैशाली के अलावा कैंडिडेट्स के लिए क्वालीफाई करने वाली दूसरी खिलाड़ी बनीं। वैशाली ने 2023 में आइल ऑफ मैन में भी यह टूर्नामेंट जीता था। उनकी जीत संकेत है कि भारतीय महिला खिलाड़ी भी जल्द ही पुरुष समकक्षों की तरह सुर्खियों में छाएंगी। वैशाली ने छह बाजियां जीती जबकि एक में उन्हें हार मिली। इस जीत का मतलब है कि वैशाली और आर प्रज्ञानानंदा दोनों भाई-बहन विश्व चैंपियन को चुनौती देने के लिए कैंडिडेट्स में फिर से खेलेंगे।

अक्षर ने बाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए किया था कड़ा अभ्यास

दुबई, एजेंसी

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप मैच में पाकिस्तान के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद हरफनमौला अक्षर पटेल की जमकर तारीफ की। उन्होंने बाएं हाथ के इस स्पिनर की बाएं हाथ के बल्लेबाजों से निपटने के लिए अभ्यास के दौरान किए गए अतिरिक्त प्रयास और बल्लेबाजी के प्रति उनकी स्पष्टता की भी सराहना की। अक्षर ने कुलदीप यादव (18 रन देकर तीन विकेट) के साथ मिलकर भारत को सात विकेट से जीत हासिल करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 18 रन देकर दो विकेट लिए जिनमें खतरनाक फखर जमां का विकेट भी शामिल है जिनका बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ अच्छा रिकॉर्ड रहा है।

सूर्यकुमार ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा मुझे लगता है कि वह (अक्षर) काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं। वह काफी लंबे समय से भारतीय टीम का हिस्सा हैं। इसलिए वह अपना काम अच्छी तरह जानते हैं। उनकी रणनीति पूरी तरह से स्पष्ट होती है। उन्होंने कहा जब भी मैं उन्हें अभ्यास के दौरान देखता हूं, तो वह बाएं हाथ के बल्लेबाजों को ज़्यादा गेंदबाजी करते हैं क्योंकि यह एक उचित संयोजन है। आपको लगता है कि अगर कोई बाएं हाथ का बल्लेबाज़ मैदान में आ रहा है, तो आप बाएं हाथ के स्पिनर को गेंदबाजी नहीं करा सकते। सूर्यकुमार ने कहा लेकिन वह बाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए अधिक अभ्यास करते हैं। जब वह दाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए गेंदबाजी करते हैं, तो उनकी अपनी योजनाएं होती हैं। उन्होंने एक ऑलराउंडर के रूप में अक्षर के महत्व पर भी जोर दिया और संकेत दिया कि उनका उसी तरह से उपयोग किया जाएगा जैसा कि रोहित शर्मा ने टी-20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंट में काफी सफलतापूर्वक किया था।

सूर्यकुमार ने कहा मैं उनकी स्पष्ट योजनाओं और उनकी बल्लेबाजी से वाकई बहुत खुश हूं। मुझे यकीन है कि इसका फायदा उठाया जाएगा। जैसा कि आपने चैंपियंस ट्रॉफी में देखा होगा, रोहित भाई और टीम प्रबंधन ने इसका बखूबी इस्तेमाल किया। मुझे यकीन है कि अगर उन्हें मौका मिला तो वह इसका पूरा फायदा उठाएंगे।

कुलदीप यादव ने मौजूदा टूर्नामेंट में एक और सफलता की कहानी गढ़ी है। उन्होंने दो मैचों में सात विकेट चटकाए और लगातार प्लेयर ऑफ़ द मैच का पुरस्कार जीता।

तंजानिया के अल्फोंसे फेलिक्स सिम्बू ने पुरुषों की मैराथन का स्वर्ण पदक जीता।

लंबी कूद में श्रीशंकर, स्टीपलचेस में पारूल फाइनल की दौड़ से बाहर

विश्व एथलेटिक्स

टोक्यो, एजेंसी

भारत के लंबी कूद के स्टार खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके और 14वें स्थान पर रहे। तीसरी बार विश्व चैंपियनशिप खेल रहे श्रीशंकर ग्रुप ए क्वालीफिकेशन दौर में तीन प्रयासों में सर्वश्रेष्ठ कूद 7.78 मीटर की ही लगा सके। जो पिछले तीन साल से अधिक समय में उनका सबसे खराब प्रदर्शन है।

श्रीशंकर अमेरिका के यूजीन में 2022 में हुई विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर सातवें स्थान पर रहे थे। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी पारूल चौधरी और अंकिता ध्यानी महिलाओं की स्टीपलसचेस स्पर्धा में अपनी हीट में क्रमशः नौवे ओर 11वें स्थान पर रही । पारूल कुल 20वें और अंकिता 35वें स्थान पर रही। पारूल ने नौ मिनट 22.24 सेकंड का समय लिया जबकि उनका राष्ट्रीय रिकॉर्ड नौ मिनट 12.46 सेकंड का है। वह बुडापेस्ट में 2023 विश्व चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचकर दसवें स्थान पर रही थी । अंकिता को चैम्पियनशिप में दूसरे देशों के कुछ एथलीटों के ऐन मौके पर नाम वापिस लेने के बाद जगह मिली थी। केन्या की फेथ चेरोटिच ने महिलाओं की 3,000 मीटर स्टीपलचेज़ स्पर्धा जीत ली। वहीं तंजानिया के अल्फोंसे फेलिक्स सिम्बू ने पुरुषों की मैराथन का स्वर्ण पदक जीता।

केन्या की फेथ चेरोटिच ने महिलाओं की 3,000 मीटर स्टीपलचेज़ स्पर्धा जीत ली।

मध्य क्षेत्र बना दलीप ट्रॉफी चैंपियन

बेंगलुरु में मध्य क्षेत्र के कप्तान रजत पाटीदार टीम के साथ दलीप ट्रॉफी जीतने के बाद जश्न मनाते हुए। एजेंसी

बेंगलुरु, एजेंसी

मध्य क्षेत्र ने कुछ उतार-चढ़ाव भरे क्षणों से उबरते हुए सोमवार को यहां दक्षिण क्षेत्र को छह विकेट से हराकर 11 साल के अंतराल के बाद दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। मध्य क्षेत्र के सामने 65 रन का मामूनी लक्ष्य था लेकिन दक्षिण क्षेत्र के गेंदबाजों ने उनके बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा ली। लक्ष्य बहुत बड़ा नहीं था और ऐसे में मध्य क्षेत्र को उसे हासिल करने में बहुत ज्यादा परेशानी नहीं हुई।

- रोमांचक मुकाबले में दक्षिण क्षेत्र को छह विकेट से हराया

अक्षय वाडकर (नाबाद 19 रन, 52 गेंद) और पहली पारी के शतकवीर यश राठौड़ (नाबाद 13 रन, 16 गेंद) तब क्रीज पर थे, जब मध्य क्षेत्र ने 20.3 ओवर में चार विकेट पर 66 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया और दलीप ट्रॉफी में अपना सातवां खिताब जीता। पाटीदार का कप्तान के रूप में यह इस वर्ष का दूसरा खिताब है। इससे पहले उन्होंने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत दिलाई थी।

अगस्त महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए सिराज

दुबई : भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के लिए सोमवार को अगस्त महीने का आईसीसी का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

आयरलैंड की महिला खिलाड़ी ओर्ला प्रेंडरगैस्ट को भी सिराज के साथ महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारत ने यह मैच छह रन से जीत कर सीरीज बराबर कराई। इस भारतीय तेज गेंदबाज ने कहा आईसीसी का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जाना मेरे लिए विशेष सम्मान की बात है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी एक यादगार सीरीज थी और यह उन सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक थी जिनका मैं हिस्सा रहा हूं।

एशिया कप | खराब फॉर्म से जूझ रहे बांग्लादेश टीम के लिए करो या मरो की स्थिति

अफगानिस्तान की स्पिन बांग्लादेश के लिए चुनौती

अबुधाबी, एजेंसी

बल्लेबाजों के खराब फॉर्म से जूझ रहे बांग्लादेश को मंगलवार को यहां एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ ग्रुप बी के करो या मरो वाले मुकाबले में स्पिन की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

लिटन दास की अगुवाई वाली टीम ने हांगकांग पर शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, लेकिन श्रीलंका से करारी हार के साथ उसकी लय टूट गई, जिससे वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गया। अफगानिस्तान (4.700) नेट रन रेट के आधार पर आगे है। श्रीलंका (2.595) ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर है, इसलिए बांग्लादेश (-0.650) को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए अपना अंतिम मैच हर हाल में जीतना होगा।

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान।

समय : रात 8 बजे से

बांग्लादेश की सबसे बड़ी चिंता उसकी बल्लेबाजी है। श्रीलंका के खिलाफ उसका शीर्ष क्रम बुरी तरह विफल रहा, जिसके बाद जैकर अली और शमीम हुसैन ने छठे विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला। एक बार फिर सभी की निगाहें कप्तान लिटन दास पर होंगी, जिन्होंने हांगकांग के खिलाफ अर्धशतक जड़ा था। अब उनका सामना अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, अनुभवी मोहम्मद नबी, बाएं हाथ के स्पिनर नूर अहमद और एएम गजनफर के मजबूत स्पिन आक्रमण से होगा, जो यहां की परिस्थितियों को देखते हुए किसी भी टीम के लिए सबसे अच्छा संयोजन होगा।

अफगानिस्तान ने इस टूर्नामेंट से पहले त्रिकोणीय श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन किया था और उसकी टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है। उसके पास उपयोगी बल्लेबाज हैं और उसका गेंदबाजी आक्रमण किसी भी टीम के बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करने की क्षमता रखता है। ऐसे में बांग्लादेश के लिए उससे पार पाना आसान नहीं होगा।

अफगानिस्तान के गेंदबाज नवीन चोटिल

अबुधाबी : कंधे की चोट से उबर रहे अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन उल हक फिट नहीं है और वह सोमवार को एशिया कप से बाहर हो गए जिससे अब्दुल्ला अहमदजई को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया। यह 25 वर्षीय तेज गेंदबाज इससे पहले पाकिस्तान के साथ संयुक्त अरब अमीरात में हुई त्रिकोणीय श्रृंखला से भी बाहर रहा था, लेकिन उन्हें एशिया कप के लिए अफगानिस्तान की टीम में शामिल किया गया था। हालांकि अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पुष्टि की है कि मेडिकल टीम ने उन्हें खेलने की अनुमति नहीं दी है। एसीबी ने कहा नवीन पूरी तरह से फिट होने तक गहन उपचार और रिहैबिलिटेशन से गुजरेंगे।